फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 197 प्रभात जयपुर, बुधवार 18 फरवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

**Venezuela Stood by India**

"During the Bangladesh and Pakistan crisis of 1971, Venezuela's public opinion was sympathetic towards India's stand," the report said. Endorsing India's stand and giving support to the people of Bangladesh

**From Zardozi to Kantha**

**Power of Imagination in Wuthering Heights**

# क्या टूट जाएगा कांग्रेस का सबसे भरोसेमंद गठबंधन

## राहुल ब्रिगेड तमिलनाडु में द्रमुक से गठबंधन तोड़ने पर आमादा लग रही है

- **राहुल के करीबी माने जाने वाले माणिकम टैगोर तथा प्रवीण चक्रवर्ती ने द्रमुक के मुखिया तथा राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन से सत्ता में भागीदारी देने और सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग की है, जिसे स्टालिन ने पूरी तरह से ठुकरा दिया है।**
- **सूत्रों से पता चला है, ये दोनों नेता-अभिनेता विजय के संपर्क में हैं और उनकी पार्टी से गठबंधन की संभावनाएं तलाश रहे हैं।**
- **कांग्रेस व द्रमुक में तनाव बढ़ता जा रहा है। यहाँ तक कि वरिष्ठ नेता पी. चिदम्बरम को हस्तक्षेप करना पड़ा, उन्होंने स्टालिन से मुलाकात कर ठंडे छींटे देने की कोशिश की।**
- **लेकिन राहुल टीम के नेता अभी भी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं, उन्हें यह समझ नहीं है कि तमिलनाडु में कांग्रेस का अस्तित्व द्रमुक पर आश्रित है। अगर द्रमुक चुनाव जीतती है तो कांग्रेस भी कुछ सीटें जीत जाती है, अगर द्रमुक हारती है तो कांग्रेस का भी खाता नहीं खुलता।**
- **देखना यह है कि क्या राहुल कांग्रेस के इस सबसे पुराने तथा भरोसेमंद गठबंधन को बचाने के लिए क्या अपनी टीम के नेताओं पर लगाम कसेंगे या वही करेंगे, जैसा उनके सलाहकार चाहते हैं।**

**-रेणु मित्तल-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 17 फरवरी। कांग्रेस और द्रमुक (डीएमके), जैसे पुराने सहयोगियों के बीच तनाव अब चरम पर पहुंच चुका है, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव सिर्फ एक महीने दूर हैं। कांग्रेस की सत्ता में हिस्सेदारी और चुनावी सीटों की संख्या बढ़ाने की लगातार मांग ने इसे और बढ़ा दिया है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने दोनों मांगों पर स्पष्ट इन्कार कर दिया है, लेकिन कांग्रेस अपनी मांग लगातार रख रही है। मणिकम टैगोर और प्रवीण चक्रवर्ती दोनों ही जोर-शोर से इसे आगे बढ़ा रहे हैं।

इतना ही नहीं, एआईसीसी के संगठन प्रभारी महासचिव के सी वेणुगोपाल 22 फरवरी को चेन्नई जाने वाले हैं और वे मुख्यमंत्री स्टालिन से मिलने के लिए तैयार हैं, ताकि इस उलझन को सुलझाया जा सके।

चक्रवर्ती ने अभिनेता से नेता बने विजय से मुलाकात की है, ताकि द्रमुक से अलग होकर विजय की पार्टी से गठबंधन किया जा सके।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम भी इस घमासान में कूद पड़े और स्टालिन से मुलाकात कर मतभेदों को हल करने की कोशिश की।

उन्होंने प्रवीण चक्रवर्ती का विरोध करने के लिए ट्वीट किया, लेकिन वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि समस्या यह है कि प्रवीण राहुल गांधी के करीबी हैं और उन पर प्रभाव रखते हैं, जबकि चिदंबरम वरिष्ठ पीढ़ी से हैं।

विजय भी हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं और कांग्रेस को डीएमके से अलग करने और उनके साथ गठबंधन करने के लिए प्रयासरत हैं।

इस वक्त यह लड़ाई मानसिक स्तर पर है, जिसमें राहुल की युवा टीम यह समझाने में लगी हुई है कि अब कांग्रेस को दबाकर रखने का समय खत्म हो चुका है और पार्टी को अपनी स्थिति स्थापित करनी चाहिए।

वे यह समझने में असफल हैं कि कांग्रेस केवल द्रमुक के साथ जीतती है और अकेले वह कभी जीतने की स्थिति में नहीं होती।

लेकिन राहुल अपने समूह से आसानी से प्रभावित हो जाते हैं, बजाय इसके कि वे खुद मामलों को समझें।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# बांग्लादेश के प्र.मंत्री ने बिड़ला से मुलाकात की

**-जाल खंबाता-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 17 फरवरी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारेक रहमान ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार मुलाकात के दौरान भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शुभकामनाएं दीं, यह मुलाकात नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद हुई।

लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें भारत की शुभकामनाएं और भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। दोनों नेताओं ने बांग्लादेश और भारत के लोगों की

- **मुलाकात में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने स्पीकर ओम बिड़ला के मार्फत भारत के प्रधानमंत्री को अपनी शुभकामनाएं भेजीं।**

भलाई के लिए जन-केन्द्रित सहयोग के प्रति आशा व्यक्त की।

बिड़ला ने उनके दिल्ली-स्थित कार्यालय से जारी एक बयान में बांग्लादेश की नई सरकार के शपथ - ग्रहण समारोह में शामिल होने पर खुशी व्यक्त की, और कहा, "एक लोकतांत्रिक प्रगतिशील तथा समावेशी राष्ट्र के निर्माण में बांग्लादेश के प्रयासों में सहयोग के लिये भारत तैयार खड़ा है।"

# जाते-जाते भी भारत के खिलाफ ज़हर उगल गए मोहम्मद यूनुस

## बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अपने विदाई भाषण में एक बार फिर भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की बात कही

- **यूनुस ने कहा, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और "सैवन सिस्टर्स" (भारत के सात पूर्वोत्तर राज्य) को मिलाकर एक क्षेत्रीय आर्थिक ढांचा बनाया जाना चाहिए। यूनुस ने पूर्व में भी सैवन सिस्टर्स को भारत से छीन लेने की बात कही थी।**
- **नई सरकार के शपथ लेने के बाद भी ज्यादा बड़ी राहत की उम्मीद नहीं है, क्योंकि नई सरकार में कुछ ऐसे नेताओं को मंत्री बनाया गया है, जिनका इतिहास कट्टर भारत विरोध का रहा है। इनमें सलाहुद्दीन अहमद, रिटायर्ड मेजर हाफिज़उद्दीन अहमद, नुरूल हक नूर, ज़ोनायेद साकी शामिल हैं।**

**-श्रीनंद झा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 16 फरवरी। बांग्लादेश के निवर्तमान मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने जाते-जाते भारत पर कड़ा हमला किया है। उन्होंने एक बार फिर अपने उप-क्षेत्रीय आर्थिक ढांचे की योजना का जिक्र किया, जिसमें बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और उत्तर-पूर्व के सात राज्यों के बीच संयुक्त समन्वय की बात कही गई है।

अपने विदाई भाषण में इस विचार को दोहराते हुए, यूनुस ने एक बार फिर उत्तर-पूर्वी राज्यों का जिक्र करते समय भारत का नाम नहीं लिया। खुफिया पर्यवेक्षकों का कहना है कि यूनुस ने एक ऐसा "रणनीतिक संदेश" देने की कोशिश की है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय पक्षों के सामने भारत के उत्तर-पूर्व को अलग तरीके से पेश करना है। इस क्षेत्र को सीधे भारतीय क्षेत्र बताने के बजाय, एक उप-क्षेत्रीय आर्थिक समूह के रूप में दिखाना वैश्विक शक्तियों को यह संकेत दे सकता है कि यह क्षेत्र एक बड़े और बातचीत तथा मोल-भाव योग्य आर्थिक क्षेत्र का हिस्सा है।

हालांकि यूनुस की सरकार अब सत्ता से बाहर हो गई है और बीएनपी नेता तारिक रहमान ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है, लेकिन भारत-बांग्लादेश संबंध अभी भी अनिश्चित दिखाई दे रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री रहमान के मंत्रिमंडल में कुछ ऐसे लोग शामिल हैं, जिन्हें पहले से कट्टर "भारत विरोधी" (इंडिया हॉक्स) माना जाता रहा है। इनमें सलाहुद्दीन अहमद और मेजर (सेवानिवृत्त) हाफिज उद्दीन अहमद जैसे लोग शामिल हैं, जो भारत की सीमा सम्बन्धी नीतियों और जल बंटवारे के समझौतों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# गावस्कर और कपिल सहित 14 क्रिकेटर्स ने इमरान खान के स्वास्थ्य के प्रति चिंता जताई

## इन क्रिकेटर्स ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ़ को चिट्ठी लिखी

- **क्रिकेटर्स ने कहा, इमरान खान खेल की दुनिया में एक सम्मानित नाम हैं, उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए, उन्हें पर्याप्त चिकित्सा सुविधा दी जानी चाहिए। क्रिकेटर्स ने इमरान खान की दाहिनी आँख की दृष्टि बेहद कम होने पर भी चिंता जताई।**
- **यह चिट्ठी ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेट कप्तान ग्रेग चैपल ने लिखी थी तथा सुनील गावस्कर, कपिल देव, एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ, ईअन चैपल, माइक एथरटन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरली, डेविड गोवर, क्लाइव लॉयड और जॉन राइट ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं।**

**-डॉ. सतीश मिश्रा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 17 फरवरी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान के प्रति सहभाव दर्शाते हुए 14 जाने-माने क्रिकेटर्स, जिनमें सुनील गावस्कर व कपिल देव भी शामिल हैं, ने मंगलवार को पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखा और इमरान खान के स्वास्थ्य के प्रति चिंता दर्शाई तथा अपील की कि इमरान खान को बेहतर चिकित्सा सुविधा दी जाए।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ग्रेग चैपल द्वारा तैयार किए गए पत्र पर सुनील गावस्कर, कपिल देव, ऐलन बॉर्डर, स्टीव वॉ, इयान चैपल, माइक एथर्टन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरले, डेविड गावर, क्लाइव लॉयड और जॉन राइट जैसे क्रिकेट दिग्गजों ने हस्ताक्षर किए हैं।

पूर्व कप्तानों ने पत्र में लिखा, "उनके स्वास्थ्य को लेकर हालिया रिपोर्ट्स, विशेष रूप से उनकी दृष्टि में आ रही खतरनाक गिरावट और पिछले ढाई सालों में उनकी जेल की स्थिति ने हमें गहरी चिंता में डाल दिया है।"

उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि इमरान खान जैसे व्यक्ति, जो एक पूर्व राष्ट्रीय नेता और एक वैश्विक खेल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# विख्यात फिल्म लेखक सलीम खान आईसीयू में

**-जाल खंबाता-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 17 फरवरी। बॉलीवुड के दिग्गज पटकथा लेखक 90 वर्षीय सलीम खान की तबियत बिगड़ने पर उन्हें मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूत्रों के अनुसार, सलीम खान के सबसे बड़े बेटे और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपने पिता को देखने बांद्रा के लीलावती अस्पताल पहुंचे।

पीटीआई के अनुसार, सलीम खान को सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे फिलहाल अस्पताल के इंटेन्सिव केयर यूनिट (आईसीयू) में हैं।

सलीम खान की बेटी अलवीरा खान, दामाद अतुल अग्निहोत्री और दोहिते अयान अग्निहोत्री ने भी अस्पताल में जाकर उन्हें देखा। सलीम खान की गोद ली हुई बेटी अर्पिता खान के पति, अभिनेता आयुष शर्मा भी अस्पताल में देखे गए। सलीम खान अपने पूर्व सहयोगी जावेद अख्तर के साथ "शोले", "हाथी मेरे साथी", "जंजीर" और "मि. इंडिया" जैसी कालजयी फिल्में लिखने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 24 नवम्बर 2025 को अपना 90वां जन्मदिन मनाया था।

# तीस साल "बेगमों की सल्तनत" के बाद, बांग्लादेश को नया प्रधानमंत्री मिला

## पर, पुरानी आदतें और परम्पराएं पीछा नहीं छोड़ रहीं, और देश के निवर्तमान अंतरिम सलाहकार, मोहम्मद यूनुस का भारत विरोधी रवैया व व्यवहार बार-बार सिर उठा रहा है

- **जमात-ए-इस्लामी पार्टी भी जोर दे रही है कि नवनिर्वाचित सांसदों की सबसे बड़ी प्राथमिकता है, देश के लिए, नया संविधान तैयार करना।**
- **पर, नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री का कहना है कि सांसद पार्लियामैंट में इसलिए निर्वाचित हुए हैं कि सरकार का गठन करें, न कि इसलिए वे नया संविधान तैयार करें।**
- **नवनिर्वाचित प्र.मंत्री रहमान चाहते हैं, सरकार की प्राथमिकता, आर्थिक एजेंडा होना चाहिए, इकोनॉमिक डवलपमैंट तथा बेरोज़गारी खत्म करना।**
- **प्र.मंत्री रहमान की सरकार की सफलता इस बात से आंकी जाएगी कि इन मूल आर्थिक मुद्दों से वे किस हद तक निपटते हैं, न कि इस बात से कि भारत के साथ झूठी प्रतिस्पर्धा में कितनी प्रगति करी।**

**-अंजन रॉय-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 16 फरवरी। बांग्लादेश के नए चुने गए नेता तारिक रहमान ने, भ्रम की स्थिति के बीच, नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह भ्रम देश के संविधान में बदलाव को लेकर था।

जहां विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी का कहना था कि संसद के नए सदस्यों को देश के संविधान में संशोधन की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, वहीं सत्तारूढ़ पार्टी का कहना था कि सदस्यों को सरकार बनाने के लिए चुना गया है, न कि संविधान में सुधार करने के लिए।

नई सरकार के गठन के साथ ही स्थिति और उलझ गई, जब अंतरिम सरकार के पूर्व मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारत के खिलाफ अपना जाना-पहचाना हमला शुरू कर दिया।

मोहम्मद यूनुस शायद पर्दे के पीछे से घटनाओं को प्रभावित करने और कुछ सत्ता अपने पास बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं नई सरकार अतीत की राजनीति और अतिरिक्त संवैधानिक शक्तियों की छाया से बाहर निकलने की कोशिश कर रही है।

यह एक महत्वपूर्ण घटना है। रहमान का चुनाव उस शासन के तीस साल के दौर को समाप्त करता है, जिसे बेगमों का शासन कहा जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व प्रधानमंत्री तथा पूर्व राष्ट्रपति ज़ियाउर रहमान की पत्नी बेगम खालिदा ज़िया के बीच पिछले तीस वर्षों से टकराव चलता रहा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# मैक्रों से मिलने मुम्बई गए प्र.मंत्री

**-जाल खंबाता-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 17 फरवरी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों तीन दिवसीय भारत दौरे पर है। मैक्रों से मिलने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को मुम्बई गए।

फ्रांस भारत के साथ अपनी सैन्य साझेदारी को विस्तार देने की कोशिश कर रहा है, और मैक्रों की पीएम मोदी

- **फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों भारत के तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार देर रात मुम्बई पहुँचे थे।**

से संभवतया आर्टिफिशयल इंटैलीजैंस में सहयोग व कृत्रिम डसॉल्ट राफेल जेट सौदा होगा।

दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे और भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे।

मैक्रों सोमवार रात लगभग मध्यरात्रि को अपनी पत्नी ब्रिजित के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# इण्डिया एआई समिट में बिल गेट्स का नाम "ड्रॉप" हुआ?

## ऐसा कहा जा रहा है कि बिल गेट्स का नाम इसलिए ड्रॉप हुआ है, क्योंकि दुराचारी एप्स्टीन की फाइलों में बिल गेट्स का नाम भी उजागर हुआ है

**-सुकुमार साह-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 17 फरवरी। वैश्विक प्रौद्योगिकी कूटनीति की दुनिया में, अनुपस्थितियां भाषणों से अधिक प्रभावशाली होती हैं। इसलिए जब यह रिपोर्टें आईं कि बिल गेट्स का नाम 2026 के इंडिया ए.आई. इम्पैक्ट समिट की आधिकारिक वेबसाइट से चुपचाप गायब हो गया, तो इस खामोशी ने तूफान खड़ा कर दिया।

क्या गेट्स को हटा दिया गया था? क्या उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था? या यह केवल एक डिजिटल गड़बड़ी थी, जिसे भू-राजनीतिक नाटक में बदल दिया गया?

पिछले कुछ दिनों में, सरकार, समिट आयोजकों और गेट्स फाउंडेशन ने ऐसे संकेत दिए हैं, जो पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जिससे भारत की राजधानी दिल्ली में आयोजित इस प्रमुख आर्टिफिशियल इन्टैलीजैंस (ए.आई.) समिट के सबसे हाई प्रोफाइल आमंत्रितों में से एक बिल गेट्स को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

विवाद तब शुरू हुआ, जब गेट्स का नाम, जो पहले "ग्लोबल विज़नरीज़" के तहत सूचीबद्ध था, अब समिट की आधिकारिक वेबसाइट के कुछ हिस्सों पर दिखाई नहीं दे रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स ने जल्दी ही इसका पालन किया, जिसमें नामी सरकारी सूत्रों के हवाले से यह कहा गया कि गेट्स "संभावित रूप से उपस्थित नहीं होंगे",

- **बिल गेट्स ने भी स्वीकार किया कि 2010 में वे एप्स्टीन से मिले थे, परोपकारी व दान की संभावना के लिए, हालांकि, यह मुलाकात एक गलती थी तथा वे एप्स्टीन के टापू पर कभी नहीं गए।**
- **एआई समिट की वैबसाइट से बिल गेट्स का नाम हटा दिया गया है, हालांकि, इस बारे में भारत सरकार का कोई अधिकृत वक्तव्य नहीं आया है।**
- **दूसरी ओर बिल गेट्स के ऑफिस ने पुरज़ोर ढंग से दावा किया कि वे भारत की एआई समिट में जरूर शामिल होंगे तथा मुख्य भाषण भी देंगे।**
- **सच्चाई क्या है, यह समिट के समाप्त होने के बाद, धुंध साफ होने पर ही जाहिर होगा।**

क्योंकि हाल ही में यू.एस. द्वारा जारी दस्तावेजों में सेक्स अपराधी जेफरी एप्स्टीन के साथ इनका नाम आया था।

इन रिपोर्ट्स में यह संकेत दिया गया था कि भारत सार्वजनिक भावना को ध्यान में रखते हुए, "पीड़ितों के साथ खड़ा है", इसका अर्थ था कि गेट्स की भागीदारी पर पुनर्विचार किया गया था।

हालाँकि, इसमें एक महत्वपूर्ण चेतावनी थी, प्रधानमंत्री कार्यालय या इलैक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा गेट्स का औपचारिक रूप से निमंत्रण वापस लेने के संबंध में कोई लिखित बयान जारी नहीं किया गया था। "सरकारी सूत्रों" द्वारा दी गई टिप्पणियों को किसी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति से समर्थन नहीं मिला था।

लगभग उसी समय, गेट्स फाउंडेशन ने अपनी स्थिति स्पष्ट की। फाउंडेशन ने कहा कि गेट्स समिट में भाग लेंगे और अपना निर्धारित मुख्य भाषण देंगे। फाउंडेशन के अनुसार, उनकी भागीदारी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

यह बयान सीधे तौर पर उस बात का खंडन करता है, जिसमें यह कहा गया था कि उनका नाम हटा दिया गया था। इसने समिट आयोजकों की ओर भी ध्यान खींचा, जिन्होंने अब तक वेबसाइट लिस्टिंग और फाउंडेशन के दावे के बीच विसंगति को स्पष्ट करने के लिए कोई विस्तृत स्पष्टीकरण जारी नहीं किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# 'अजित पवार विमान हादसे की सीबीआई जांच हो'

मुंबई, 17 फरवरी। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर अजित पवार विमान हादसे की सीबीआई जांच की मांग की। इस मौके पर एन.सी.पी. (ए.पी.) के कार्यकारी

- **उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मुख्यमंत्री फड़णवीस से मांग की।**

अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, मंत्री हसन मुश्रीफ और पार्थ पवार मौजूद थे। मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात के बाद एन.सी.पी. (ए.पी.) अध्यक्ष सुनील तटकरे ने पत्रकारों को बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत के बाद कुछ शंका व्यक्त की जा रही है और विमान हादसे की सच्चाई आम जनता जानना चाहती है। इसलिए इस घटना की गहन छानबीन और हर तरह के तथ्यों की जांच देश की उच्च स्तरीय जांच एजेंसी सीबीआई से करवाना जरुरी है।

## विचार बिन्दु

मौन वार्तालाप की एक महान कला है। –हैजलट

# बजट सामूहिक उत्तरदायित्व में घोषणाएं व्यक्तिगत नहीं होती!

राजस्थान विधान सभा में पिछले हफ्ते राज्य का वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया गया। उसके प्रावधानों तथा उसमें किए गये प्रस्तावों व घोषणाओं पर राजनीतिक और मीडिया के अलावा कारोबारी जगत की फौरी टिप्पणियां आ चुकी है। विपक्ष के लिए वह किसी काम का नहीं है,और सत्तारूढ़ दल के लिए वह सर्वश्रेष्ठ है। मगर इस बजट भाषण में वित्तीय आंकड़ों और प्रस्तावों से कुछ इतर भी झलकता है। पिछले कुछ समय से एक नई प्रवत्ति देखने को मिल रही है जिसमें बजट भाषण सामूहिक दायित्व की जगह व्यक्तिवादी होता जा रहा है। यह प्रवत्ति इस बार सिर चढ़ कर बोलती नजर आई, जिसमें सामूहिक निर्णय को व्यक्तिगत नेतृत्व के प्रचार में बदले जाने की कवायद भी थी। बजट को अब पार्टी की नहीं,व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जाने लगा है। राजस्थान की वित्त मंत्री जब अपने बजट भाषण में बार-बार मुख्यमंत्री का गुणगान करती है और सदन में चारों ओर नजर घुमा कर कहती है कि मैं घोषणा करती हूं, तब प्रश्न विधिक नहीं, राजनीतिक शिष्टाचार और संवैधानिक संस्कृति का बन जाता है। बजट व्यक्ति का नहीं, सरकार का दस्तावेज होता है जिसे विभागीय स्तर पर तैयार किया जाता है, मंत्रिपरिषद् द्वारा अनुमोदित किया जाता है, और अंततः सदन द्वारा पारित किया जाता है। ऐसी स्थिति में 'मैं घोषणा करती हूं' का प्रयोग एक प्रकार से व्यक्तिगत स्वामित्व का संकेत देता हुआ प्रतीत होता है, भले ही विधिक रूप से ऐसा न हो। बहुतों को यह भाषा संसदीय गरिमा और लोकतांत्रिक नैतिकता के विरुद्ध लग सकती है। मैं का यह चलन महलों से आने वाली वसुंधरा राजे तथा कांग्रेस के अशोक गहलोत ने शुरू किया था। विधान सभा में बजट भाषण केवल आय-व्यय का विवरण नहीं होता; वह सरकार की नीतिगत दिशा, प्राथमिकताओं और वैचारिक प्रतिबद्धताओं का औपचारिक वक्तव्य होता है। ऐसे में जब वित्त मंत्री बार-बार यह कहे 'मैं घोषणा करती हूं' तो यह प्रश्न स्वाभाविक ही पूछा जा सकता है कि क्या यह भाषा संसदीय परंपरा और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना के अनुरूप है? यह भाषा की समस्या नहीँ है। समस्या भाव में है। यदि बजट भाषण में बार-बार मैं की प्रधानता हो और सरकार या मंत्रिपरिषद् की सामूहिकता गौण हो जाए, तो यह लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए चिंता का विषय हो सकता है। क्योंकि लोकतंत्र में नीतियां व्यक्तियों की नहीं, संस्थाओं की होती हैं। उत्तरदायित्व साझा होता है, उपलब्धि भी साझा होनी चाहिए। इसलिए सिद्धांततः यह कहना अधिक उपयुक्त माना जाता है कि - सरकार यह घोषणा करती है या राज्य सरकार प्रस्ताव करती है। माना जाता है कि बजट भाषण वित्तीय आंकड़ों के साथ राज्य के आर्थिक हालात को सदन में सामने रखता है और सरकार की लोक कल्याण की नीतियों व कार्यक्रमों की जानकारी देता है। वह राजकोष में आने व उससे खर्च होने वाले पैसों का हिसाब-किताब प्रस्तुत करता है तथा एक-एक पाई खर्च करने की सदन से अनुमति लेता है। भले ही बजट बहुमत के बल से पास होता है, फिर भी यह संवैधानिक व्यवस्था राज्य और प्रशासन को एक मर्यादा में बांधे रखती है। भारतीय संसदीय शासन प्रणाली की मूल आत्मा सामूहिक मंत्रिपरिषद् उत्तरदायित्व की है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 164 के अनुसार मंत्रीपरिषद् विधान सभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है। इसका अर्थ है कि कोई भी नीति, योजना या वित्तीय प्रस्ताव किसी एक मंत्री की व्यक्तिगत सोच नहीं, बल्कि पूरी सरकार के विचार-विमर्श और स्वीकृति का परिणाम होता है। वह पूरी मंत्रिपरिषद् द्वारा स्वीकृत दस्तावेज होता है, जो अंततः सदन द्वारा पारित होकर ही प्रभावी बनता है।

ब्रिटेन की संसद में चांसलर ऑफ द एक्सचेकर आई प्रपोज़ या आई अनाउन्स जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं। लेकिन वहां अब भी राज्य सत्ता राजा या रानी में निहित है भले ही वह अलंकारिक हो। मगर भारत का संविधान यहां की सत्ता नागरिकों के हाथ में देता है। इसीलिए व्यक्तिगत नेतृत्व की छवि गढ़ने के लिए संसदीय मंच का प्रयोग मर्यादित होना चाहिए। लोकतंत्र में संस्थाओं की प्रतिष्ठा व्यक्ति से ऊपर मानी जाती है। यदि बजट को व्यक्तिगत घोषणा-पत्र की तरह प्रस्तुत किया जाने लगे, तो इससे संस्थागत संतुलन कमजोर पड़ सकता है। वित्त मंत्री सरकार के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में बोलते हैं। किन्तु लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी केवल वैधानिकता नहीं, बल्कि संवैधानिक शिष्टाचार और राजनीतिक संस्कृति भी होते है। यदि भाषा में सामूहिकता का बोध झलके, तो वह संसदीय गरिमा के अधिक अनुकूल होता है। प्रश्न यह नहीं है कि मैं कहना अपराध है या नहीं; प्रश्न यह है कि क्या हम लोकतंत्र को व्यक्तियों के इर्द-गिर्द देखना चाहते हैं या संस्थाओं के माध्यम से? बजट भाषण की भाषा इसी व्यापक विमर्श का संकेतक बन जाती है। क्या यह अनायास है कि वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण के में अपने मैं के साथ इस पुरानी सूक्ति को उद्धृत किया: राजा प्रजा सूखे सुखम्, प्रजानाम् च हिते हितम् और कहा शासक का सुख प्रजा के सुख में है तथा हित भी प्रजा के हित में निहित है। प्रजा और नागरिक दोनों शब्द राज्य और व्यक्ति के संबंध को व्यक्त करते हैं, लेकिन इनके अर्थ, संदर्भ और भाव अलग-अलग हैं, जो शासन-व्यवस्था का अंतर दर्शाते हैं। प्रजा शब्द मुख्यतः राजशाही तंत्र से जुड़ा है। इसमें राजा सर्वोच्च होता है और उसके अधीन रहने वाले लोग प्रजा कहलाते हैं। नागरिक शब्द लोकतंत्र से संबंधित है। इसमें जनता ही सर्वोच्च मानी जाती है और उसके सदस्य नागरिक कहलाते हैं। अधिकारों की दृष्टि सेप्रजा के अधिकार सीमित होते थे। राजा की इच्छा ही सर्वोपरि होती है। कर्तव्यों की दृष्टि से प्रजा का मुख्य कर्तव्य राजा के आदेशों की पालना करना होता है। बजट भाषण में जिस उक्ति का उपयोग किया गया वह तब की है जब प्रजा और शासक का संबंध अधीनता का था। गणतांत्रिक भारत में नागरिक और राज्य का संबंध सहभागिता और समानता का है। नागरिक शासन-निर्माण में भाग लेता है और अपने भाग्य का खुद नियंता होता है। दोनों में भावनात्मक और वैचारिक अंतर है। प्रजा शब्द में दासता या अधीनता का भाव निहित रहता है जबकि नागरिक शब्द में गरिमा, अधिकार और जिम्मेदारी का भाव समाहित होता है। इसलिए प्रजा वह है जो राजा के अधीन रहती है, जबकि नागरिक वह है जो लोकतांत्रिक राज्य का समान अधिकारों वाला सदस्य होता है। आधुनिक भारत में हम प्रजा नहीं, बल्कि संविधान द्वारा संरक्षित अधिकारों से युक्त नागरिक हैं। हम भारत के लोगों ने संविधान के माध्यम से स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया। संविधान ने व्यक्ति की गरिमा, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व को राष्ट्र-जीवन की आधारशिला बनाया। परंतु संविधान की औपचारिक स्थापना और उसके मूल्यों का सामाजिक आत्मसात-दो अलग प्रक्रियाएं हैं। यही वह अंतराल है जहां सामंती मानसिकता बार-बार सिर उठाती दिखाई देती है। समाज में उभरती अहंकारी सामंती प्रवृत्तियां अक्सर सतह पर मामूली सांस्कृतिक या व्यवहारगत विचलन के रूप में दिखाई देती है, जैसे भाषा में दंभ, पद और वंश का अनावश्यक प्रदर्शन, सत्ता के प्रति अंध-निष्ठा, या सामाजिक श्रेणियों के आधार पर श्रेष्ठता-बोध। किंतु इतिहास साक्षी है कि ऐसी प्रवृत्तियां धीरे-धीरे सामूहिक मानस में गहराई तक पैठ जाती हैं और अंततः लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन जाती हैं। सामंतवाद केवल आर्थिक या राजनीतिक संरचना नहीं, बल्कि एक मानसिक संरचना भी होती है। इसमें व्यक्ति अपनी पहचान को जन्म, वंश, पद या शक्ति से जोड़कर देखता है। आधुनिक लोकतंत्र इसके विपरीत नागरिकता-आधारित समानता पर टिका होता है। अहंकारी सामंती प्रवृत्तियां अक्सर प्रतीकों के माध्यम से पुनर्जीवित होती हैं,जैसे उपाधियों का प्रदर्शन, शक्ति का सार्वजनिक प्रदर्शन, सामाजिक दूरियां या यह विश्वास कि कुछ लोग स्वभावतः शासक और अन्य स्वभावतः शासित हैं। ये प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक संवाद की जगह अनुशासन और अधीनता को महत्व देती हैं। भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है, परंतु लोकतांत्रिक संस्कार अभी भी समाज के हर स्तर तक समान रूप से नहीं पहुंचे हैं। चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ी है, पर लोकतांत्रिक चेतना-अर्थात असहमति को स्वीकार करना, आलोचना को स्थान देना, और संस्थाओं का सम्मान करना-अब भी संकट में है।जब व्यक्ति लोकतंत्र को केवल मतदान तक सीमित समझता है और रोज़मर्रा के व्यवहार में समानता व संवेदनशीलता को नहीं अपनाता, तब सामंती सोच पुनः सक्रिय हो जाती है। सार्वजनिक जीवन में आलोचना को व्यक्तिगत अपमान मान लेना या सत्ता-सम्पन्न व्यक्ति के प्रति प्रश्न उठाने को 'अवज्ञा' समझना लोकतांत्रिक नहीं, सामंती प्रवृत्तियां हैं। जब लोग व्यक्तिगत करिश्मे को संस्थागत प्रक्रियाओं से ऊपर रखने लगते हैं तब संस्थाओं पर अविश्वास होने लगता है। आलोचना का दमन होता है और असहमति को देश-विरोध या सामाजिक विद्रोह करार दिया जाने लगता है और वंश या पद के आधार पर विशेषाधिकार को नैसर्गिक मान लिया जाता है। ये संकेत बताते हैं कि लोकतंत्र केवल संविधान में सुरक्षित नहीं रह सकता; उसे समाज के व्यवहार में भी सुरक्षित रखना होता है। मानवीय गरिमा का सम्मान तभी बना रह सकता है जब सामाजिक व राजनीतिक नेतृत्व प्रतीकात्मक सामंती प्रदर्शन से बचे और सादगी व जवाबदेही को अपनाये। भारत में जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और वर्ग के आधार पर नई-नई पहचानों का उभार होता नजर आता है। पहचान का उभार सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक भी बन सकता है, किंतु जब यह प्रवृत्ति मानवीय मूल्यों से ऊपर उठकर राजनीतिक वर्चस्व का माध्यम बन जाती है, तब वह विभाजनकारी भी हो जाती है।

**सार्वजनिक जीवन में आलोचना को व्यक्तिगत अपमान मान लेना या सत्ता-सम्पन्न व्यक्ति के प्रति प्रश्न उठाने को 'अवज्ञा' समझना लोकतांत्रिक नहीं, सामंती प्रवृत्तियां हैं। जब लोग व्यक्तिगत करिश्मे को संस्थागत प्रक्रियाओं से ऊपर रखने लगते हैं तब संस्थाओं पर अविश्वास होने लगता है। आलोचना का दमन होता है और असहमति को देश-विरोध या सामाजिक विद्रोह करार दिया जाने लगता है और वंश या पद के आधार पर विशेषाधिकार को नैसर्गिक मान लिया जाता है।**

**–अतिथि संपादक,**
**राजेन्द्र बोड़ा**
**( वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक )**

# उचित मूल्य के अभाव में तरक्की से दूर किसान

## कृषि विकास का एक दशक.....

पंकज मीणा

देश में कुछ क्षण ऐसे भी आए जब प्याज की बढ़ती कीमतों से सरकारें अस्थिर हो जाती थी अथवा टमाटर, लहसन का आम आदमी की पहुंच से दूर होने के नाम पर राजनीति होती थी। शहरों के नजदीक का किसान बाजार आसानी से उपलब्ध होने के कारण सब्जी की खेती की ओर आकर्षित् होता है, आसानी से बाजार उपलब्धता के अलावा तुरंत नकदी हाथ में आना भी प्रमुख कारण है। जहां सब्जी की खेती करने से तुलनात्मक लाभ अधिक होता है वहीं लागत मूल्य भी बढ़ जाता है तथा ताजगी कुछ घंटे ही बने रहने के कारण जोखिम भी बढ जाता है। परंतु फिर भी 10 वर्षो में किसानों की मेहनत और सरकार के सहयोग से उत्पादन और प्रति हैक्टेयर उत्पादकता में बढोतरी हुई है। सरकार उत्पादन बढाने हेतु बहुत सी योजना बनाती है परंतु उपज का उचित मूल्य न मिलने से किसानों को समूचित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

गत कुछ वर्षो पर नजर दोडाये तो ध्यान में आता है कि खेती किसानी पर चर्चाए कम हो गई है, सेमीनार कॉन्क्लेव बंद हो गए है यहां तक की किसान संगठन कमजोर हुए जिससे किसानों की आवाज उठाना व उसके लिए संघर्ष करना समाप्त हो चुका है। कुल मिलाकर खेती किसानी और किसान हाशिये पर है। आंकडों की ओर देखे तो राजस्थान में सब्जियों का उत्पादन वर्ष 2014-15 में 14 लाख 33 हजार मैट्रिक टन था वो 2022-23 बढ़कर 23 लाख 35 हजार मैट्रिक टन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आय दुगुनी करने के लक्ष्य में उत्पादन तो लगभग दुगुना हो गया परंतु सब्जियों के भाव गत 10 वर्षो में 20 प्रतिशत तक ही बढ़ने से किसानों का लाभ अनुपातिक रूप से नहीं बढा। जब सब्जियों के भाव की बात करते है तो चर्चा यह भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि उपभोक्ता को सब्जियां जब 20 रूपए किलो मिल रही होती है, तब किसान 5 रूपए किलो में बेचने पर मजबूर होता है।

एक अध्ययन के अनुसार किसान को उपभोक्ता मूल्य का 30 प्रतिशत ही भाव मिल पाता है। सब्जियां उपभोग करने वाले उपभोक्ता जब 20 रू. मिलो की सब्जी खाकर महंगाई गिनाते है तो उसे जहन में एक बार चिंतन करना चाहिए की 3-4 महीनें में मौसम की विपरीत परिस्थिति में हाडतोड मेहनत करने वाले किसाने को उस 20 रू. में से केवल 5 रू. ही मिल रहे है। और उस 5रू. में ही किसान अगली फसल भी करेगा अपने परिवार का पेट भी पालेगा और अपने बच्चों का भविष्य सुनिश्चत भी करेगा। सरकारों के प्रयास से उत्पादन व उत्पादकता बढी है जहां 2014-15 में सब्जियों का उत्पादन प्रति हैक्टेयर 9312 किलो था जो कि 2022-23 में बढकर 12116 किलो हो गया अर्थात उत्पादकता में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है सरकार के सकारात्मक प्रयास व किसान की मेहनत से उत्पादन दुगुना हुआ है और प्रति हैक्टैयर उपज में 30 प्रतिशत की बढोतरी हुई है, परंतु उचित भाव न मिलने से किसान खुशहाली है दूर है।

कृषि कार्य को किसान के नजरिए से तीन भागों में बांटा जा सकता है। प्रथम बुवाई अर्थात भूमि में बीज बोने से पूर्व खेत तैयार करना और बीज की बुंवाई। दूसरा 2-6 माह तक किसान फसल को अपनी कला व मेहनत से तैयार करता है फिर कटाई के उपरांत फसल को बाजार के लिए तैयार करता है। तीसरा और अंतिम तैयार फसल को बाजार ले जाकर बेचना और उपज मूल्य को प्राप्त करना। इसमें प्रथम और द्वितीय भाग में किसान की मेहनत महत्वपूर्ण है वहीं सरकार वैज्ञानिकों से मिलने वाला तकनीक, सहयोग, सुविधा का बडा योगदान है। जहां सरकार से सहयोग, सुविधा, तकनीक और किसान की मेहनत में कोई कमी नहीं है, इसलिए उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई है। परंतु अंतिम भाग फसल को बाजार में बेचकर उचित मूल्य को प्राप्त करने में किसान पिछड रहा है, तैयार उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने में यहां परिवहन, मंडी/बाजार में महत्वपूर्ण कारक तो वहीं तैयार फसल (फल/सब्जी) का परिरक्षण भी एक बढी समस्या है। भारत में परीरक्षण के अभाव में 40-60 प्रतिशत फसल ही थाली तक पहुंचती है, सरकार किसान की फसल बिक्री की कोई मजबूत व्यवस्था तैयार करें जिससे किसान की बिक्री मूल्य और उपभोक्ता के खरीद मूल्य में ज्यादा अंतर न हो। साथ ही जल्द खराब होने वाली फसलों के परीरक्षण के लिए सरकार उद्योग स्थापित करने हेतु निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करे तो निश्चित ही फल सब्जी उत्पादक किसान के जीवन में सुखद बदलाव देखने को मिलेगा।

**–पंकज मीणा,**
**प्रदेश प्रवक्ता, भाजपा**

# राष्ट्रीय गीत का सम्मान भारत के संविधान के प्रति आभार जताना है

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

यूनियन ऑफ़ इंडिया के गृह मंत्रालय के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में राष्ट्रीय गीत यानी वंदे मातरम के लिए गाइडलाइन तय की गई हैं। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर चार हिस्सों में बंटा हुआ है। पहला, वंदे मातरम का आधिकारिक वर्शन, दूसरा, ग्रुप में या मिलकर राष्ट्रीय गीत गाना या बजाना। और आखिरी में दर्शकों की यह ज़िम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय गीत बजाते या गाते समय सावधान खड़े रहें। मीडिया में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा यह गलत जानकारी फैलाने की कोशिश कर रहा है कि इस ऑर्डर में राष्ट्रीय गीत गाना ज़रूरी है। जबकि तथ्य यह है कि यह राष्ट गीत- वंदे मातरम के गायन या वादन के दौरान सावधान खड़े रहने का कर्तव्य निर्धारित करता है। दिशानिर्देशों का विरोध करने वाले लोगों द्वारा यह भी प्रयास किया गया है कि इसका उल्लेख राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में नहीं है। अधिनियम, 1971 को ध्यानपूर्वक पढ़ने पर, धारा 3 में स्पष्ट रूप से राष्ट्रगान गायन आदि का उल्लेख है।

धारा 3. भारतीय राष्ट्रगान गायन आदि की रोकथाम - जो कोई भी जानबूझकर भारतीय राष्ट्रगान के गायन को रोकता है या ऐसे गायन में लगे किसी भी सभा में व्यवधान पैदा करता है, उसे तीन साल तक की अवधि के कारावास या जुर्माने या दोनों से दंडित किया जाएगा।

धारा 3 के शीर्षक को केवल 24 जनवरी, 1950 की संविधान सभा की बहस की कार्यवाही पर ध्यान देकर ही समझा जा सकता है, यह ऐतिहासिक फ़ैसला जन गण मन और वंदे मातरम के दर्जे की साफ़ समझ और तारीफ़ का आधार और बुनियाद है।24 जनवरी 1950 को संविधान सभा के प्रेसिडेंट डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने यह बयान दिया था, जिसे राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत पर आखिरी फ़ैसले के तौर पर भी अपनाया गया:-

...जन गण मन के नाम से जाने जाने वाले शब्दों और संगीत से बनी रचना भारत का राष्ट्रगान है, जिसमें ज़रूरत पड़ने पर सरकार जो भी बदलाव करने की इजाज़त दे सकती है, उसके अधीन है, और वंदे मातरम गीत, जिसने भारतीय आज़ादी की लड़ाई में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है, उसे जन गण मन के बराबर सम्मान दिया जाएगा और उसके बराबर दर्जा दिया जाएगा।

यह बात कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम पर कोई कानूनी नियम नहीं है, गलत, बेतुकी और गुमराह करने वाली है। यह बात हो सकती है कि 1971 में राष्ट्रीय गीत का साफ़ तौर पर ज़िक्र नहीं है। एक्ट 1971 के सेक्शन तीन की हेडिंग में इस्तेमाल किया गया शब्द आदि मतलब निकालने के लिए कानूनी तरीकों की ज़रूरत है। इस विषय पर गाइड करने के लिए एजुडेम जेनेरिस का सिद्धांत लॉजिकल नतीजे को समझने में मदद करता है

दूसरा तर्क यह है कि आर्टिकल 19 में इस बात के लिए युक्तायुक्त पाबंदियां हैं कि युक्तायुक्त पाबंदियां कानून के तौर पर लगाई जा सकती हैं, न कि एग्जीक्यूटिव ऑर्डर से, यह खड़क सिंह केस में तय किया गया था। राष्ट्र गीत कानूनी ज़रूरत को पूरा करते हैं, क्योंकि अधिनियम 1971 राष्ट्रगान को कानूनी सुरक्षा देता है और आदि का मतलब सिर्फ़ राष्ट्रगीत वंदे मातरम से लगाया जा सकता है क्योंकि 24 जनवरी 1950 के फ़ैसले में राष्ट्रगीत को राष्ट्रगान के साथ समान जगह और सम्मान दिया गया है।

भारत के संविधान का आर्टिकल 25 धर्म की आज़ादी के बारे में बताता है, जिसका इस्तेमाल कम्युनिटी के एक हिस्से द्वारा राष्ट्र गीत के ज़रूरी गाने की फ़र्ज़ी ख़बरें फैलाने के लिए किया जाता है। राष्ट्र गीत के प्रति सम्मान दिखाना किसी भी तरह से फंडामेंटल राइट का उल्लंघन नहीं है। असल में, राष्ट्रगीता के प्रति सम्मान न दिखाना कम्युनल है और भारत के संविधान के सेक्युलर मूल्यों के ख़िलाफ़ है।

फंडामेंटल राइट्स को कॉन्स्टिट्यूशनल मोरैलिटी के हिसाब से समझने की ज़रूरत है, जिसमें लिबर्टी, इक्वालिटी और फ्रेटरनिटी शामिल हैं। डॉ. अंबेडकर ने 25 नवंबर 1949 को कहा था कि लिबर्टी, इक्वालिटी और फ्रेटरनिटी की त्रिमूर्ति फ्रेटरनिटी की नींव पर ही बनी है। वंदे मातरम हाल ही में नहीं बना है। इसमें भारतमाता और पुरानी सभ्यता के रूप में राष्ट्र की स्तुति करने की भारतीय संस्कृति का इतिहास है। भारत में राष्ट्र के रूप में संघर्ष की विरासत - भारत माता - सिर्फ़ भारत तक ही सीमित नहीं है। दुनिया का नज़रिया राष्ट्र के रूप को माँ या पितृभूमि के रूप में दिखाता है, जैसे इंग्लैंड - ब्रिटानिका, रूस - पवित्र रूस, आयरलैंड - कैथलीन नी हौलिहान, जर्मनी - जर्मेनिया।

राष्ट्रगीत का विरोध 7 1948 को कॉन्स्टिट्यूएंट असेंबली की बहस के दौरान डॉ. अंबेडकर की बातों की याद दिलाता है, बदकिस्मती से इस देश में जो धर्म हैं, वे सिर्फ़ नॉन-सोशल नहीं हैं; जहाँ तक उनके आपसी रिश्तों का सवाल है, वे एंटी-सोशल हैं, एक धर्म दावा करता है कि उसकी शिक्षाएँ ही मुक्ति का एकमात्र सही रास्ता हैं, जबकि बाकी सभी धर्म गलत हैं। मुसलमानों का मानना है कि जो कोई भी इस्लाम के सिद्धांतों में विश्वास नहीं करता, वह काफ़िर है और उसे मुसलमानों के साथ भाईचारे का हक नहीं है। राष्ट्रगीत का विरोध विरोधियों के ज़रिए सच हो रही चिंताओं की झलक है।

8 दिसम्बर 1948 को कॉन्स्टिट्यूएंट असेंबली की बहस के दौरान एस संथानम ने कहा कि ऐतिहासिक एसिमिलेशन भारतीय सभ्यता की खासियत रही है, इसलिए राष्ट्र गीतवंदे मातरम का विरोध ऐतिहासिक एसिमिलेशन की फिलॉसफी के खिलाफ है। फिर, 21 जनवरी 1947 को कॉन्स्टिट्यूएंट असेंबली में ऑब्जेक्टिव रेज़ोल्यूशन पर हुई बहस के दौरान आर. धुलेकर ने कहा कि भारतीय बाबर, हुमायूं और अकबर को उसी हद तक अपना मानते हैं, जिस हद तक वे खुद को भारत से जोड़ते हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्डइस्लाम की उस विचार को फॉलो करता है जो एंटी-सोशल, अनडेमोक्रेटिक और एंटी-नेशनल है और साथ ही कॉन्स्टिट्यूशनल मोरैलिटी के प्रिंसिपल्स के भी खिलाफ है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्डका विरोध हिस्टोरिकल एसिमिलेशन प्रोसेस के भी खिलाफ है, यह एक पॉलिटिकल एजेंडा है जिसका नतीजा कश्मीर में जेनोसाइड जैसा होता है।

हिस्टोरिकल एसिमिलेशन प्रोसेसका मकसद मेलजोल, आपसी सम्मान सीखना है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्डबेनकाब हो गया है और जिन्ना की तरह बर्ताव कर रहा है जिसने बंटवारे के बीज बोए थे, जिसका नतीजा यूनाइटेड इंडिया का बंटवारा था। नंदलाल बोस की लिखी कॉन्स्टिट्यूशन की कैलिग्राफी कॉपी को दिखाने वाले एक इलस्ट्रेशन में नौखाली दंगों का ज़िक्र है, जो याद दिलाता है कि भारत को बांटने की आगे की सभी कोशिशों को शुरू में ही खत्म कर देना चाहिए। साथ ही, भारत के संविधान की कैलिग्राफी कॉपी में भारत का विवरण मदर इंडिया - भारत माता के रूप में है, जिसका मतलब है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस और दूसरे फ्रीडम फाइटर्स भारत माता को आज़ाद कराने के लिए भारत के बाहर से लड़ रहे थे (हिंदी में भारत माता), नेताजी बोस को दिखाने वाले इलस्ट्रेशन का विवरण है। इसलिए वंदे मातरम भारत माता की प्रशंशा, स्तुति है। यहीनहींभारत को आज़ादी मिलने पर आधी रात को कॉन्स्टिट्यूएंट असेंबली की प्रोसिडिंग्स में बताया गया है कि पहला एजेंडा सुचेता कृपलानी द्वारा वंदे मातरम का गायन था।

राष्ट्रगान बजाते या गाते समय सावधान की मुद्रा में खड़े होने के विषय पर दुनिया का नज़रिया 1987ध्(एण) 748 बिजो इमैनुएल और अन्य, अपीलेंट बनाम केरल राज्य और अन्य, रेस्पोंडेंट में भी बताया गया है। डोनाल्ड बनाम हैमिल्टन बोर्ड एजुकेशन, (1945 ओंटारियो) में झंडे को सलामी देने और राष्ट्रगान गाने पर आपत्ति के एक मामले में, जस्टिस गिलेंडर्स ने कहा :

"... मेरे लिए, झंडे को सलामी देने या राष्ट्रगान गाने का आदेश किसी भी ज़बरदस्ती किए गए धार्मिक काम में शामिल न होने का आदेश होगा, बल्कि, सही नज़रिए से देखा जाए तो, एक उलटे सिद्धांत के सम्मान में शामिल होना होगा, यानी, एक ऐसे देश और राष्ट्र का सम्मान करना जो धार्मिक आज़ादी के लिए खड़ा है, और यह सिद्धांत कि लोग अपनी मर्ज़ी से पूजा कर सकते हैं, या बिल्कुल नहीं कर सकते।"

**–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,**
**अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर**

# बूंदी में अस्तित्व खो रहा है एकमुखी शिवलिंग वाला दो हजार साल पुराना मंदिर

## सर्वेक्षण के बावजूद पुरातत्व विभाग ने प्राचीन शिवमंदिर की सुध नहीं ली

**बूंदी,** (निसं)। क्षेत्र के प्रसिद्ध प्राकृतिक एवं पौराणिक धार्मिक आस्था स्थल भीमलत महादेव के निकट शिव मंदिर मलबे में तब्दील हो गया है तथा कलात्मक एक मुखी शिवलिंग खण्डित अवस्था में है। इस शिवलिंग पर शिव की ध्यान योग मुद्रा में सुंदर प्रतिमा उत्कीर्ण है।

लंबे समय से इस मंदिर के खंडित शिवलिंग की पुनर्स्थापना एवं जीर्णोद्धार के लिए भारतीय पुरातत्व विभाग को अवगत कराया गया था, लेकिन किसी ने इस कार्य में गंभीरता नहीं दिखाई। इस ध्वस्त शिवालय एवं खण्डित आदमकद एकमुखी शिवलिंग के कारण इस स्थान का नाम खंडेरिया पड़ा। यहां पर एक छोटी बस्ती भी है, जिसका नाम भी इसी मंदिर के कारण खंडेरिया है। मंदिर का निर्माण गोलाकार में हुआ था और आशंका जताई जा रही है कि इसे विदेशी आक्रांताओं ने ध्वस्त किया होगा। इस शिवलिंग व शिवालय के अध्ययन के लिए पुरातत्व विभाग से वैज्ञानिक उत्खनन की मांग की गई थी और भारतीय पुरातत्व विभाग के गोविन्द मीणा व मनोज द्विवेदी ने इस शिवालय का अवलोकन भी किया था। इसकी बड़े आकार की ईंटों के आधार पर इसे 1800 से 2200 साल के बीच में निर्मित होने की संभावना है। पुरातत्व विभाग यहां के कलात्मक खण्डित शिवलिंग को किसी म्यूजियम में रखने के लिए ले जाना चाहता था, लेकिन स्थानीय लोगों व पुरातत्व से जुड़े लोगों ने इसका विरोध किया, जिससे शिवलिंग उसी हालत में है।

**■ भीमलत महादेव के निकट शिव मंदिर मलबे में तब्दील हो गया है**

पुरातत्व विभाग की टीम के सर्वे से उम्मीद थी कि जिले की इस महत्वपूर्ण पुरा संपदा का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार होगा, लेकिन अभी तक निराशा ही हाथ लगी है। खंडेरिया महादेव मंदिर प्राचीन बाणगंगा नदी के किनारे पर बना हुआ है जो अब मलबे में तब्दील हो गया है। यहां पास ही में रॉक पेंटिंग भी मिली है, जिससे इस स्थान के अति प्राचीन होने की संभावना है। इस प्राचीन स्थल के नजदीकी पौराणिक स्थानों में भाला कुई व सीता कुंड धार्मिक आस्था स्थल है।

## राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

**बुधवार 18 फरवरी, 2026**

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 9:16 तक, शिव योग रात्रि 10:45 तक, बव करण सायं 4:58 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

**गृह स्थिति:** सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सायन मीन में सूर्य प्रवेश रात्रि 9:22 पर करेगा। आज चन्द्र दर्शन दक्षिण श्रृंगोन्नति, पंचक है। आज से बसन्त ऋतु आरम्भ होगी।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:53 तक, शुभ 11:17 से 12:41 तक, चर 3:29 से 4:53 तक, लाभ 4:53 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:05, सूर्यास्त 6:16

### मेष

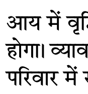

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

### वृष

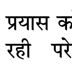

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मिथुन

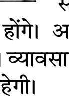

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

### कर्क

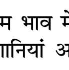

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

### सिंह

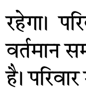

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

### कन्या

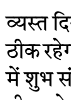

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### तुला

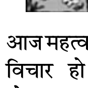

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### वृश्चिक

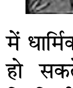

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### धनु

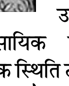

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

### मकर

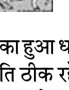

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

### कुंभ

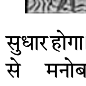

मानसिक तनाव दूर होने लगेगा। मनःस्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मीन

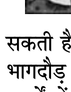

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

# खजाना खाली कर गए और सीख हमें देते हैं, घाटे के बीज बोकर हिसाब हमसे लेते हैं : दिया कुमारी

## बजट बहस का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री ने कांग्रेस नेताओं पर जमकर कटाक्ष किया

**जयपुर ( विसं )।** उप मुख्यमंत्री व वित्तमंत्री दिया कुमारी ने बजट बहस का जवाब देते हुए कांग्रेस पर जमकर कटाक्ष किया। उन्होंने बजट बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, बायतू से हरीश चौधरी, राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा सहित अन्य सदस्यों द्वारा उठाए बिंदुओं का तल्ख जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि "खजाना खाली कर गए और सीख हमें देते हैं, घाटे के बीज बोकर हिसाब हमसे लेते हैं।" हमारी सरकार राजस्व आय में वृद्धि करने के लिए प्रयासरत है। कांग्रेस सरकार के वक्त राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का के 4.4 प्रतिशत था, जबकि हमारी सरकार की ओर से राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 2025-26 में 3.87 प्रतिशत अनुमानित किया। साल 2026-27 में कम करके 3.6 9 प्रतिशत अनुमानित है। दिया कुमारी ने सबसे पहले सड़कों के क्षेत्र में घोषणा करते हुए कहा कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क मरम्मत व उन्नयन के लिए 690 करोड़ रूपए खर्च किए जाएंगे। डीएमआईसी नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र में 1012 करोड़ रूपए की लागत से पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

कृत्रिम जलाशय व फीडर निर्माण पर अगले साल 200 करोड़ रूपए खर्च होंगे। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पुरानी जीर्ण-शीर्ण पाइप लाइन बदलने के लिए 150 करोड़ खर्च होंगे। वहीं, विद्याधर नगर में पानी की पाइप लाइन, टंकी निर्माण व ट्यूबवेल के लिए 37 करोड़ रुपए की घेषणा की।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को सदन में बजट बहस का जवाब दिया।

### 'किसानों को खेत तक रास्ता देगी सरकार'

किसानों को खेत तक रास्ते के लिए 20 फीट तक सरकारी जमीन की पट्टी का आवंटन हो सकेगा। इसके लिए डीएलसी की दुगुनी दर से पैसा देना होगा। दिया कुमारी ने कहा कि रास्तों और खातेदारी जमीन के बीच में सरकारी भूमि होने पर अप्रोच रोड़-पहुंच मार्ग उपलब्ध नहीं हो पाता, ऐसी खातेदारी जमीन का गैर कृषि कामों में उपयोग के लिए लैंड यूज चेंज नहीं हो सकता। ऐसे प्रकरणों में 20 फीट तक की चौड़ाई की सरकारी जमीन की पट्टी का कृषि भूमि की प्रचलित डीएलसी की दुगनी दर से भुगतान करने पर संबंधित खातेदार को अप्रोच रोड-पहुंच मार्ग के लिए आवंटन आवंटन किया जा सकेगा।

■ कांग्रेस सरकार के वक्त राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का के 4.4 प्रतिशत था, जबकि हमारी सरकार की ओर से राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 2025-26 में 3.87 प्रतिशत अनुमानित किया। साल 2026-27 में कम करके 3.6 9 प्रतिशत अनुमानित है।

### 'हमारी सरकार सबको साथ लेकर चलने वाली'

दिया कुमारी ने कहा कि हमारी सरकार सबको साथ लेकर चलने वाली सरकार है। विपक्ष की तथ्यात्मक आलोचना का हम स्वागत करते हैं। कुछ ने अनावश्यक अर्नगल आलोचना की, मैं आभारी हूं कि उन्होंने कम से कम बजट तो पढ़ा। यह तो इनकी परंपरा रही है। बजट समझा भले न हो, लेकिन पढ़ तो लिया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी नेता प्रतिपक्ष ने आज अनजाने ही सही हमारे पिछली बजट की तारीफ कर दी। आज उन्होंने कविताओं के अलावा ज्यादा कुछ आलोचना करने को मिला नहीं।

### 'मेरा पानी पीना याद रहा, जेजेएम में भ्रष्टाचार नहीं'

दिया कुमारी ने डोटासरा पर तंज कसते हुए कहा कि लक्ष्मणगढ़ विधायक ने मेरे बजट भाषण पढ़ने के दौरान मेरे द्वारा सात आठ बार पानी पीने पर टिप्पणी की। अब क्या करें, हमारे समय में पानी आसानी से सब लोगों के लिए उपलब्ध है। अब आपके समय में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में जो भ्रष्टाचसर हुआ वो सब जानते हैं। उनकी सरकार में हुए भ्रष्टाचार पर तो इनका ध्यान गया ही नहीं, पर मैंने कितना पानी पिया उस पर ध्यान जरूर जाएगा । अभी मैं पानी और पी लेती हूं। यह कहकर दिया कुमारी ने गिलास उठाकर पानी पीया। इस पर डोटासरा ने पलटवार करते हुए कहा कि पानी बर्बाद क्यों किया जा रहा है इतनी सी बात है। इस पर ससंदीय कार्य मंत्री ने कहा कि पानी पीने को बर्बाद करना कैसे कह सकते हैं।

### 'एक लाख पदों पर भर्ती प्रोसेस में हैं'

दिया कुमारी ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को नौकरियां दे रही हैं। एक लाख पदों पर भर्ती प्रोसेस में है। एक लाख भर्तियों का कैलेंडर जारी है।

# बजट बहस के जवाब में सरकारी कर्मचारियों को लुभाया

## ट्रेनिंग में नौकरी छोड़ने पर वेत्तन भत्तों की नहीं होगी वसूली

-विधानसभा संवाददाता-

**जयपुर ।** उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में बजट बहस का जवाब देते हुए प्रदेश के बुनियादी विकास, कर्मचारी और आमजन हित में कई अहम घोषणाएं कीं। दिया कुमारी ने सरकारी कर्मचारियों को प्रोबेशन पीरियड में ट्रेनिंग के दो साल की अवधि में केंद्र या राज्य की दूसरी नौकरी में चयन पर मौजूदा पद छोड़ने पर राहत देने की घोषणा की है। अब दो साल की ट्रेनिंग अवधि में पद छोड़ने पर वेतन भत्तों की वसूली नहीं होगी। सभी राज्य कर्मचारियों को एक्सटेंडेंट इंश्योरेंस मेच्योरिटी के साथ अर्धवार्षिकी रिटायरमेंट तिथि तक इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा राजस्थान को पीछे किसने छोड़ा था, यह इतिहास जानता है। शिक्षा, कृषि पर नेता प्रतिपक्ष ने बजट कम करने की बात उठाई। हमारा कृषि बजट कांग्रेस सरकार से 34 प्रतिशत ज्यादा है। कम से कम आंकड़े तो सही रख दीजिए। दिया कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय औसत दर से हमारी ग्रोथ रेट ज्यादा होने पर विधायक ने सवाल उठाए। हमारा फैडरल स्ट्रक्चर है। राजस्थान की जीएसडीपी की ग्रोथ रेट राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। 2047 तक भारत को विकसित बनाने में राजस्थान ग्रोथ इंजन का काम करेगा। राज्य की जीएसडीपी अगले साल तक 21 लाख करोड़ पार होने का अनुमान है। यह कांग्रेस राज से 41 प्रतिशत से ज्यादा है।

### बजट रिप्लाई में राहत, छोटी छोटी घोषणाओं से लुभाया

**-किसानों को खेत तक पहुंचने के लिए जमीन देगी सरकार**

**-कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के पास बनेगा नया औद्योगिक क्षेत्र**

**-शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के लिए 690 करोड़ की घोषणा**

**-ट्रिपल आईटी कोटा में नए कोर्स होंगे शुरू, एआई हब बनेगा**

**-लूणकरणसर में मिनी सचिवालय का निर्माण करवाया**

**-75 हजार स्कूली बच्चों की आंखों की जांच कर देंगें चश्मे**

# 'गौ-हत्या'' पर विधानसभा में दिनभर हंगामा, 7 बार कार्यवाही स्थगित

## विपक्ष के आरोपों से गुस्से में आकर सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा वैल क्रॉस करके विपक्ष की तरफ जा पहुंचे, हाथापाई की नौबत बनी

-विधानसभा संवाददाता-

**जयपुर ।** "गौ-हत्या" के मुद्दे पर विधानसभा में मंगलवार को करीब 6 घंटे तक जमकर हंगामा हुआ। मामला इतना बढ़ा कि सदन की कार्यवाही भी 7 बार स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस ने पिछले सप्ताह जयपुर में गौवंश की हत्या को लेकर हंगामा किया। कांग्रेसी विधायकों ने सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा पर गौ-हत्यारों को बचाने तक का आरोप लगा दिया, जिससे आवेश में आकर विधायक गोपाल शर्मा वैल क्रॉस करते हुए विपक्ष की तरफ जा पहुंचे। इस दौरान हाथापाई की नौबत तक आन पड़ी थी। बताया जा रहा है कि अब कांग्रेस विधायक, सिविल लाइंस गोपाल शर्मा को विशेषाधिकार हनन का नोटिस देने की तैयारी में है। विपक्ष ने मांग की है कि गौ-हत्या की जांच की जाकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

दिनभर के हंगामे के बाद शाम करीब 5 :15 बजे स्पीकर वासुदेव देवनानी ने दोनों पक्षों को शांत किया और उनका पक्ष सुना। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि, प्रश्नकाल के दौरान गाय को "राज्य माता" का दर्जा देने से जुड़े सवाल पर जवाब के दौरान सदन में माहौल गर्माया। पिछले दिनों जयपुर में गौ-हत्या का पाप हुआ है। इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। प्रश्नकाल में जब यह मामला उठा उस वक्त भाजपा विधायक गोपाल शर्मा आवेश में आकर गुस्से में विपक्ष की तरफ आ गए थे। हम गोपाल शर्मा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देंगे।

■ करीब 6 घंटे के हंगामे के बाद शाम 5:15 बजे स्पीकर ने बीच बचाव किया और कहा कि "रिकॉर्डिंग और कागज देखकर फैसला करेंगे"

इस पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इशारा करके गोपाल शर्मा को गौ-हत्यारा कहा था, तब माहौल गर्माया था। गोपाल शर्मा पर विशेषाधिकार आएगा तो राजाखेड़ा विधाायक के खिलाफ भी आना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी इसी बात को आगे बढ़ाया। इस पर टीकाराम जूली ने कहा कि, दोनों अलग-अलग प्रकरण है, लेकिन सत्ता पक्ष का यह कहना गलत है कि, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव आएगा तो राजाखेड़ा के विधायक के खिलाफ भी आएगा। अगर आसन को राजाखेडा विधायक के खिलाफ कार्रवाई करनी है तो करे, लेकिन उस प्रकरण को इस मुद्दे से नहीं जोड़े।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही के दौरान और स्थगित करने के बाद हुई घटनाओं के वीडियो रिकॉर्डिंग, उपलब्ध दस्तावेजों और अधिकारिक अभिलेखों का परीक्षण करने के बाद इस प्रकरण का फैसला किया जाएगा। देवनानी ने कहा कि सदन लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है और उसकी गरिमा बनाए रखना प्रत्येक सदस्य की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान हुई तथा उससे पूर्व हुई सभी घटनाओं की निष्पक्ष समीक्षा की जाएगी और आवश्यकता अनुसार नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। इसके बाद विधानसभा में गतिरोध खत्म हो गया। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का भाषण शुरू हुआ। इसके बाद दिनभर चला गतिरोध टूटा।

दरअसल यह हंगामा उस वक्त हुआ, जब भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य ने गाय को राज्यमाता का दर्जा देने और गौवंश तस्करी से जुड़ा सवाल पूछा था। जिसके जवाब में गोपालन मंत्री ने कहा कि गौ-हत्या रोकने कानून बना हुआ है। इसी दौरान कांग्रेस नेताओं ने जयपुर में हुई "गौ-हत्या" के प्रकरण को लेकर हंगामा किया और पोस्टर भी सदन में लहराए। नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा था कि, पिछले सप्ताह जयपुर में ही गौहत्या हुई। हिंगोनिया गौशाला से गाय का सिर काटकर लाए, बीजेपी नेता का उसमें नाम है, उसे बचाने की कोशिश हो रही है। सरकार उस पर क्या कार्रवाई करेगी? इस पर बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि उसका गुनहगार खड़ा है। सदन में कांग्रेस विधायक पोस्टर लहराने लगे। जिस पर स्पीकर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यहां पोस्टर दिखाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, आप प्लानिंग करके आए हो, मुझसे फिर सहयोग की उम्मीद मत करना।

### गोपाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी

**जयपुर ( विसं )।** सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने विधानसभा में आक्रोशित होने के बाद देर शाम सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करके सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। वीडियो में विधायक शर्मा ने कहा कि "आज प्रतिपक्ष के नेता ने मुझ को जिन घिनौने आरोपों में बांधकर संकेत किया, तो मैं सहन नहीं कर पाया और मैंने साबित करने की स्थिति में इस्तीफा दे देने तक की पेशकश की। ऐसा करते समय मैं सदन की मर्यादा भूल बैठा और उसके लिए मुझे आजीवन खेद रहेगा। इस बात को मैं पुरजोर शब्दों में दोहराना चाहता हूं कि, मैं भारत माता, हिंदुत्व, ब्राह्मण, गौ, गायत्री, गीता और धरती माता के लिए जीवन भर समर्पित हूं और अंतिम सांस तक समर्पित रहूंगा।"

# युवाओं के कौशल प्रशिक्षण पर रिव्यू मीटिंग 20 को

**जयपुर ( कासं )।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज-उन्नति कार्यक्रम प्रदेश में कौशल विकास और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का मजबूत मंच बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं के अनुरूप कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग की सख्त मॉनिटरिंग का नतीजा है कि 'डीडीयू-जीकेवाय', राजक्विक, सक्षम और समर्थ जैसी योजनाएं तेजी से धरातल पर उतर रही है। राज्य सरकार के संकल्प पत्र और बीते 2 वर्षों की बजट घोषणाओं के अनुरूप प्रदेश में नए आईआईटी केन्द्र खोलना तथा केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार बीओसीडल्यू निधियों से श्रमिकों के कौशल विकास के लिए पचपदरा में "सीआईपीईटी-सीएसटीएस" सेंटर की स्थापना तथा ऊर्जा कौशल विकास परिसर की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कदम शामिल है। कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग आगामी 20 फरवरी को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली रिव्यू मीटिंग में इन तमाम मुद्दों को लेकर अपना पक्ष रखेगा। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने राजस्थान में चुनाव से पूर्व संकल्प पत्र में कहा था कि 100 आई.टी.आई. (इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग सेंटर) बनाए जाएंगे। राज्य सरकार ने बीते 2 वर्ष में 20 आईटीआई का प्रावधान बजट में किया था, परंतु अभी तक मात्र 1 बन पाया है।


अपनी बैंकिंग सुरक्षित रखिए

हमारे कस्टमर केयर नंबर

1800 1080

पर संपर्क करें

अपडेटेड फोन नंबर्स के लिए हमेशा हमारी वेबसाइट देखें

www.icici.bank.in

ICICI Bank


## बजट बहस के जवाब में की गई प्रमुख घोषणाएं....

- प्रदेश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के लिए 690 करोड़ रु. खर्च होंगे
- एनएच 8 खोजावाला से वाया प्रतापपुरा होते हुए बिशनगढ़ लिंक रोड तक सड़क
- मनोहरपुर अस्पताल के सामने से शिकारपुर तक सड़क तथा खेल मैदान चंदलाई से देवकिशनपुरा तक सड़क निर्माण (चाकसू)-जयपुर
- झोटवाड़ा और सांगानेर क्षेत्र में विभिन्न सड़क, ड्रेनेज कार्य के लिए 15 करोड़ रुपये
- सांगानेर में शिकारपुरा रेलवे फाटक पर आरओबी का निर्माण होगा, विद्याधर नगर में पॉलिटेक्निक कॉलेज खुलेगा
- दिल्ली रोड सडवा से नाई की थड़ी होते हुए वाया सायपुरा रामगढ़-बांध तक (एसएच-55) सड़क चैड़ाईकरण व नवीनीकरण कार्य (जमवारामगढ़)
- 132 केवी जीएसएस का निर्माण सोनलपुरा-फलौदी व सांगानेर-जयपुर में
- राज्य में 13 नए 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण
- विद्याधर नगर में स्थित पार्कों, मोक्षधामों के विकास, सीसी सड़क, फुटपाथ निर्माण के लिए 20 करोड़ रूपए।
- जयपुर में मोती डूंगरी गणेश मंदिर और खोले के हनुमानजी मंदिर के पास पार्किंग सुविधा होगी विकसित
- सिविल लाइन्स क्षेत्र में नाला निर्माण कार्य 20 करोड़ में होंगे
- कोटा-बूंदी में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के पास वृहद् औद्योगिक क्षेत्र होगा विकसित
- एमएसएमई तथा ओडीओपी योजना के आवेदन जिला उद्योग केन्द्रों के महाप्रबंधकों स्वीकृत कर सकेंगे।
- जोजरी व बांडी नदी में गिरने वाले ट्रीटेड पानी को पाइप लाइन से पचपदरा रिफाइनरी-बालोतरा तक पहुंचाने के कार्य के लिए बनेगी डीपीआर
- ट्रिपल आईटी कोटा को आईटी हब के रूप में विकसित करने के लिए बनेगी डीपीआर
- प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए चिकित्सा संस्थानों की स्थापना और पीएचसी को सीएचसी में क्रमोन्नत किया जाएगा। सांगानेर में नवीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोला जाएगा।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पीसांगन-अजमेर में नवीन मोर्चरी का निर्माण। जिला चिकित्सालय-अलवर में बेड क्षमता बढ़ाकर 750 की जाएगी।
- मेडिकल कॉलेज-कोटा में रोबोटिक हैण्ड फॉर प्रोस्टेटिक सर्जरी फॉर यूरोलॉजी की सुविधा होगी शुरू
- प्रदेश के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के 75 हजार विद्यार्थियों के लिए आंखों की जांच कर चश्में भी उपलब्ध कराए जाएंगे।


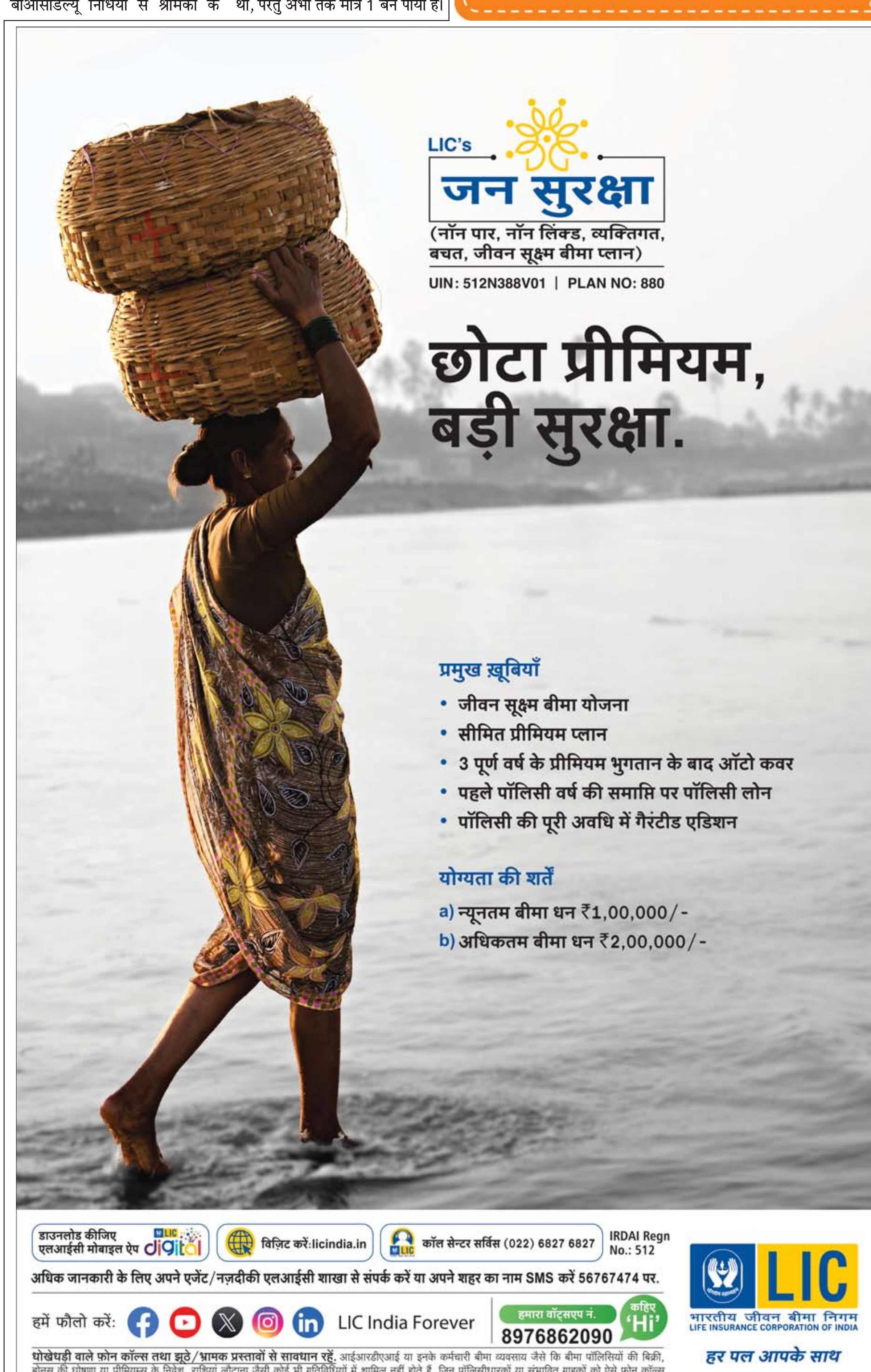

# पीएम मोदी के 28 फरवरी को प्रस्तावित अजमेर दौरे को लेकर तैयारियां शुरु

## आईजी, जिला कलैक्टर व एसपी ने कायड़ विश्राम स्थली का दौरा किया

पीएम नरेन्द्र मोदी के अजमेर दौरे को लेकर अधिकारियों ने कायड़ विश्राम स्थली का दौरा किया।

- व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिये मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और डीजीपी राजीव कुमार शर्मा आज अजमेर पहुंचेंगे
- कायड़ विश्राम स्थली का निरीक्षण और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सुरक्षा व अन्य इंतजामों पर चर्चा करेंगे मुख्य सचिव और डीजीपी

**अजमेर,** (कासं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 28 फरवरी को प्रस्तावित अजमेर दौरे और कायड़ विश्रामस्थली पर होने वाली विशाल जनसभा को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू हो गई हैं। मंगलवार को आईजी, जिला कलैक्टर लोकबंधु व एसपी वंदिता राणा ने कायड़ विश्राम स्थली का दौरा किया और अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। साथ ही जिम्मेदारियां भी सौंपी है।

वहीं व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने और तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और डीजीपी राजीव कुमार शर्मा बुधवार को अजमेर पहुंचेंगे। दोनों उच्चाधिकारी कायड़ विश्रामस्थली का बारीकी से निरीक्षण करेंगे और प्रशासनिक व विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सुरक्षा व अन्य इंतजामों पर चर्चा करेंगे।

**अधिकारियों की टीम तैनात, जिम्मेदारी सौंपी:**-जिला कलैक्टर लोकबंधु ने आयोजन की भव्यता और सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों की टीम तैनात कर दी है। मंगलवार को आईजी, कलैक्टर व एसपी ने कायड़ विश्राम स्थली का दौरा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। साथ ही जिम्मेदारियां भी सौंपी है, जिनमें एडीए आयुक्त नित्या के, सचिव अनिल पूनिया और पी डब्ल्यूडी विभाग के एस ई अशोक तंवर को मुख्य प्रबंधन की जिम्मेदारी, नगर निगम आयुक्त देशलदान, एडीएम सिटी नरेन्द्र कुमार मीणा, एसई पीएचईडी रामचन्द्र और डिस्कॉम के एक्सईएन, सीईओ जिला परिषद राम प्रकाश और आरटीओ सुमन भाटी को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी। एसपी वंदिता राणा के अनुसार कायड़ विश्रामस्थली को पूरी तरह सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है। हैलीपैड, पार्किंग और वीआईपी आवास क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए एडीए व पीडब्लूडी की विशेष टीमें बनाई गई हैं। सभा स्थल और आसपास के क्षेत्रों में 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है ताकि सुरक्षा में कोई चूक न हो।

# रूपनगढ़ में नाबालिग बालिका की हत्या का खुलासा

## पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को निरुद्ध किया

- नाबालिग की गला दबाकर हत्या की थी, आत्महत्या का रूप देने के लिए फंदे से शव को लटका दिया था
- घटना के बाद आरोपी मृतका के परिजनों के बीच सहानुभूति जताकर गुमराह करता रहा

**रूपनगढ़,** (निसं)। रूपनगढ़ पुलिस ने नवंबर माह में हुई नाबालिग बालिका हत्याकांड की गुत्थी सुलझाते हुए ब्लाइंड मर्डर का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को निरुद्ध किया है।

थाना प्रभारी सीआई रामस्वरूप चौधरी ने बताया कि 21 नवंबर 2025 को पुलिस थाना रूपनगढ़ को सूचना मिली थी कि ग्राम मोरड़ी की सरहद में ओमप्रकाश मुण्ड के खेत पर बावरिया समाज की एक नाबालिग लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। खेत में बने एक कमरे में रामा बावरिया की नाबालिग पुत्री का शव कपड़े टांगने की तणी (डोरी) पर स्टूल के सहारे फंदे से लटका मिला। मृतका के पैर और शरीर जमीन से टिके होने के कारण मामला प्रथमदृष्टया संदिग्ध नजर आया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अजमेर ग्रामीण दीपक शर्मा तथा सहायक पुलिस अधीक्षक वृत्त किशनगढ़ शहर अजय सिंह राठौड़ ने मौके का गहन निरीक्षण किया। मोबाइल फॉरेंसिक टीम से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया।

प्रार्थी रामा बावरिया द्वारा पुत्री के साथ दुष्कर्म कर हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने की आशंका जताने पर जिला पुलिस अधीक्षक अजमेर वन्दिता राणा के निर्देश पर हत्या का मामला दर्ज किया गया। जांच किशनगढ़ ग्रामीण डिप्टी आयुष वशिष्ठ के सुपरविजन में प्रारंभ की गई। मामले के खुलासे के लिए थाना स्तर पर विशेष टीम गठित की गई। थानाप्रभारी के नेतृत्व में एएसआई बनवारी लाल, कांस्टेबल पिंटू सारण, मोहन सारण, परमाराम सहित टीम ने करीब 50 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। आसूचना संकलन, फील्ड इंटेलिजेंस और सतत निगरानी के जरिए आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। जांच के दौरान पुलिस ने नोलाराम (23) पुत्र अमरु बागरिया निवासी नुवा को गिरफ्तार किया तथा एक नाबालिग को निरुद्ध किया। पूछताछ में आरोपी ने बालिका का गला दबाकर हत्या करना स्वीकार किया तथा हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को उसी कमरे में फंदे से लटका देने की बात कबूल की। घटना के बाद आरोपी मृतका के परिजनों के बीच सहानुभूति जताकर उन्हें गुमराह करता रहा। फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और प्रकरण में अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है।

पूरे मामले के सफल खुलासे में कांस्टेबल मोहन सारण एवं पिंटू कुमावत की विशेष भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की अनुसंधान कार्रवाई जारी है।

# साध्वी प्रेम बाईसा मृत्यु प्रकरण में कंपाउंडर के खिलाफ केस दर्ज

**जोधपुर,** (कासं)। कथावाचक प्रेम बाईसा की मौत का प्रकरण का खुलासा तीन दिन पहले हो गया था। उनकी मौत अस्थमा और कार्डियक अरेस्ट हुई थी। पुलिस को मेडिकल रिपोर्ट पर संशय बना रहने से दुबारा रिपोर्ट के साथ कुछ सवालों के जवाब बोर्ड से मांगे गए थे। बोर्ड द्वारा जवाब मिलने के बाद रिपोर्ट एसआईटी ने अपने उच्चाधिकारियों को सोमवार सौंप दी। देर रात उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कंपाउंडर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। हालांकि गिरफ्तारी पूर्ण जांच पड़ताल के बाद ही संभव है।

पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार बंसल के अनुसार केस दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी नहीं हुई है। जांच और अग्रिम अनुसंधान के बाद गिरफ्तार किया जा सकता है। एसआईटी अपनी जांच कर रही है। इधर प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही नर्सेज का विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। वे इसके विरोध में खड़े हो गए हैं। इसको लेकर नर्सेज बड़ा निर्णय ले सकते हैं। नर्सेज ने केस दर्ज को लेकर पूर्णतया गलत बताया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने प्रेम बाईसा की मौत की वजह अस्थमा और कार्डियक अरेस्ट से होना बताया था, मगर पुलिस को उनकी मेडिकल रिपोर्ट पर संशय बना रहा और कुछ प्रश्न छूटे हुए थे। जिसे मेडिकल बोर्ड से फिर से जवाब मांगा गया, जिसकी रिपोर्ट एसआईटी को सोमवार को मिली और उसे उच्चाधिकारियों को दिया गया। देर रात उच्चाधिकारियों के निर्देश पर बोरानाडा थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस जांच पड़ताल और पूछताछ में मालूम हुआ कि साध्वी प्रेम बाईसा को दो इंजेक्शन डायनापार एवं डेक्सोना एक साथ लगाए गए थे जोकि गलत है।

साध्वी प्रेम बाईसा के निधन पर नर्सिंग अधिकारी देवी सिंह राजपुरोहित के द्वारा मानवीय संवेदनाओं के दृष्टिकोण से जो सेवा की गई, उस पर मुकदमा दर्ज किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला अध्यक्ष शंभू सिंह मेड़तिया ने बताया कि इस घटना से आम कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। कर्तव्य का पालन करते हुए किसी मरीज की सेवा करना यदि अपराध माना जाएगा, तो यह कर्मचारियों के मनोबल को तोड़ने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई पूर्णतः गलत है और कर्मचारी महासंघ इसका पुरजोर विरोध करता है। महासंघ द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है तथा कार्रवाई स्थगित नहीं की गई तो उठा प्रदर्शन भी किया जाएगा।

# जोधपुर हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की फिर धमकी मिली

- सूचना पर पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीमों ने जांच की, कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला

**जोधपुर,** (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर को एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। हाईकोर्ट प्रशासन को सुबह एक धमकी भरा ई-मेल मिला, जिसमें परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सूचना पर पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीमें मौके पर पहुंची। कोर्ट रूम सहित पूरी बिल्डिंग को खाली करवाया गया। हालांकि दोनों जगह सर्च में कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला। जोधपुर डीसीपी (पश्चिम) विनीत बंसल की अगुवाई में पुलिस टीम तलाशी ली गई। करीब ढाई घंटे तक तलाशी अभियान चला। इसके बाद सवा ग्यारह बजे से जजों के कोर्ट पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। और साढ़े ग्यारह बजे से कोर्ट में सुनवाई शुरू कर दी गई। बम डिस्पोजल स्क्वायड और डॉग स्क्वायड की टीमों ने चप्पे-चप्पे को खंगाला, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके। जयपुर बेंच में भी तलाशी ली गई, जिसमें कुछ नहीं मिला। सर्च के बाद भी बिना परिचय-पत्र के किसी भी वकील को भीतर प्रवेश नहीं दिया गया। वहीं, विभिन्न मामलों में अपनी सुनवाई के लिए पहुंचे परिवादियों को भी कोर्ट के गेट नंबर 1 से पास बनवाने के बाद ही प्रवेश दिया गया। इनके अलावा किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। बिना वैध कार्ड और पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई।गेटों पर चेकिंग बढ़ा दी गई और हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी गई।

# चलती स्कूटी में आग लगी

**अजमेर,** (कासं)। अजमेर के कल्ब जी रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब होंडा के सर्विस सेंटर के बाहर चलती एक स्कूटी में अचानक आग लग गई। घटना दिनदहाड़े हुई, जिससे आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कूटी में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी बताई जा रही है। स्कूटी सवार युवक ने जैसे ही धुआं उठता देखा, उसने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। कुछ ही क्षणों में स्कूटी ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं। बताया जा रहा है कि स्कूटी विष्णु मिश्रा की है। युवक की सतर्कता के कारण बड़ा हादसा टल गया, क्योंकि यदि वह समय रहते स्कूटी नहीं रोकता तो जानमाल का नुकसान हो सकता था। आग लगने से आसपास खड़े लोग दूर हट गए और यातायात भी कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया।

# जमीन विवाद में फायरिंग, बाल-बाल बचा पीड़ित

- पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है

**कोटा,** (निसं)। ग्रामीण इलाके के सांगोद थाना इलाके में पिता व बेटे ने जमीन विवाद को लेकर पीड़ित व उसके परिजनों पर चार राउंड फायर कर दिये। अचानक हुए घटनाक्रम से अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। हमलावर चार फायर कर मौके से फरार हो गये।

घटना सांगोद थाना इलाके के घटाल गांव की है। वही फायरिंग की सूचना पाकर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। पीड़ित ने इसकी रिपोर्ट सांगोद थाने में दर्ज कराई है। सांगोद थाने के हैड कांस्टेबल सुभाष यादव ने बताया कि इलाके के घटाल गांव निवासी हरिप्रसाद मीणा ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में कहा कि मंगलवार को भागीरथ व उसका बेटा अरिहंत बाइक से उसके घर आये और घर में मौजूद उसकी साली को जमीन विवाद को लेकर धमकाने लगे। रिपोर्ट में कहा कि उसके साढू महावीर की जमीन पर भागीरथ और उसका बेटा अरिहत कब्जा करना चाहता है, उसी रंजिश जमीन विवाद को लेकर अरिहत ने अचानक से पिस्टल से चार फायर कर दिये। गनीमत रही कि हमले में गोली किसी को भी नहीं लगी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित हरिप्रसाद मीणा की रिपोर्ट पर भागीरथ व अरिहंत के खिलाफ मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।


मुख्यमंत्री निःशुल्क जाँच योजना

**Rajasthan Medical Services Corporation Limited, Jaipur**
D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur – 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065 E-Mail –edepmrmsc-rj@nic.in

No. F-8 () RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/1696 Date : 12.02.2026

**Corrigendum / Addendum**

Corrigendum / Addendum Bid No. (NIB-933) for Item DEEP FREEZER for revised technical specifications has been issued. Corrigendum / Addendum details may be visited on Procurement portal website "https://sppp.rajasthan.gov.in" or "www.dipronline.org" or "https://eproc.rajasthan.gov.in" or website "http://rmsc.health.rajasthan.gov.in"
UBN:-(MSC2526GLOB00056)
Raj.Samwad/C/25/19956 Executive Director (EPM)


# कोटा में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

**कोटा,** (निसं)। उद्योग नगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात्रि को ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त कंसुआ अर्फोडेबल योजना निवासी जितेन्द्र अजवानी के रूप में हुई है। युवक के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली।

उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि सोमवार देर रात्रि को इलाके के संजय नगर पुलिया के पास रेलवे लाइन पर एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने की सूचना मिली, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवा दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक की शिनाख्त कंसुआ आर्फोडेबल योजना निवासी जितेन्द्र अजवानी (40) के रूप में हुई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक की शिनाख्त होने के बाद मृतक के परिजनों की मौजूदगी में मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल मामले में कोई कारण सामने नहीं आया। घटना किन कारणों के चलते हुई, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। उद्योग नगर थाने के एएसआई मोहम्मद अनवर ने बताया कि मृतक कपड़े की दुकान पर काम करता था। वह रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंचा हर पहलू की जांच की जा रही है।

# जोधपुर में प्रोपर्टी डिलिंग और शेयर ट्रेडर्स कारोबारी से डेढ़ करोड़ की ठगी

- शातिरों ने बड़े मुनाफे का लालच दिया, तीन कंपनियों के खिलाफ केस दर्ज

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के एक प्रोपर्टी डिलिंग और शेयर ट्रेडर्स कारोबारी से शातिरों ने 1.5 करोड़ की ठगी कर ली। ट्रेडर्स ने अब शास्त्रीनगर थाने में रिपोर्ट दी है। जिस पर पुलिस ने अब जांच आरंभ की है। पीड़ित ने तीन कंपनियों का नामजद किया है। यह फर्जी है अथवा सही है इसका पता जांच के बाद ही चल पाएगा।

शास्त्रीनगर पुलिस ने बताया कि पाल रोड पर सुभाष नगर स्थित सुभाष विहार में रहने वाले लीलाधर खत्री पुत्र सोहनराज खत्री ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि वह राजस्थान प्रोपर्टी डिलिंग और शेयर बाजार में ट्रेडिंग का काम करता है। 15 अक्टूबर 25 को वह अपने फेसबुक आईडी चला रहा था। तब उसने फायर्स सिक्योरटीज के नाम की कंपनी का विज्ञापन देखा था, जोकि खुद को सेबी से कनेक्ट और शेयर बाजार में अच्छे रिटर्न की बात बता रहा था। इस पर बाद में उसके द्वारा ग्रुप को जाइन किया गया और एक महिला नैना वर्मा, जिसने खुद को कंपनी का सहायक बताया था और कॉल किया। उसने बातों में उलझाने के साथ इंवेस्टमेंट के नाम पर बात की। उसने फिर सर्विस मैनेजर विक्रम नायर से बात करवाई। इनकी बातों में आकर उसने 75 लाख 85 हजार 820 रूपए इंवेस्ट कर दिए। जोकि बाद में मुनाफ के तौर पर 9 करोड़ 33 लाख 65 हजार रूपए बता रहे थे। मगर इन रूपयों को विड्राल करने के लिए उसे 1.95 लाख रूपए मांगे गए। नैना वर्मा ने अपनी तरफ से 30 लाख और कंपनी की तरफ से 80 लाख रूपए खाते में डालना बताया। मगर 9 करोड़ विड्राल करने के लिए वापिस उक्त रकम को डालने को कहा गया। फिर उसने इधर-उधर से कर रूपए उनके खाते में भिजवाए।

रिपोर्ट में बताया कि 24 दिसम्बर को उसे ग्रुप से रिमूव कर दिया गया। इसी तरह एक अन्य शेयर ट्रेडिंग कंपनी वेंचुरा सिक्योरिटी ने भी फ्रॉड का शिकार बनाया और 5 नवंबर को 69.10 लाख रूपए इंवेस्ट कराए गए। यहां पर उसकी पहचान वृतिका आनंद से हुई थी, जिसके बताए अनुसार रूपए इंवेस्ट किए गए थे। उसके द्वारा जमा कराई रमम को बाद में 5 करोड़ 42 लाख 802 रूपए दर्शाया गया, मगर उन लोगों ने भी ठगी का शिकार बनाया। जबकि तीसरे अन्य कंपनी जोकि एक्सेल इंवेस्टमेंट नाम से थी उसमें 3.95 लाख ट्रांसफर किए गए। उक्त तीनों कंपनियों ने खुद को सेबी से कनेक्ट और रजिस्टर्ड होना बताया था। इस तरह शातिरों ने उससे 1.5 करोड़ रूपए इंवेस्टमेंट के नाम पर ऐंठ लिए।


**Office Of The District Education Officer (HQ) Secondary Jalore (Raj.)**
No. deo/hq/sec/jalore/Accounts/25-26/75 Date: 10/02/2026

**NOTICE INVITING TENDER No.-5**

Bid of procurement of supply of complete Gents Bicycles is inviting form interest bidders up to 23-02-2026 time 12:30 P.M. Other particulars of the bid may be visiting the on procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in of the site.

| S. No. | Item/Description of work | Estimated cost (In Rupees) | UBN |
|---|---|---|---|
| 01. | Supply of Complete Gents Bicycles 20" (Colour Orange) | 51,67,962/- | EDU2526 GLOB00136 |

(Bhanwar Lal Parmar)
(HQ.) Secondary, Jalore
DIPR/C/2944/2026



TEL. NO:-07469-230595 EMAIL:- xenphedhnd@yahoo.in

**कार्यालय अधिशाषी अभियंता**
**जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड हिण्डौन**

**Notice Inviting Bid**

Bids for Various work in PHED Dn. Hindaun is invited from interested bidders. Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state and http://eproc.rajasthan.gov.in departmental website.
NIB No. PHE2526A6213

| S.No. | NIT No. | UBN No. |
|---|---|---|
| 1. | 51/2025-26 | PHE2526 SLRC 13322 |
| S.No. | Total Work | |
| 1. | Total Estimated Cost | 75.00 Lacs |
| 2. | Tender Submission Start Date | 10.02.2026 Upto 12:00 PM |
| 3. | Tender Submission End Date | 19.02.2026 Upto 6:00 PM |
| 4. | Technical Bid Opening Date | 20.02.2026 Upto 12:00 PM |

(जय नारायण चेतीवाल) अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा. अभियांत्रिक विभाग, खण्ड हिण्डौन सिटी
DIPR/C/2872/2026


# श्रीगंगानगर जिले में मौसम बदला, बूंदाबांदी हुई

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। जिले में मंगलवार सुबह मौसम अचानक से बदल गया। सुबह 12 बजे ग्रामीण इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया।

मौसम बदलने के बाद जिलेभर में बादलों की आवाजाही का दौर जारी है। कभी धूप निकल रही है तो कभी बादल छा रहे हैं। इसके साथ ही तेज हवाएं भी चल रही हैं। जिले में बारिश की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार 3 दिन बाद 20 फरवरी के बाद से तेज गर्मी का दौर शुरू होगा। मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री रिकार्ड किया गया। सोमवार को न्यूनतम तापमान 12.17 डिग्री और अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री रिकार्ड किया गया।

वहीं, रविवार को यहां न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री और अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री रिकार्ड किया गया था। वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने से मौसम विभाग ने 18 फरवरी को श्रीगंगानगर जिले में हल्की बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान आसमान में बादलवाही का दौर भी जारी रहेगा। इस दौरान तेज हवाएं चलेंगी और बारिश होगी। बारिश के बाद से मौसम में हल्की गिरावट आने की संभावना है।

# अजमेर में कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों ने पट्टे देने की मांग की

अजमेर में कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

- कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ ने प्रदर्शन कर पट्टों और मूलभूत सुविधाओं को लेकर सौंपा

**अजमेर,** (कासं)। अजमेर जिला कांग्रेस कमेटी के कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के बैनर तले मंगलवार को कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कच्ची बस्तियों से रैली निकालकर कलेक्ट्रेट तक मार्च किया। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद लोगों ने धरना दिया और अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की।

कांग्रेस पार्टी एवं समाजसेवी हेमराज खारोलिया ने बताया कि धरना-प्रदर्शन के बाद कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिला कलैक्टर लोकबंधु को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों की समस्याओं और मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की गई। इस धरना-प्रदर्शन में अजमेर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल, डॉ श्रीगोपाल बाहेती, द्रोपदी कोली, हेमराज खारोलिया सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने कच्ची बस्ती में रहने वाले परिवारों के अधिकारों और सुविधाओं को लेकर एकजुटता दिखाई और प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की।

कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ अजमेर के जिला अध्यक्ष डॉ. दीनदयाल पंवार ने बताया कि कच्ची बस्तियों में रहने वाले कई परिवार पिछले कई वर्षों से वहीं निवास कर रहे हैं। इन बस्तियों में बिजली, पानी, शौचालय, सड़क, स्कूल और राशन कार्ड जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि इनका निवास स्थायी रूप से स्थापित हो चुका है। इसके बावजूद आज तक इन परिवारों को उनके मकानों के कानूनी पट्टे प्रदान नहीं किए गए हैं। पट्टे नहीं होने के कारण इन लोगों को हर समय बेदखली का डर बना रहता है और वे अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। जिला अध्यक्ष ने बताया कि 200 फीट रोड को ईदगाह और रातीडांग क्षेत्र से दूर किया जाए, ताकि जिन लोगों के मकान इस रोड निर्माण के कारण टूटने की स्थिति में हैं, उन्हें बचाया जा सके। उनका कहना है कि रोड की दिशा में बदलाव कर लोगों के घरों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि अजमेर में कई कच्ची बस्तियां ऐसी हैं, जिनका आज तक न तो अजमेर विकास प्राधिकरण (एडीए) और न ही नगर निगम में कोई रजिस्ट्रेशन हुआ है। उन्होंने मांग की कि इन बस्तियों का सर्वे कराकर उनका रजिस्ट्रेशन किया जाए, ताकि वहां रहने वाले लोगों को भी मकानों के पट्टे मिल सकें और उन्हें कानूनी अधिकार प्राप्त हो सके।

डॉ. पंवार ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी तीनों प्रमुख मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ और कांग्रेस के नेतृत्व में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों के अधिकारों के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा। हेमराज खारोलिया ने बताया कि कच्ची बस्तियों के निवासियों ने यह भी मांग की कि प्रस्तावित 200 फीट रोड को ईदगाह, राठी डांग और चौरसियावास क्षेत्र से दूर किया जाए, ताकि लोगों के मकान टूटने से बच सकें। साथ ही जिन कच्ची बस्तियों का अभी तक अजमेर विकास प्राधिकरण या नगर निगम में रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है, उनका सर्वे कर रजिस्ट्रेशन किया जाए और पात्र लोगों को पट्टे प्रदान किए जाएं।

# 26 घरेलू गैस सिलेंडर व अन्य उपकरण जब्त

**अलवर,** (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में घरेलू गैस की अवैध गैस रिफलिंग एवं व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग को रोकने हेतु गठित जांच दल द्वारा अलवर शहर एवं कठूमर क्षेत्र में कार्रवाई कर 26 घरेलू गैस सिलेंडर व अन्य उपकरण जब्त किए गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि टीम द्वारा दाउदपुर निवासी मिथलेश उर्फ बिहारी जिनकी अग्रसेन सर्किल के समीप पुल के नीचे दुकान संख्या 34 एवं 35 पर जांच करने पर घरेलू गैस सिलेंडरों से वाहनों में गैस रिफलिंग का अवैध कार्य किया जाना पाया गया। इस पर टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए 26 गैस सिलेंडर मय 4 मोटर, 9 रेग्यूलेटर, 2 कांटा एवं 2 बांसूरीनुमा यंत्रा जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से मैसर्स मॉर्डन गैस एजेंसी के प्रतिनिधि को सुपुर्द किया गया।

इसी प्रकार मैसर्स अंजली भारत गैस एजेंसी थूनरोड तसई कठूमर में जांच के दौरान स्टॉक एवं वितरण से संबंधित विभिन्न अनियमितताएं पाई गई। उन्होंने बताया कि जिले में घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग को रोकने हेतु आगामी दिवसों में भी कार्रवाई निरन्तर जारी रहेगी।


**कार्यालय नगर पालिका सांगोद जिला कोटा (राज.)**
E-Mail Id:- np.sangod05@gmail.com Phone No.:-07450-294239

क्रमांकः-न.पा.सा/2026/463 दिनांकः-12.02.2026

**निविदा-सूचना**

इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना क्रमांक 462 दिनांक 12.02.2026 के द्वारा कुल 01 कार्य की अनुमानित लागत 24.99 लाख की उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/फर्मो/एजेंसियो/स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई निविदा से सम्बंधित समस्त विवरण https://www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

| Work No. | UBN No. |
|---|---|
| 1 | DLB2526WSOB34038 |

अध्यक्ष नगरपालिका सांगोद अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सांगोद
राज.संवाद/सी/25/19918



**राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड**
CIN:- U40102RJ2000SGCO16484 (राजस्थान सरकार का उपक्रम)
सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट, सूरतगढ़ (राज.)

**ऑनलाईन/ऑफलाईन निविदा आमंत्रण सूचना**

निम्नलिखित वार्षिक अनुबंध/कार्य/सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदाएं आमन्त्रित की जाती है:- **268**(RVU2526WSOB02321) रसायनों के नमूना संग्रह व परीक्षण, **269**(RVU2526WSOB02309) 3-Φ, 415 V एलटी मोटरों की मरम्मत और रिवाइंडिंग, **270**(RVU2526WSOB02319) एचपी और आईपी टर्बाइन, नियंत्रण और स्टॉप वाल्व, ओवरलोड वाल्व, क्रास ओवर पाइप आदि के थर्मल इन्सुलेशन को हटाना, आपूर्ति एवं अनुप्रयोग, **271**(RVU2526SSOB02324) OCEQMS व PTZ कैमरे का रखरखाव, **272**(RVU2526WSOB02323) इनसीटु के मरम्मत और विभिन्न प्रकार के वाल्व रिकण्डीशनिंग, **273**(RVU2526WSOB02313) जंगली वनस्पति की सफाई और भूतल ड्रैसिंग, **274**(RVU2526SLOB02330) कलिंकर ग्राइंडर के रिपेयरिंग एवं रिकण्डीशनिंग, **275**(RVU2526WSOB02316) टर्बाइन के कंडेनसर ट्यूब की हाइड्रोजेट सफाई, **276**(RVU2526SLOB02320) सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का रखरखाव, **277**(RVU2526WSOB02327) रेडियोग्राफी और अल्ट्रासोनीक प्रवाह की जाँच, **278**(RVU2526WSOB02314) स्टैक मॉनिटरिंग, वायु गुणवत्ता मौसम सम्बंधित डाटा मॉनिटरिंग, **372**(RVU2526GLOB02308) बकेट व्हील शाफ्ट एवं **373**(RVU2526GSOB02310) दवाओं व ड्रेसिंग सामग्री की आपूर्ति। विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl पर उपलब्ध है।

RVUN/PR-4350
राज.संवाद/सी/25/19929 परियोजना प्रमुख (सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल)

# जल जीवन मिशन घोटाला : ए.सी.बी. ने 8 इंजीनियर-अफसरों को किया गिरफ्तार

## जयपुर, बाड़मेर, उदयपुर, करौली और दिल्ली सहित विभिन्न स्थानों पर करीब डेढ़ दर्जन ए.सी.बी. की टीमों ने मंगलवार अलसुबह एक साथ दबिश दी

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । जल जीवन मिशन में हजारों करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार अलसुबह कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एसीबी में दर्ज प्रकरण संख्या 245/2024 के तहत गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की गई।

अरुण श्रीवास्तव

दिलीप कुमार गौड़

दिनेश गोयल

कृष्णदीप गुप्ता

एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि जल जीवन मिशन में हजारों करोड़ रुपये के कथित

- **एसीबी की जांच में सामने आया है कि 50 करोड़ रुपये से अधिक के मेजर प्रोजेक्ट्स में नियम विरुद्ध साइट विजिट प्रमाण पत्र की शर्त जोड़कर बोलीदाताओं की पहचान उजागर की**

महेन्द्र प्रकाश सोनी

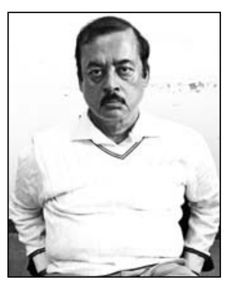

निरिल कुमार

सुभांशु दीक्षित

सुशील शर्मा

विशाल सक्सेना

भ्रष्टाचार मामले में एसआईटी ने जयपुर, बाड़मेर, उदयपुर, करौली, दिल्ली सहित विभिन्न स्थानों पर करीब डेढ़ दर्जन टीमों के साथ एक साथ दबिश दी। गिरफ्तार आरोपियों में दिनेश गोयल (वर्तमान मुख्य अभियंता प्रशासन), केडी गुप्ता (मुख्य अभियंता ग्रामीण), सुभांशु दीक्षित (तत्कालीन सचिव आरडब्ल्यूएसएसएम, वर्तमान अतिरिक्त मुख्य अभियंता जयपुर द्वितीय), सुशील शर्मा (वित्तीय सलाहकार अक्षय ऊर्जा), निरिल कुमार (मुख्य अभियंता चूरू), विशाल सक्सेना (अधिशाषी अभियंता, निलंबित), अरुण श्रीवास्तव (अतिरिक्त मुख्य अभियंता, सेवानिवृत्त), डीके गौड़ (तत्कालीन मुख्य अभियंता व तकनीकी सदस्य, सेवानिवृत्त) तथा महेंद्र प्रकाश सोनी (तत्कालीन अधीक्षण अभियंता, सेवानिवृत्त) शामिल हैं। वहीं जांच में सामने आया कि मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कम्पनी (प्रोपराइटर महेश मित्तल) और मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवेल कम्पनी (प्रोपराइटर पदमचंद जैन) ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फर्जी कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र तैयार कर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के उच्च अधिकारियों से मिलीभगत कर लगभग 960 करोड़ रुपये के टेंडर हासिल किए। जांच में यह भी सामने आया कि 50 करोड़ रुपये से अधिक के मेजर प्रोजेक्ट्स में नियमों के विरुद्ध साइट विजिट प्रमाण पत्र की शर्त जोड़कर बोली दाताओं की पहचान उजागर की गई और टेंडर पूलिंग के जरिए असामान्य रूप से ऊंचे प्रीमियम स्वीकृत किए गए। इससे हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार की आशंका जताई गई है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन किया गया। महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह द्वितीय और उपमहानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में तकनीकी व दस्तावेजी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया गया। एसीबी पूर्व में भी जल जीवन मिशन में ट्रैप कार्रवाई कर प्रकरण संख्या 215/2023 दर्ज कर चुकी है। जिसमें 11 आरोपियों व 2 फर्मों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया जा चुका है।

# बजट नहीं, यह 'कर्ज, कटौती और केंद्र के सामने सरेंडर' का दस्तावेज : टीकाराम जूली

## जो कर्ज कांग्रेस ने 5 साल में लिया, उतना भाजपा सरकार ने 2 साल में ही ले लिया : नेता प्रतिपक्ष

**जयपुर** (विसं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बजट बहस के दौरान राज्य सरकार के वित्तीय प्रबंधन और नीतियों को जनविरोधी बताया। जूली ने कहा कि भाजपा ने 5 साल का कर्ज 2 साल में ही पार कर लिया है। कांग्रेस सरकार ने 3 साल के भीषण कोविड काल के बावजूद 5 साल में 2.26 लाख करोड़ रु. का कर्ज लिया था, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार मात्र 3 साल में ही 2.22 लाख करोड़ का कर्ज लेने जा रही हैं। जूली ने कहा कि राजकोषीय घाटे को कागजों पर कम दिखाने के लिए सरकार ने प्रदेश के विकास की बलि दे दी है।

जूली ने कहा कि वर्ष 2025-26 में बुनियादी ढांचे के लिए 53 हजार 686 करोड़ रूपए आवंटित थे, जिसे संशोधित अनुमान में घटाकर 38 हजार 288 करोड़ रु. (28 प्रतिशत की कटौती) कर दिया गया। इसी तरह राज्य की अपनी कर आय भी बजट अनुमानों से 18 प्रतिशत कम रही, जो सरकार की वित्तीय विफलता का प्रमाण है।

- **उन्होंने कहा कि ''16वें वित्त आयोग में राजस्थान के हक पर डकैती, सरकार की कमजोर पैरवी से हर साल 1700 करोड़ रुपए का नुकसान है।''**

जूली ने तंस कसते हुए कहा कि, दिल्ली से राजस्थान का हक घटकर आ रहा है। राजस्थान का हिस्सा 6.03 प्रतिशत से घटाकर 5.93 प्रतिशत कर दिया गया, जिससे हर साल 1700 करोड़ का सीधा नुकसान होगा। सरकार महिला व युवा विरोधी चेहरा सामने आया है जिसके वादों की पोल खुली है। शिक्षक भर्ती का वादा 50 प्रतिशत महिला आरक्षण का था, लेकिन भर्ती 30 प्रतिशत पर ही निकाल दी गई। महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन देने वाली महत्वपूर्ण योजना को बंद कर दिया गया है।

जूली ने कहा कि, बजट में नई सरकारी नौकरियों का कोई जिक्र तक नहीं है। शिक्षा बजट 18.2 प्रतिशत से घटाकर 17.1 प्रतिशत और स्वास्थ्य बजट 8.4 प्रतिशत से घटाकर 8.1 प्रतिशत कर दिया गया हैं।

जूली ने कहा कि सरकार सफाई कर्मचारी भर्ती में देरी कर वाल्मीकि समाज के हक पर प्रहार कर रही है। इस भर्ती में विशेष प्रावधान कर वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता दी जाए। जूली ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर प्रस्ताव रखा कि 16वें वित्त आयोग के अन्याय के खिलाफ सदन से एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा जाए ताकि राजस्थान के गरीब, किसान और युवाओं के हक का पैसा वापस मिल सके।

## राजधानी में नहीं थम रहा तेज रफ्तार का कहर

### ट्रैक्टर-ट्रॉली ने दो राहगीरों को रौंदा

**जयपुर** । झोटवाड़ा थाना इलाके में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सड़क पार कर रहे दो लोगों को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल महिला और युवक ने दोपहर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर भागने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया।

एक्सीडेंट थाना पश्चिम थानाधिकारी रामकृपाल ने बताया कि दुर्घटना करणी फाटक स्थित गणेश मंदिर के पास सुबह करीब 9:15 बजे हुई। हादसे में झोटवाड़ा के सीता बिहार निवासी कौशल्या देवी (59) और नींदड़ मोड़ गणेश नगर निवासी आदित्य नागवंशी (30) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। एक्सीडेंट थाना पश्चिम थानाधिकारी रामकृपाल ने बताया कि आदित्य मजदूरी का कार्य करता था। कौशल्या देवी सुबह सूट खरीदने के लिए बाजार आई थीं। इसी दौरान ओवरस्पीड ट्रैक्टर-ट्रॉली ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया।

हादसे के बाद चालक सुधीर (45) निवासी मध्य प्रदेश ट्रैक्टर-ट्रॉली मौके पर छोड़कर भागने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों ने उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार चालक शराब के नशे में पाया गया। सूचना पर झोटवाड़ा और एक्सीडेंट पश्चिम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। वहीं मामले की जांच जारी है।

### तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने स्कूटी सवार दो युवकों को कुचला

**जयपुर** । झोटवाड़ा इलाके में सोमवार देर रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने स्कूटी सवार दो युवकों को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। दुर्घटना सोमवार देर रात झोटवाड़ा के कांटा चौराहे पर हुई। एक्सीडेंट थाना (पश्चिम) थानाधिकारी रामकृपाल ने बताया कि दोनों युवक स्कूटी से खाना खाने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान पीछे से आई तेज गति की स्कॉर्पियो ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर लहूलुहान होकर गिर पड़े। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को गंभीर हालत में सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मंगलवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। वहीं हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें स्कॉर्पियो चालक स्कूटी को टक्कर मारते हुए नजर आ रहा है। मृतकों की पहचान नीमकाथाना (सीकर) निवासी मोहित (23) पुत्र कमलेश और कुम्हेर (भरतपुर) निवासी वीरेंद्र (40) पुत्र बोधुराम के रूप में हुई है। दोनों पांच्यावाला सिरसी रोड स्थित किराए के मकान में रहते थे। मोहित छात्र था, जबकि वीरेंद्र अपोलो फार्मेसी कंपनी में कार्यरत था। पुलिस ने मामला दर्ज कर स्कॉर्पियो और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

# आदर्श क्रेडिट सोसायटी पर ईडी की कार्रवाई, 7.72 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच

**जयपुर** । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जयपुर ने मेसर्स आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 7.72 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियां अटैच की हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई है।

ईडी ने इस प्रकरण में 139 व्यक्तियों और कंपनियों के खिलाफ स्पेशल कोर्ट (पीएमएलए) जयपुर में मामला दर्ज किया है। एलडी स्पेशल कोर्ट ने प्रकरण का संज्ञान ले लिया है।

इससे पहले स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सोसायटी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मुख्य आरोपी मुकेश मोदी और राहुल मोदी पर आरोप है कि उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सोसायटी के निवेशकों और सदस्यों से करोड़ों रुपए एकत्र किए और बाद में इस राशि को आदर्श ग्रुप ऑफ कंपनीज तथा उससे जुड़ी फर्मों और निदेशकों के माध्यम से हड़प लिया।

ईडी की जांच में सामने आया कि मुकेश मोदी और उनके परिवार का सोसायटी और उसके फंड्स पर पूर्ण नियंत्रण था। निवेशकों को ऊंचे रिटर्न का लालच देकर हजारों करोड़ रुपए जुटाए गए। जांच में पाया गया कि सोसायटी की रकम को असुरक्षित ऋण, पारिवारिक सदस्यों को मनमानी भुगतान, पारिवारिक फर्मों को एजेंसी कमीशन, घाटे वाली शेयर ट्रेडिंग और रियल एस्टेट में निवेश के रूप में डायवर्ट किया गया।

- **ईडी ने इस प्रकरण में 139 व्यक्तियों और कंपनियों के खिलाफ स्पेशल कोर्ट जयपुर में मामला दर्ज किया है**

ईडी के अनुसार आरोपी मुकेश मोदी, उनके परिवारजनों, सहयोगियों और उनकी कंपनियों/फर्मों/एलएलपी ने अपराध से अर्जित आय (पीओसी) के रूप में लगभग 3830.06 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग विभिन्न चल-अचल संपत्तियां खरीदने में किया गया।

# 'बहानों की बेडियों से खुद को बाहर निकाले, सफलता कदम चूमेगी'

## अर्जुन अवार्डी स्वीटी बूरा ने एस.के.आई.टी. कॉलेज के वार्षिकोत्सव तथा स्पोर्ट्स फेस्ट का उद्घाटन किया

**जयपुर** (कासं)। अपने बहानों को अपने लक्ष्य के मार्ग में मत आने दीजिए, सफलता किसी बहाने पर नहीं मिलती। ये कहना है साल 2023 की महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियन-2023 अर्जुन अवार्डी स्वीटी बूरा का। वे सोमवार को स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एसकेआईटी) में सालाना एनुअल कल्चरल फेस्ट प्रवाह-2026 के उद्घाटन के सत्र में स्टूडेंट्स को संबोधित कर रही थी। छात्रों को उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बताया और कहा कि हमेशा कर्म पर विश्वास रखें और अपने जुनून को बरकरार रखे तो सफलता जरूर मिलेगी। इस अवसर पर समारोह के चीफ गेस्ट आरटीयू कोटा के वाइस चांसलर प्रो. निमित रंजन चौधरी भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो निमित रंजन चौधरी ने विद्यार्थियों को अपने सम्पूर्ण विकास पर केंद्रित रहने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद, तीन दिवसीय इंटर-कॉलेज स्पोर्ट्स फेस्ट 'आवेग-2026' का शुभारंभ हुआ। इस भव्य उद्घाटन समारोह में चेयरमैन सूरजाराम मील, वाइस चेयरमैन अनिल बाफना, डायरेक्टर जयपाल मील, डायरेक्टर अकादमिक प्रो. एस.एल. सुराना, रजिस्ट्रार रचना मील, डीन प्रो. आर.के. जैन, प्रिंसिपल रमेश कुमार पचार एवं प्रवाह कन्वीनर डॉ बी एल शर्मा उपस्थित रहे। प्रवाह के खेल महाकुम्भ में पूरे राज्य के 40 से अधिक कॉलेजों के स्टूडेंट्स हिस्सा ले रहे हैं। फेस्ट के पहले दिन बैडमिंटन,

शतरंज, कैरम, रस्साकशी, कबड्डी, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल और फुटबॉल सहित कई खेल स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। स्पोर्ट्स फेस्ट का संचालन अजीत सिहाग, महेंद्र कुमार बेनीवाल, चंदन कुमार और अमृता भंडारी के नेतृत्व में किया जा रहा है।

## लाठियां बरसाई

**जयपुर** । विधानसभा घेराव करने निकले कांग्रेस नेताओं पर पुलिस ने पानी की बौछार की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। दरअसल, राजस्थान कांग्रेस के खेलकूद प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता 22 गोदाम स्थित सहकार भवन पर इकट्ठा हुए थे। यहां से रैली के रूप में निकले, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया।

## सार-समाचार

### होली मिलन समारोह का पोस्टर जारी

**जयपुर** । श्री शिव महापुराण कथा समिति जयपुर द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन होगा। ये आयोजन शेखावाटी कला परिषद जयपुर डॉ. सोहन लाल तंवर पार्टी द्वारा शेखावाटी का प्रसिद्ध चंग ढप धमाल कार्यक्रम 28 फरवरी को सायं 7 बजे से जनउपयोगी भवन आरपीए रोड शास्त्री नगर जयपुर में होगा। आयोजन समिति द्वारा प्रथम निमंत्रण मोतीडूंगरी गणेशजी को दिया। इसके बाद कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन सभी सदस्यों ने किया। इस दौरान समिति अध्यक्ष पंडित सुरेश शास्त्री, डॉक्टर महेंद्र कुमावत प्रदेश अध्यक्ष ओ बी सी मोर्चा भाजपा, महामंत्री अरुण खटोड़, कार्यक्रम संयोजक अजय यादव, रवि सैनीख कार्यक्रम सहसंयोजक चेतन कुमावत, मनोज मुद्गल, समिति संयोजक अर्जुन सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष दीपक गोयल राम कोडिया, मंत्री सुमित खटोड़, रतन गोयल, कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश खंडेलवाल उपस्थित रहे।

### सीकर रोड से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

**जयपुर** (कासं)। खाटूश्यामजी लक्खी मेले में उमड़ने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जयपुर-सीकर रोड से अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट में मंगलवार को जनहित याचिका दायर पर सुनवाई हुई। न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और रवि चिराणिया ने इस प्रकरण को लेकर राज्य सरकार से जवाब मांगा था। जिस पर सरकार का पक्ष रखते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता गुरूचरण सिंह ने अदालत को बताया कि इस क्षेत्र में 200 से ज्यादा अतिक्रमण थे, जिन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, वर्तमान में यहां 81 अतिक्रमण ऐसे बचे हुए हैं, जिन पर कार्रवाई की जानी शेष है। इस पर अदालत ने निर्देश दिए कि तमाम अतिक्रमणों पर तुरंत कार्रवाई की जाए, ताकि खाटूश्यामजी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा नहीं हों।

### हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी गिरफ्तार

**जयपुर** । सोशल मीडिया पर वायरल बर्बरता के एक वीडियो के आधार पर विधायकपुरी थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी (36) को गिरफ्तार किया है। आरोपी को जयपुर सेंट्रल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर पकड़ा गया। उसके खिलाफ करीब तीन दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी हाल ही में मालवीय नगर थाने के एक अन्य प्रकरण में गिरफ्तार होकर जेल में बंद था। वायरल वीडियो में वह होटल शिव महिमा जगन पथ क्षेत्र के सामने बीच सड़क दो युवतियों को कार से खींचकर उनके साथ मारपीट करता नजर आ रहा है। घटना 25-26 दिसंबर की रात की बताई गई है। डीसीपी साउथ राजश्री राज ने बताया कि वीडियो की गंभीरता को देखते हुए विधायकपुरी थाना पुलिस ने बिना शिकायत के स्वतः संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया। हालांकि भय के कारण पीड़िताओं ने शिकायत दर्ज नहीं कराई और उनकी पहचान भी सामने नहीं आ सकी। थानाधिकारी नरेंद्र भड़ाना ने आरोपी के खिलाफ शांति भंग एवं सार्वजनिक स्थान पर मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

# मुख्यमंत्री के बेटों को उपकृत करने की परंपरा कांग्रेस में, भाजपा में नहीं : उपाध्याय

**जयपुर** (कासं)। भाजपा खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक ब्रजकिशोर उपाध्याय ने पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान का पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री के बेटों को उपकृत किया जाता है, जिस प्रकार से अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को आरसीए का अध्यक्ष बनाया गया था, उसको राजस्थान की जनता भूली नहीं है। जिस प्रकार से कांग्रेस के पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी की राजनीतिक हत्या की गई थी, आपसे ज़्यादा कौन जान सकता है। डूडी को कांग्रेस की सरकार में कैसे आरसीए से बाहर कर बेइज्जत करके भगाया गया था, उनको स्टेडियम में घुसने से रोकने के लिए पुलिस का सहारा लिया गया। इसकी कल्पना डोटासरा आपसे तो कतई नहीं की जा सकती है। उपाध्याय ने कहाकि डोटासरा ने कहा कि कभी आरसीए का संयोजक बिहानी बनता है, कभी कुमावत बनता है तो कभी खींवसर बनता है। मैं उनको कहना चाहता हूं कि भाजपा राज में भाजपा का कार्यकर्ता बनता है ना कि नेता पुत्र बनता है और ना ही मुख्यमंत्री का बेटा बनता है। मुख्यमंत्री भजन लाल के बेटे का नाम लेकर आप ओछी मानसिकता को प्रदर्शित कर रहे है। आरसीए में कौन अध्यक्ष होगा, इसका फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और बहुमत से होता है इस प्रकार की बेबुनियाद बातें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को शोभा नहीं देती।

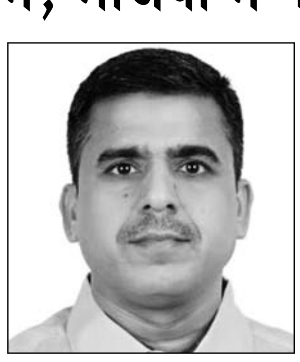

ब्रजकिशोर उपाध्याय

**मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीमती शशि खंडेलवाल की स्मृति में 1 मार्च को आयोजित किए जाने वाले रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन किया। यह शिविर श्री महावीर दिगंबर जैन सीनियर सैकेंडरी स्कूल महावीर मार्ग, सी-स्कीम में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। इस मौके पर ट्रस्ट की न्यासी एवं पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, प्रबंध न्यासी शरद खंडेलवाल मौजूद थे।**

# राजस्थान हाईकोर्ट में फिर से बम ब्लास्ट की धमकी

**जयपुर** (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर और जोधपुर पीठ के परिसर में एक बार फिर बम ब्लास्ट की धमकी मिली है। हर बार की तरह इस बार भी हाईकोर्ट प्रशासन के ईमेल पर समान पैटर्न में धमकी भरा मेल भेजा गया है। मेल मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस के उच्चाधिकारियों को दी और मुकदमों की सुनवाई एक घंटा बाद में शुरू करने का निर्णय लिया।

सूचना पर पुलिस के उच्चाधिकारी बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड के साथ हाईकोर्ट परिसर पहुंचे। सुरक्षा दस्तों की ओर से हाईकोर्ट की मुख्य बिल्डिंग की गहनता से जांच की गई। हालांकि इस दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

हाईकोर्ट चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि बम की सूचना मिलते ही पुलिस के बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की ओर से पूरे हाईकोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की गई। वहीं हाईकोर्ट के मुख्य परिसर से न्यायिक कर्मचारियों, अधिवक्ताओं व पक्षकारों को बाहर निकाला गया। मौके पर किसी भी अनहोनी ने निपटने के लिए फायर बिग्रेड और एंबुलेंस तैनात की गई। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा का कहना है कि हाईकोर्ट परिसर में सुरक्षा के माकूल इंतजाम किए गए हैं, लेकिन यहां अब तक कई बार बम ब्लास्ट के मेल मिल चुके हैं। जांच एजेंसियां अभी तक यह तक मालूम नहीं कर पाई है कि मेल कहां से आया है। हर बार मेल मिलने के बाद मुकदमों की सुनवाई बीच में बंद कर दी जाती है और कोर्ट परिसर खाली करा लिया जाता है। जिससे एक और भय का माहौल पैदा हो गया है, वहीं मुकदमों की सुनवाई भी प्रभावित होती है।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट प्रशासन को सबसे पहले गत वर्ष 31 अक्टूबर को बम विस्फोट की पहली धमकी मिली थी। इसके बाद 5 दिसंबर को दूसरी धमकी दी गई। वहीं 8 दिसंबर से लगातार चार दिनों तक बम ब्लास्ट को लेकर हाईकोर्ट प्रशासन को मेल भेजे गए। इसके बाद गत छह फरवरी को ब्लास्ट की धमकी दी गई।

# एसओजी की दबिश में पांच डमी परीक्षार्थी गिरफ्तार

**जयपुर** । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (द्वितीय श्रेणी) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में डमी परीक्षार्थियों के जरिए चयन कराने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी की टीमों ने अंडमान-निकोबार, कोलकाता, जयपुर, कोटा और जालौर सहित छह स्थानों पर एक साथ दबिश देकर 5 डमी परीक्षार्थियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक संदिग्ध एमबीबीएस छात्र को हिरासत में लिया गया है। सभी गिरफ्तार आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। अतिरिक्त महानिदेशक ने बताया कि डमी परीक्षार्थियों में महेश कुमार बिश्नोई (एमबीबीएस छात्र, जयपुर), महिपाल बिश्नोई (एमबीबीएस छात्र, कोटा), सहीराम (एमबीबीएस छात्र, पोर्ट ब्लेयर), हनुमानाराम (राजकीय अध्यापक) व निवास कुराड़ा (राजकीय अध्यापक) शामिल हैं। एक अन्य संदिग्ध एमबीबीएस छात्र प्रिंस कोलकाता को हिरासत में लेकर जयपुर लाया जा रहा है। आरोपियों ने विज्ञान एवं सामान्य ज्ञान विषय की परीक्षा में मूल अभ्यर्थियों के स्थान पर बैठकर 3 से 5 लाख रुपए में सौदा कर परीक्षा दी थी।

## Pluto: The Ninth Planet Discovered in 1930

On February 18, 1930, Clyde Tombaugh, an American astronomer at the Lowell Observatory in Arizona, made a groundbreaking discovery that would captivate the world: Pluto, the then-ninth planet of the solar system. Tombaugh meticulously compared photographic plates of the night sky, searching for a moving object beyond Neptune, and his patience paid off when he identified the distant celestial body. Named Pluto after the Roman god of the underworld, the discovery expanded humanity's understanding of the solar system and inspired generations of astronomers. Although reclassified as a dwarf planet in 2006, Pluto remains an iconic symbol of astronomical exploration and curiosity.

#EMILY BRONTË

# Power of Imagination in Wuthering Heights

Remarkably, Wuthering Heights was the only novel Emily Brontë ever wrote. She did not go on to produce further fictional works

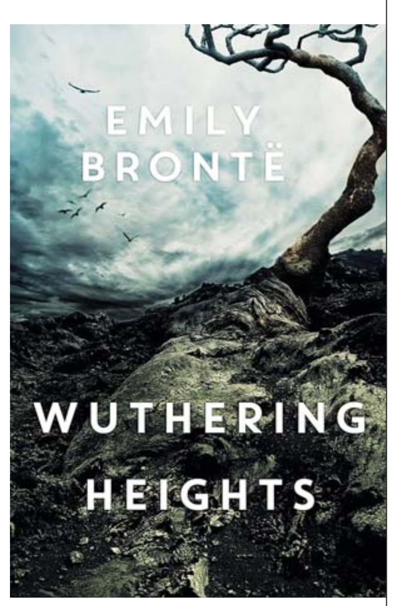


Emily Brontë's *Wuthering Heights* stands as one of the most intense and passionate novels in English literature, yet its author lived a life that was remarkably quiet, secluded, and outwardly uneventful. The contrast between the stormy emotional world of the novel and the restrained circumstances of Emily Brontë's life invites a deeper reflection on the source of creative passion. Her life suggests that the deepest emotional power in literature can arise not from lived experience, but from imagination strengthened by solitude.

Emily Brontë wrote Wuthering Heights when she was still young, in her late twenties. Unlike many writers whose works are shaped by romances, social ambitions, or worldly adventures, Emily lived almost entirely within the confines of her family home at Haworth. There is no evidence that she pursued romantic relationships or experienced personal affairs that could directly explain the fierce love, obsession, and emotional extremity depicted in her novel. Her temperament was private, reserved, and introspective, and she showed little interest in public recognition or literary fame.

Remarkably, Wuthering Heights was the only novel Emily Brontë ever wrote. She did not go on to produce further fictional works, nor did she attempt to refine or soften the raw emotional intensity of her singular creation. Shortly after the novel's publication, Emily's health declined rapidly, and she died at the age of thirty. Her brief life and limited literary output make the existence of such a powerful and enduring novel even more extraordinary. This biographical context challenges the assumption that great passion in art must stem from personal experience. The love between Catherine Earnshaw and Heathcliff is often described as violent, consuming, and elemental, far removed from conventional romance. Rather than reflecting real-life relationships, it appears to emerge from Emily Brontë's imaginative engagement with emotion itself. Her solitude, isolation, and closeness to the wild Yorkshire moors may have intensified her inner life, allowing her imagination to explore extremes that ordinary social experience might never reach.

Emily Brontë's example suggests that imagination, when nurtured by solitude, can generate emotional truths as powerful as, or even more powerful than, those derived from lived experience. Her work demonstrates that passion in literature does not require personal indulgence in desire or suffering. Instead, it can arise from deep observation, inward reflection, and a fearless willingness to imagine the full range of human feeling.

In this sense, Wuthering Heights is not evidence of experience translated into fiction, but of imagination transcending experience. Emily Brontë's life reminds us that the most profound artistic passions often originate in the silent, solitary depths of the mind, where imagination is free to roam without the limits imposed by reality.

# Venezuela Stood by India

Venezuela President Raul Leoni.

Indira Gandhi's brief visit caught the attention of the South American nation. "Images of this lady of imposing stature, in a traditional green coloured sari with black checks, shot with golden threads, a simple string of pearls and a watch, her only accessories, were beamed simultaneously into thousands of Venezuelan homes by the National Television Channel OCI," Molero wrote.

Indira Gandhi.

● Verna Mohon

The United States' mounting sanctions against Venezuela, especially on the national oil company PDVSA, have had a profound effect on the Andean nation's oil exports to far-flung India. However, despite numerous news reports apparently confirming the halting of Venezuela's oil exports to India, oil continues to flow from Venezuela to India, albeit in smaller quantities. As per Reuters' calculations, India's imports dropped considerably following the imposition of U.S. oil sanctions in January 2019, going down to 200,000 barrels per day (bpd) in June 2019, just half the oil India imported on average from Venezuela in 2018.

This is more than just an inconvenience for Nicolás Maduro's regime in Venezuela. India accounted for 28 percent of Venezuela's crude oil exports in 2018, amounting to revenues of $7.39 billion. More importantly, Venezuela relied on India as a vital source of foreign exchange, given that a sizeable share of Venezuela's exports to China goes towards repaying over $60 billion in loans.

Having said that, it is only right to mention that India and Venezuela have had long and, atleast from the Venezuelan side, a very supportive relationship. One just has to dip into recent history to see the proof of it.

October 1968, two years after Venezuela opened one of its first embassies in Asia in New Delhi, Indian Prime Minister Indira Gandhi visited the resource-rich South American nation. The 18-hour visit was the penultimate leg of a Latin America tour that covered Brazil, Chile, Argentina, Uruguay, Colombia and Trinidad, among other countries.

From the outset, Caracas rolled out the red carpet for Gandhi. At Simon Bolívar Maiquetia Airport, she was greeted by an unusually large delegation that included the Venezuelan president and vice-president, the chief justice of the Supreme Court, the attorney general, cabinet ministers and members of the clergy.

"Her arrival was marked by festivity, warmth and hospitality, solidarity and applause," Venezuelan academic Hernan Lucena Molero wrote in a 2013 paper titled *Indira Gandhi in Venezuela (1968-2013): 45th Anniversary of a Historic Visit*. "Security was provided by female personnel deputed by the Venezuelan state; flags from both countries lined the runway and many journalists intent on doing their job, unmindful of the pushing and shoving by the military police, covered the event."

Breaking protocol, Gandhi asked Venezuelan President Raul Leoni to let her accept bouquets from locals and Indian expatriate children. "The airport was filled, thanks to a significant turnout by the Venezuelan public," Molero wrote. "The people of Venezuela, who found inspiration in India's struggle for independence, did not hold back in expressing their affection for her leader."

Gandhi reciprocated the warmth at a banquet hosted by Leoni, highlighting the two countries' shared anti-colonial histories. "This is my first visit to Venezuela, but during our freedom struggle, we drew inspiration from other similar struggles against colonial empires," she said. "The names of Francisco Miranda, Simon Bolivar, Jose Antonio Paez, the first president of Venezuela, are part of the history of human freedom."

#TIMES

Gandhi's brief visit caught the attention of the South American nation. "Images of this lady of imposing stature, in a traditional green coloured sari with black checks, shot with golden threads, a simple string of pearls and a watch, her only accessories, were beamed simultaneously into thousands of Venezuelan homes by the National Television Channel OCI," Molero wrote.

A joint communique pledged expanded cooperation in 'commercial, cultural, technological and scientific fields.' "I come to build bridges of love between Latin America and my country," Gandhi said in Caracas.

To Molero, Gandhi's words 'clearly demonstrated the political will of the Asian leader and showed the path that Venezuela and the rest of the region would have to take in the Cold War era, with complete clarity on a) the concepts of integration and firm friendship and b) working together to find a firm solution to long term issues: initiating the process for drafting of work plans and joint programs that would help in the achievement of the development goals of both parties.'

Before leaving Venezuela, Gandhi held an hour-long press conference at the Tamanaco Hotel, where 13 journalists posed what Molero described as 'polemic' questions about India. These ranged from food shortages and birth control to beef consumption and the generous pensions paid to former royals. Coming months after India opened a resident mission in Caracas, Gandhi's visit built on a carefully cultivated diplomatic relationship, one that would prove particularly valuable just three years later, during a major humanitarian crisis in what was then East Pakistan.

### Common cause

Despite the distance, both India and Pakistan actively sought support in South America during the Bangladesh Liberation War. Most countries disregarded the appeals, choosing to stay neutral. Not Venezuela.

A 1979 report by the Historical Division of India's Ministry of External Affairs noted that Venezuela emerged as one of India's strongest supporters in Latin America during and after the conflict. "During the Bangladesh and Pakistan crisis of 1971, Venezuela's public opinion was sympathetic towards India's stand," the report said. "Venezuelan National Congress, on its own initiative, passed a resolution endorsing India's stand and giving support to the people of Bangladesh."

As the Bangladesh cause resonated with the Venezuelan public, their government became more diplomatically proactive. "Venezuela also took the initiative at the Latin American Parliament to have a unanimous resolution adopted on this question," the report said. "Venezuela was the second country in Latin America, after Cuba, to recognise Bangladesh, in May 1972."

Cooperation between New Delhi and Caracas extended to global issues where both shared common positions, including opposition to apartheid in South Africa and South Africa's occupation of Namibia.

"On Africa, Venezuela's views are also identical to those of India," the report said. "Venezuela has expressed support to the people of Africa who are struggling for freedom."

At the United Nations General Assembly, both countries condemned the apartheid regime for the Cassinga massacre, in which South African forces killed 600 Namibian refugees, including 300 children, in 1978.

"Venezuela, like India, has been condemning in the General Assembly of the U.N., South African policy in Namibia," the report noted. "The resistance of South Africa, the centre for every policy of racial discrimination and violence in Africa and its refusal to implement the Security Council's resolution, have deeply caused concern to the government of Venezuela."

Venezuela's leadership also expressed appreciation for India's foreign policy during the 1970s. When accepting the credentials of the Indian ambassador in 1978, President Carlos Andres Perez remarked on India's efforts to address complex global challenges.

"In spite of geographical distances, the President said the two countries were one in spirit, particularly in their foreign policy," the report said. "He also referred to Super Powers attempts at affecting the decisions of developing countries and sounded a note of caution against their designs."

Another area of convergence in the 1960s and 1970s was disarmament. Venezuela, the report said, was keen to participate in multilateral disarmament conferences and expressed concern over the proliferation of conventional weapons. Such proliferation 'unjustifiably diverts vital resources from development and removes opportunities for people to live lives of dignity in keeping with the right to economic and social well being,' it said.

### Safe distance

While Indian political and business delegations regularly visited Venezuela in the 1970s, fewer than 100 Indians lived in the country. This small community, comprising mainly businessmen, teachers, missionaries and a handful of government consultants, was viewed favourably by locals.

By 1977, the Missionaries of Charity had established six centres across Venezuela, staffed by 20 Indian nuns. That year, Mother Teresa undertook a 10-day visit to the country that was also home to a small number of Indian Catholic priests. Around the same time, 60 Indian engineers helped set up a major steel plant in the industrial port city of Puerto Ordaz in Bolivar state. It was also in the mid-1970s that a few Indians explored opportunities in Venezuela's oil industry. Their numbers never grew significantly, as falling oil prices, capital flight and currency devaluation made the country less attractive.

Diplomatic engagement continued in later decades, with President Hugo Chavez visiting India in 2005 and his foreign minister, Nicolas Maduro, who would later be his successor, visiting in 2012.

When Maduro was abducted and renditioned by the United States, India's official response, describing the developments in Venezuela as 'a matter of deep concern' without explicitly naming or condemning Washington, stood in contrast to the 1970s, when New Delhi and Caracas stood firmly together against the heavy-handedness of the superpowers of the day.

The last one hears of Indian acknowledgement of this relationship is something new. Definitely not an announcement of 'hail well met.' This is what has been officially said:

"Consistent with our approach to energy security, India remains open to exploring the commercial merits of any crude supply options, including from Venezuela," Ministry of External Affairs (MEA) spokesperson Randhir Jaiswal said at his weekly media briefing in the afternoon. US President Donald Trump had said on Monday night that India has agreed to buy more oil from Venezuela instead of Russia.

*rajeshsharma1049@gmail.com*

#HAND EMBROIDERY

# From Zardozi to Kantha

Zardozi has remained a symbol of royalty and opulence. The name itself derives from Persian, meaning 'sewing with gold'

India's rich cultural heritage is reflected in its diverse and intricate embroidery techniques, each of which tells a story of craftsmanship, artistry, and history. These hand-embroidery styles have been passed down through generations, showcasing the skill and patience of artisans. Among the many beautiful techniques, Zardozi, Kantha, Soof, and others stand out for their unique methods and historical significance. Let's explore some of these fascinating forms of Indian hand embroidery, and understand why they are so cherished.

### Zardozi Embroidery: The Gold Thread Art

One of the most famous and luxurious forms of embroidery, Zardozi is a technique that uses gold and silver threads to create intricate designs. Originating in Persia and later brought to India during the Mughal era, Zardozi has remained a symbol of royalty and opulence. The name itself derives from Persian, meaning 'sewing with gold.'

One fascinating characteristic of Zardozi is that mosquitoes can be settled in between the stitches because the embroidery is so intricate and dense. This technique involves the use of the gold or silver threads and are sewn into the fabric so tightly that they almost create a surface that is completely sealed. The embroidery is so finely done that even the tiny mosquito, despite its delicate structure, can find itself trapped within the fabric's stitches.

### Kantha Embroidery: The Stitched Narrative

Kantha is one of the oldest and most well-known forms of embroidery from Bengal and Odisha, particularly among the rural communities. Unlike Zardozi's focus on metallic threads, Kantha is traditionally done using simple, running stitches on fabric, often cotton. Historically, women would repurpose old sarees, cloth pieces, and rags, stitching them together with Kantha to create quilts and bedding.

The ragged clothes used in Kantha embroidery were often remnants of old garments that had been discarded but were given new life through this beautiful technique.

Kantha embroidery has become highly sought after in recent years, not just for quilts, but for shawls, sarees, and home decor items. Its simplicity and versatility make it a timeless form of Indian handcraft.

### Soof Embroidery: Intricate and Blindfolded

Soof embroidery is an ancient form of hand embroidery that is famous for its intricate and fine stitching. Originating from the state of Gujarat, Soof embroidery is known for its delicate, geometrical patterns and rich use of silk threads. The uniqueness of Soof lies in its level of detail, the stitches are so small and compact that it is often said that Soof can be done blindfolded. This speaks volumes about the dexterity and precision required to perfect the technique.

What makes Soof embroidery even more special is that the intricate nature of the stitching often gives the final fabric a soft, raised texture, creating a unique visual and tactile experience. Whether it's a wall hanging, tablecloth, or saree, Soof embroidery stands out for its beauty and the precision of its stitches.

### The Intricacy of Indian Hand Embroidery

Indian hand embroidery techniques like Zardozi, Kantha, and Soof showcase the country's rich textile heritage and the extraordinary skill of its artisans. Each embroidery type has its unique story to tell, with its motifs, materials, and methods reflecting the culture, history, and creativity of the region.

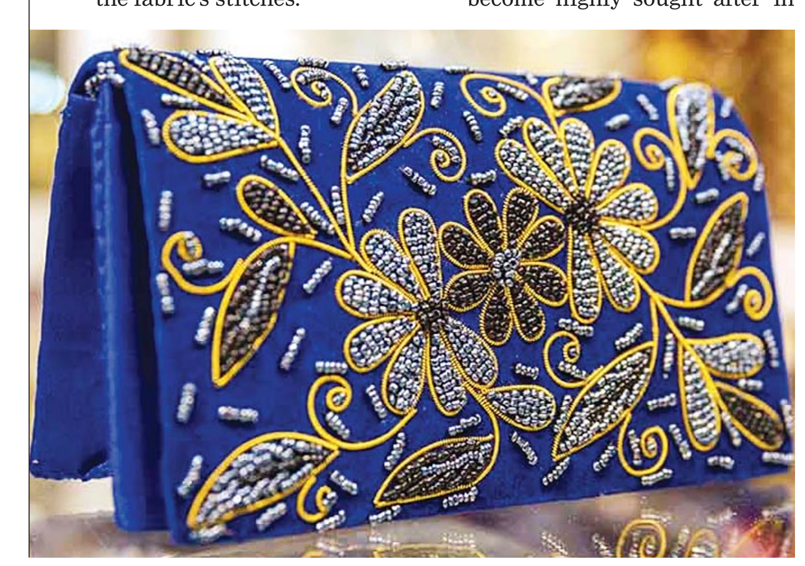

## THE WALL

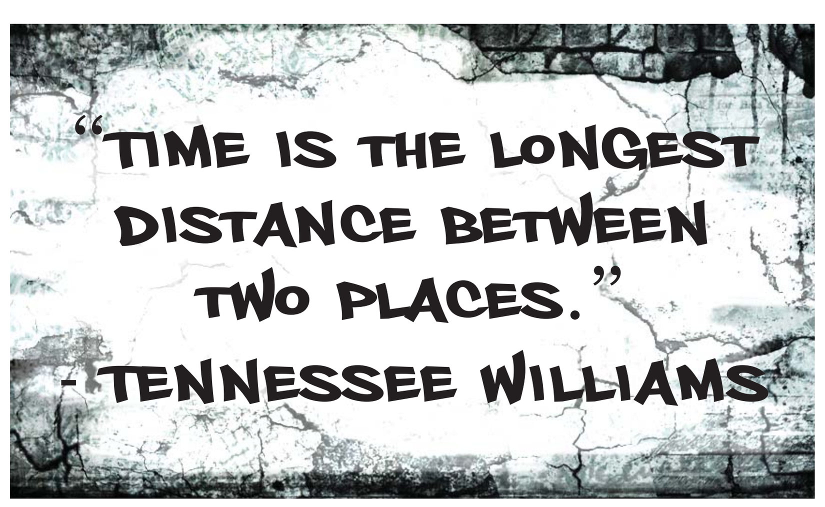


## BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

## ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

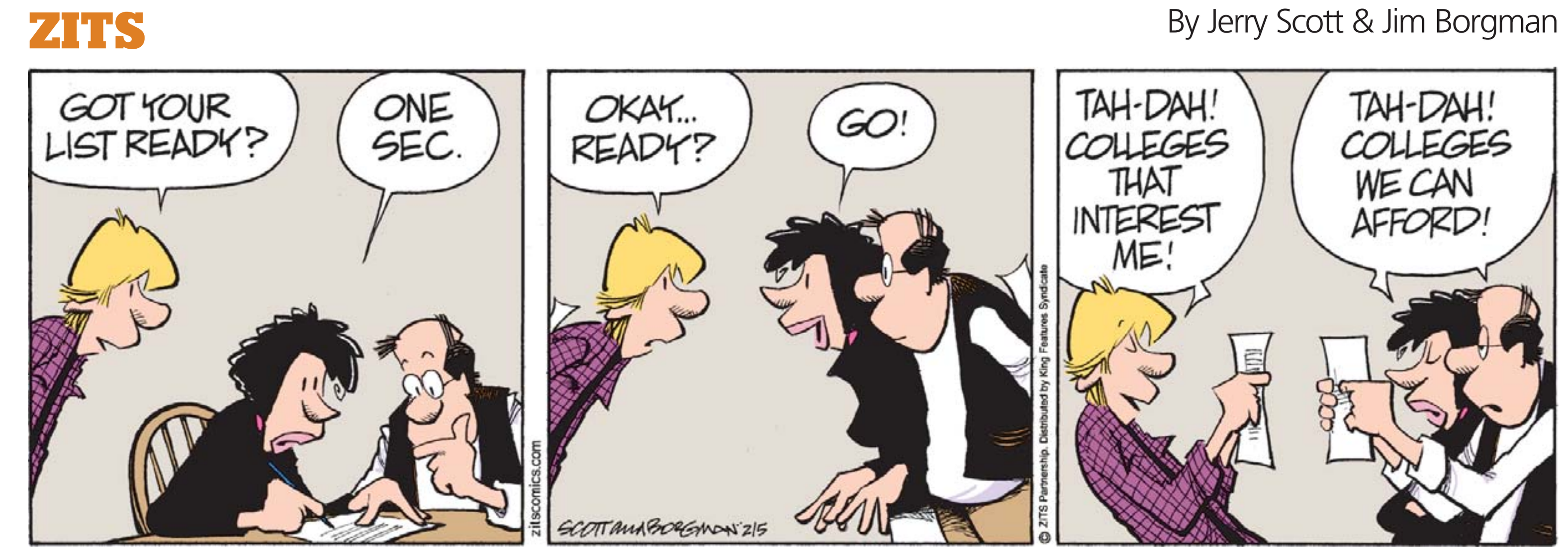

# कछुआ बेचने के नाम पर 4.20 लाख की ठगी, एक आरोपी गिरफ्तार

## फरार चल रहे आरोपी पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था

**पाटन,** (निसं)। पाटन पुलिस ने कछुआ बेचने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में फरार चल रहे पांच हजार रुपये के इनामी आरोपी मामराज बावरिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था।

■ आरोपी मौज-मस्ती और महंगी गाड़ियां रखने के शौक को पूरा करने के लिए लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे, पुलिस अब आरोपी से अन्य संभावित वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है

थानाधिकारी रमेश चंद मीणा ने बताया कि यह मामला 12 मार्च 2021 को किशोरी लाल पुत्र रामचंद्र निवासी कांक्कड़ का तिबारा, दरीबा की रिपोर्ट पर दर्ज किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार मनोज कुमार और दिनेश कुमार रैगर को कृष्ण कुमार बावरिया ने बिजली फिटिंग के कार्य के बहाने अपने घर बुलाया था। कार्य के दौरान दोनों की कृष्ण बावरिया से जान-पहचान हो गई। कृष्ण ने उन्हें कम समय में अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया तथा अपनी बोलेरो, ब्रेजा और ट्रैक्टर जैसी लग्जरी गाड़ियां दिखाकर प्रभावित किया। इसके बाद 3 अप्रैल 2021 को कृष्ण बावरिया ने मनोज को फोन कर दौसा की एक पार्टी के पास कछुए होने की बात कही। उसने मनोज और दिनेश को पावटा बुलाकर कछुए सस्ते में खरीदकर महंगे दामों में बेचने का झांसा दिया।

इस प्रलोभन में आकर दोनों से चार लाख बीस हजार रुपये ठग लिए गए। धोखाधड़ी का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पूर्व में आरोपी कृष्ण बावरिया और धोलुराम बावरिया को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है, जबकि मामराज बावरिया घटना के बाद से फरार था। सीकर पुलिस अधीक्षक द्वारा उस पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस ने संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। साइबर सेल की सहायता से कॉल डिटेल खंगालकर आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई, जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी मौज-मस्ती और महंगी गाड़ियां रखने के शौक को पूरा करने के लिए लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। पुलिस अब आरोपी से अन्य संभावित वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

## चाकू मारने वाले आरोपी पुलिस गिरफ्त से दूर

**अलवर,** (निसं)। थाना उद्योग नगर में 12 फरवरी को लड़ाई-झगड़े में चाकू छुरे चले। रिपोर्ट भी दर्ज हुई, लेकिन पुलिस ने आज तक एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जिसमें मोहन जाट उर्फ मोरा लालपुरी, सत्येंद्र कुमार जाट अशोक लीलैंड हेड गार्डस राजू जाट डूमेड़ा, बीरू कुमार जाट डूमेड़ा, इसमें से एक-दो पर पहले से ही लड़ाई, झगड़ा, मारपीट और फिरौती मांगने के मुकदमे दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार 12 फरवरी को शाम को राठी मार्केट में कालू की होटल के सामने किसी बात को लेकर लेकर झगड़ा हो गया था, जिसमें इन लोगों ने चाकूओं से तीन-चार लोगों को घायल कर दिया था। घायल व्यक्ति अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। पीड़त पक्ष का आरोप है कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। सत्येंद्र जाट जो कि अशोक लीलैंड में गार्डों का पीएसओ है। यही व्यक्ति इन सबको संरक्षण देता है और दहशत फैलाने के लिए गार्डों को लेकर साथ में घूमता है। आरोपियों के आजाद घूमने के कारण पीड़ित पक्ष को जान माल का भय है। वहीं पुलिस अभी तक इन पर कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है।

# औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार के नाम पर खेजड़ी वृक्ष काटना जारी

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के नजदीक बोरानाडा-सालावास में रिको औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार के नाम पर खेजड़ी सहित राजस्थानी वृक्षों की अवैध कटाई का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्टरी मालिक पेड़ काटकर उन्हें मिट्टी में दफन कर रहे हैं, जिससे किसी को भनक न लगे। बोरानाडा-सालावास के ग्रामीणों ने लूणी एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर तत्काल जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

■ बोरानाडा-सालावास के ग्रामीणों ने लूणी एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की

ज्ञापन में ग्रामीण श्रवण चौधरी ने बताया कि रिको को आवंटित भूमि पर बिना मंजूरी के खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मरुस्थलीय क्षेत्र की जीवनरेखा है, जो पर्यावरण संतुलन, पशु चारा, छाया और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखती है।

ग्रामीणों ने कहा कि हाल ही के दिनों में पेड़ों की कटाई तेज हो गई है। उन्होंने एसडीएम से अपील की कि मौके पर जांच कराई जाए और जिम्मेदारों पर वन संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई हो। फिलहाल एसडीएम ने ज्ञापन लेने के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

## जैसलमेर में ओरण-गोचर की जमीन बचाने की मांग

**जैसलमेर,** (नि.सं.)। जैसलमेर में ओरण और गोचर भूमि को सोलर कंपनियों के आवंटन से बचाने की मांग को लेकर मंगलवार को जिला मुख्यालय पर बड़ा विरोध देखने को मिला। कलैक्ट्रेट से करीब सौ मीटर दूर वीर आलाजी मंदिर परिसर में हजारों ग्रामीण, पशुपालक और महिलाएं एकत्र हुए। लोगों ने सरकार से जिले की करीब 20 लाख बीघा ओरण और गोचर भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने की मांग की और जिला कलैक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ग्रामीण इलाकों से भारी संख्या में महिलाएं भी मौजूद रही।

महापड़ाव में आध्यात्मिक और सामाजिक नेतृत्व का अनूठा संगम देखने को मिला। पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी और संत समाज की मौजूदगी ने इस लड़ाई को और मजबूती दी। जिले भर के विभिन्न गांवों से आए पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि जिसे सरकार राजकीय बंजर मानकर कंपनियों को सौंप रही है, वह वास्तव में हजारों मवेशियों का चरागाह और प्राचीन जल स्त्रोतों का केंद्र है।

इस मौके पर पोकरण विधायक महंत प्रताप पूरी ने सबको सरकार की तरफ से आश्वस्त भी किया कि सरकार इस मामले को लेकर काफी गंभीर है और बहुत जल्द ओरण की जमीनों को सरकारी रेकॉर्ड में ओरण के नाम से दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

# लावारिस बच्ची को ट्रेन में सुरक्षित रेस्क्यू किया

**जोधपुर,** (कासं)। रानीखेत एक्सप्रेस में सोमवार रात मानवता की एक प्रेरक तस्वीर सामने आई। ड्यूटी पर तैनात टीटीई मनोज सिंह सोलंकी ने जनरल कोच में अकेली और डरी-सहमी बैठी करीब सात वर्षीय लावारिस बच्ची को देखकर तुरंत संवेदनशीलता दिखाई और उसे सुरक्षित रेस्क्यू किया।

■ बच्ची के परिजनों की तलाश जारी

काठगोदाम-जैसलमेर रानीखेत एक्सप्रेस में सोमवार रात जोधपुर से जैसलमेर के बीच टीटीई मनोज सिंह सोलंकी ड्यूटी पर थे। जब वे जनरल कोच में टिकटों की जांच कर रहे थे, तब उनकी नजर करीब सात वर्षीय एक अबोध बालिका पर पड़ी। वह कोच में बिल्कुल अकेली और बेहद डरी हुई हालत में बैठी थी। टीटीई सोलंकी ने तुरंत मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए बच्ची के पास जाकर उससे पूछताछ की। काफी प्रयास के बाद जब यह स्पष्ट हो गया कि ट्रेन में उसके साथ कोई अभिभावक मौजूद नहीं है और वह पोकरण रेलवे स्टेशन के पास से लावारिस स्थिति में सफर कर रही है, तो सोलंकी ने मामले की गंभीरता को समझा। उन्होंने बिना देरी किए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क कर पूरी स्थिति से अवगत कराया। ट्रेन के जैसलमेर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर टीटीई सोलंकी ने बच्ची को सुरक्षित रूप से चाइल्ड हेल्पलाइन टीम को सौंप दिया। रेलवे प्रशासन और चाइल्ड हेल्पलाइन अब बालिका के परिजनों की तलाश में जुटे हैं, ताकि उसका सुरक्षित पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके।

# ऑनलाइन आवेदन विथड्रॉ करने का अंतिम अवसर 28 फरवरी तक

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने कारखाना एवं बायलर्स निरीक्षण विभाग भर्ती-2025 में आवेदन करने वाले ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास विज्ञापन में निर्धारित अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता और अनुभव नहीं है को ऑनलाइन आवेदन 28 फरवरी तक विथड्रॉ करने का अंतिम अवसर दिया गया है। ऐसा न करने पर अपात्र पाए गए अभ्यर्थियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

■ योग्यता नहीं तो वापस लें आवेदन, वरना 3 साल के लिए होंगे डिबार.

आयोग द्वारा की गई रैंडम जांच में सामने आया है कि कई अभ्यर्थियों ने आवश्यक योग्यता और अनुभव न होने के बावजूद आवेदन कर दिया है। आयोग द्वारा जारी की गई सूची से यह स्पष्ट होता है कि बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों ने भी आवेदन किया है जिनके पास केवल बीए, बीकॉम तथा बीएससी जैसी डिग्रियाँ हैं, जबकि संबंधित पदों के लिए इंजीनियरिंग की विशिष्ट डिग्री अनिवार्य हैं। गलत सूचना के आधार पर आवेदन करना और पात्रता न होने पर भी आवेदन वापस न लेना दंडनीय अपराध है। यदि काउंसलिंग या इंटरव्यू के दौरान अभ्यर्थी अपात्र पाया जाता है, तो उसका आवेदन निरस्त करने के साथ-साथ उसे आगामी 3 वर्षों के लिए भर्ती परीक्षाओं से डिबार कर दिया जाएगा।

आयोग ने पहले 3 से 18 फरवरी तक आवेदन वापस लेने का लिंक खोला था, लेकिन कई संदिग्ध अभ्यर्थियों द्वारा अभी तक आवेदन वापस नहीं लिये गये हैं। ऐसे अभ्यर्थियों को पुन: अवसर प्रदान करते हुए अब इसकी अंतिम तिथि बढ़ाकर 28 फरवरी 2026 कर दी गई है। आवेदन वापस लेने की प्रक्रिया संबंधी फ्लो चार्ट आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

# नाबालिग का होने वाला बाल विवाह रुकवाया

**बूंदी,** (निसं)। जागरूक नागरिक की सूचना पर बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष सीमा पोद्दार के निर्देशन में चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने एक बाल विवाह को सफलतापूर्वक रोक दिया। जिला समन्वयक रामनारायण, काउंसलर मनजीत कौर, बुद्धिप्रकाश सेन एवं पिंकी राठौर ने मौके पर पहुंचकर बसोली थाना क्षेत्र में प्रस्तावित बाल विवाह को रुकवाया। प्र्श्रीजी सर्वधर्म सेवा संस्थान डिग्गी मालपुरा में 19 फरवरी को सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित था, जिसमें एक 17 वर्षीय बालिका का विवाह किया जाना तय था। बालिका के नाबालिग होने की पुष्टि होने पर बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार उसे अस्थाई आश्रय गृह में सुरक्षित रूप से रखा गया है। इसके अतिरिक्त, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं विधिक सेवा प्राधिकरण तालुका के सहयोग से हिंडोली थाना क्षेत्र में निषेधात्मक जारी करवाना भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

■ 19 फरवरी को सर्वधर्म सम्मेलन में 17 वर्षीय बालिका का विवाह किया जाना तय था

# भीलवाड़ा में एक किलो अफीम के साथ जोधपुर का तस्कर गिरफ्तार

## मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 16 लाख की नकदी बरामद की

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस थाना सुभाषनगर और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रोडवेज बस स्टैंड परिसर से एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1 किलो 43 ग्राम अवैध अफीम और मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 16 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा जिले में आपराधिक गतिविधियों और नशा तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारसमल जैन व पुलिस उप अधीक्षक वृत सदर माधव उपाध्याय के निकटतम सुपरविजन में थाना प्रभारी प्रभाती लाल के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस को 16 फरवरी को पुख्ता सूचना मिली कि रोडवेज बस स्टैंड परिसर में एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ के साथ मौजूद है। टीम और सुभाषनगर पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति की घेराबंदी की। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम देराम राम चौधरी (69), निवासी जाखड़ों की ढाणी, नारवा जोधपुर बताया। जब पुलिस ने आरोपी के बैग की तलाशी ली, तो उसमें से 1 किलो 43 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। इसके अलावा बैग में 16 लाख रुपये की नकदी भी मिली। पुलिस के अनुसार यह राशि अफीम की खरीद-फरोख्त के लिए परिवहन की जा रही थी। आरोपी के पास मादक पदार्थ परिवहन से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या परमिट नहीं पाया गया। इस पर पुलिस ने अफीम और नकदी को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह खेप कहाँ से लाई गई थी और भीलवाड़ा में किसे सप्लाई की जानी थी।

## स्मैक व स्कूटी सहित एक आरोपी को पकड़ा

**छबड़ा,** (निसं)। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 3.43 ग्राम स्मैक व इसमें प्रयुक्त स्कूटी को जब्त कर लिया है।

सीआई राजेश खटाना के अनुसार गश्ती दल ईदगाह चौराहा के निकट छबड़ा-छीपाबड़ौद रोड पर नाकाबन्दी कर आने जाने वाले वाहनों को चेक कर रहा था की एक स्कूटी चालक छीपाबड़ौद की तरफ से आ रहा था जो पुलिस जाप्ता को देखकर एकदम से रोड के दांयी तरफ जाने लगा, जिसके आगे तारबन्दी हो रखी थी।

सन्देह होने पर उक्त व्यक्ति को डिटेन किया व उससे उसके नाम पता पूछा तो उक्त व्यक्ति ने घबराई हुई स्थिति में अपना नाम हेमराज मीणा (32) पुत्र मोहनराम निवासी गुराडी थाना छीपाबड़ौद हाल प्रताप नगर छबड़ा का होना बताया। जिससे इस प्रकार एकदम से घूमकर जाने का कारण पूछा तो कोई संतोषप्रद जबाब नहीं दिया। डिटेनशुदा हेमराज की तलाशी ली गई तो शर्ट के ऊपर की बांयी जेब से अवैध मादक पदार्थ स्मैक मिली। आरोपी को मौके पर से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 3.43 ग्राम स्मेक को जब्त किया गया। प्रकरण में पुलिस द्वारा अग्रिम अनुसंधान कर प्रकरण की गहनता से जांच कर इस मामले में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की तलाश की जा रही है।

## बकाया वसूली अभियान के तहत कार्रवाई की

**छबड़ा,** (निसं)। सहायक अभियंता सतर्कता बारां, विधुत विभाग छबड़ा और स्थानीय पुलिस बापचा की संयुक्त टीम ने बकाया वसूली अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन गांव से 6 लाख से अधिक की बकाया राशि के 3 ट्रांसफार्मर उठाये तथा 14 ट्रांसफार्मर अवैध जब्त किए हैं।

सहायक अभियंता जयेन्द्र सिंह झाला ने बताया कि सहायक अभियंता सतर्कता बारां, कनिष्ठ अभियंता छबड़ा, कडैया और उनके नेतृत्व में विद्युत विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस थाना बापचा ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए क्षेत्र से थ्री फ़ेस के 2 तथा सिंगल फेज के 1 ट्रांसफार्मर उठाए जिनमें गोड़ियाचरण से 3.81 लाख पर थ्री फेज के 2, उचावद से 1.91 लाख पर सिंगल फेज के 1 तथा मोतीपुरा से 2.30 लाख पर बकाया पर रखे ट्रांसफार्मर को जब्त करने के दौरान हुए विवाद के कारण ट्रांसफार्मर को खुर्द-बुर्द किया।

साथ ही मौके पर गोदियामेहर से सिंगल फेज के 10, ढीमरपुरा से सिंगल फेज से 2, रारोन से सिंगल फेज से एक और मोतीपुरा से थ्री फेज का 1, कुल 14 ट्रांसफार्मर अवैध जब्त किए। उन्होंने बताया कि कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

# बहू ने ससुराल वालों पर पति की हत्या का आरोप लगाया

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। बहू ने ससुराल वालों पर पति की हत्या का आरोप लगाया है। आरोप है कि सास, ननद-ननदोई, जेठ और जेठानी ने उसके पति को खाने में जहर देकर मार डाला। इसके बाद जल्दबाजी में शव दफनाने की कोशिश की।

■ प्रॉपर्टी विवाद में जहर देकर मारने का आरोप, कोर्ट से मामला दर्ज

पत्नी का आरोप है कि उसने पति का शव देखा था। उसका चेहरा नीला पड़ गया था। पत्नी की रिपोर्ट पर जवाहर नगर थाना पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। एडीजे कोर्ट संख्या-1 में दी शिकायत में प्रियंका बिश्नोई (38) निवासी एसएसबी रोड़, श्रीगंगानगर ने बताया कि उसका पति दलीप बिश्नोई एसएसबी रोड गली नंबर 6-7 में अलग मकान में रहता था। 18 दिसंबर 2024 को सास राममूर्ति, ननद बिंदू पत्नी विजयपाल, ननदोई विजयपाल सहारण, जेठ प्रेम कुमार और जेठानी माया ने मिलकर प्रॉपर्टी विवाद के कारण षड्यंत्र रचते हुए दलीप को मार डाला। आरोप है कि आरोपियों ने खाने में जहर या कोई केमिकल मिलाकर दे दिया। रिपोर्ट में बताया कि घटना के 24 घंटे तक परिवार को कोई सूचना नहीं दी गई। दूसरे दिन बिश्नोई रीति-रिवाज के अनुसार दफनाने की तैयारी हो रही थी, तब समाज और रिश्तेदारों के दबाव पर प्रियंका और बच्चों को बुलाया गया। प्रियंका ने जब पति का चेहरा देखा तो वह नीला पड़ गया था, गले और सिर पर चोट के निशान साफ दिख रहे थे। उस समय डर के मारे वह कुछ बोल नहीं पाई। शिकायत में बताया कि उसके पति की 2021 में भी प्रॉपर्टी को लेकर मारपीट हुई थी, जिसका मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोपियों ने पोस्टमार्टम करवाए बिना शव दफना दिया और प्रियंका को धमकी दी कि यदि कोई शिकायत की तो उसके साथ भी वैसा ही हाल किया जाएगा, जैसा दलीप के साथ किया। पुलिस ने राममूर्ति, बिंदू, विजयपाल सहारण, जगदीश सहारण, प्रेम कुमार और माया के खिलाफ मामला दर्ज कर जान शुरू कर दी है। मामले की जांच थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह राठौड़ कर रहे हैं।

## मंदिर के दानपात्र तोड़कर नगदी चुराई

**खिरोड़,** (निसं)। कस्बे में सीकर रोड पर स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में सोमवार रात्रि महाशिवरात्रि के दिन अज्ञात चोरों ने मंदिर में रखें तीन दान पात्र चुराकर ले गए।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक अज्ञात चोरों द्वारा श्री राधा कृष्ण मंदिर में रखे श्रीजी जानकीनाथ गौशाला के दो दान पात्र एवं एक मंदिर का दान पत्र जो चुराकर ले गए और पहाड़ी की खान में दानपात्रों को तोड़कर उन में रखी हजारों रूपयों की नगदी राशि चुरा कर ले गए। गौशाला व्यवस्थापक रतनलाल शर्मा एवं मंदिर पुजारी की सूचना पर गोठड़ा थाना पुलिस ने श्री राधा कृष्ण मंदिर पहुंचकर चोरी की घटना का मौका मुआयना करके घटना को लेकर जांच शुरू कर दी है।

## बेटी से मिलने आए पिता की मौत, दो घायल

**गुढ़ागौड़जी,** (निसं)। कस्बे की भैरु कॉलोनी में सोमवार को एक हृदयविदारक हादसा सामने आया। जब एक उग्र मवेशी (सांड) के हमले से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए।

मृतक की पहचान लालाराम के रूप में हुई है, जो पंजाब के लुधियाना निवासी थे और अपनी बेटी से मिलने गुढ़ागौड़जी आए हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाजार क्षेत्र में अचानक एक मवेशी (सांड) बेकाबू हो गया और राहगीरों की ओर दौड़ने लगा। इसी दौरान बेटी के घर के बाहर खड़े लालाराम को सांड ने जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल लालाराम को आसपास मौजूद लोगों ने मवेशी (सांड) को भगाकर तुरंत अस्पताल पहुंचाया। लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना में दो अन्य लोग भी घायल बताए गए हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आवारा पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि कस्बे में लंबे समय से आवारा सांडों का आतंक बना हुआ है और इससे पहले भी कई लोग घायल हो चुके हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं स्थानीय किसान भाइयों और युवा गौरक्षकों ने प्रशासन व जिलेभर के गौसेवकों को सूचना देकर मौके पर बुलाया।

# अजमेर मेयो गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं आनासागर झील का भ्रमण किया

## फील्ड आधारित बर्डवॉचिंग सत्र से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की चेतना बढ़ी

**अजमेर,** (कासं)। पर्यावरण संरक्षण की सुदृढ़ नींव विद्यार्थी जीवन से ही रखी जानी चाहिए। इसी उद्देश्य से अजमेर स्थित आनासागर झील पर मेयो गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं के लिए एक फील्ड आधारित बर्डवॉचिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वय महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा अपने आउटरीच एवं अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत किया गया।

अजमेर स्थित आनासागर झील पर मेयो गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने बर्डवॉचिंग की।

■ छात्राओं को स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों की पहचान, उनके व्यवहार के अध्ययन तथा गणना पद्धतियों की जानकारी दी

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पक्षियों की वैज्ञानिक पहचान की विधियों, उनकी पारिस्थितिक भूमिका तथा जैवविविधता संरक्षण के महत्व से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। सत्र के दौरान विभाग के प्राध्यापकों, विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों ने दूरबीन और फील्ड गाइड की सहायता से छात्राओं को स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों की पहचान, उनके व्यवहार के अध्ययन तथा गणना पद्धतियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रात:कालीन अवलोकन में ग्रेट व्हाइट पेलिकन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अतिरिक्त ब्लैक-हेडेड गल के झुंड, इंडियन स्पॉट-बिल्ड डक, तटबंध पर पंख सुखाते हुए ग्रेट कॉर्मोरेंट तथा खुले जल क्षेत्र में भोजन खोजती कॉमन कूट भी देखी गई। इन प्रजातियों की उपस्थिति ने झील की पारिस्थितिक समृद्धि और प्रवासी पक्षियों के लिए इसकी उपयोगिता को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया।

कार्यक्रम में मेयो गर्ल्स कॉलेज की ओर से डॉ. मंजरी गर्ग, डॉ. शिल्पी वत्स, रैना शर्मा, ऋचा शर्मा, रक्षिता शर्मा, अजय प्रसाद एवं अरुण सिंह उपस्थित रहे। वहीं विश्वविद्यालय की ओर से जैव विविधता विशेषज्ञों में प्रो. प्रवीण माथुर, डॉ. विवेक शर्मा, दिवाकर यादव, रौनक चौधरी, पवन सिंह, आयुषी मीणा एवं रूबी मलिक ने छात्राओं को पक्षियों की पहचान और उनके पारिस्थितिक महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया।

पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. सुब्रतो दत्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रकृति से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना संरक्षण की दिशा में सबसे प्रभावी कदम है। जब विद्यार्थी स्वयं पक्षियों और पारिस्थितिक तंत्रों का अवलोकन करते हैं, तब उनमें पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी स्वत: विकसित होती है। उन्होंने बताया कि विभाग अपने आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से शहर के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में जैवविविधता संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

# एसपी ने बगड़ थाने का निरीक्षण कर कमियों को दुरस्त करने के निर्देश दिये

**झुंझुनूं,** (निसं)। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने मंगलवार को पुलिस थाना बगड़ का औचक निरीक्षण किया। एसपी ने थाना परिसर, एचएम कार्यालय, मालखाना, महिला डेस्क, बैरिक, हवालात, मैस आदि का निरीक्षण किया तथा रिकॉर्ड देखा। वहीं कमियों को दुरस्त करने, थाने में सभी कार्य कुशलतापूर्वक किए जाने, अधिकारी-कार्मिकों को मुस्तैदी से ड्यूटी करने एवं अनुशासन बनाए रखने के संबंध में थानाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने थाना स्तर पर अपराध की स्थिति की समीक्षा की जाकर अपराध पर अंकुश लगाने तथा लंबित मामलों की शीघ्र जांच पूर्ण करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर भी विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया एवं ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाए जाने और पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि बदमाशों, असामाजिक तत्वों एवं किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार जैसे नशीले पदार्थ, जुआ, सट्टा, आबकारी, आर्म्स के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते रहें। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए भी उपायों पर चर्चा की गई तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान चल रहे अभियानों की प्रगति की समीक्षा करने तथा पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अभियानों की प्रगति की समीक्षा की जाकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान ग्रामीण डीएसपी हरिसिंह धायल, थानाधिकारी प्रशिक्षु आरपीएस अंबिका चौधरी समेत अन्य मौजूद रहे।

## संक्षिप्त

### शिव महापुराण कथा का समापन

**कोटपूतली।** निकटवर्ती ग्राम रामसिंहपुरा के हरिहर उदासीन आश्रम में ब्रह्मलीन महंत घनश्याम दास महाराज की तपोस्थली भूमि में आयोजित शिव महापुराण कथा का मंगलवार को वैदिक विधि-विधान से हवन की पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। कथा महंत सर्वज्ञ मुनि महाराज के सानिध्य में संपन्न हुई। समापन पर मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति करवाई गई। इसके पश्चात संत-महात्माओं ने उपस्थित श्रद्धालुओं को जीवन में धर्म, सत्य और सदाचार अपनाने का संदेश दिया। नई दिल्ली बड़ा अखाड़ा हरिहर उदासीन आश्रम के पीठाधीष्वर सुयज्ञ मुनि महाराज ने कहा कि शिव महापुराण जीवन में शांति, संयम और आत्मिक संतुलन प्रदान करता है। वहीं पलवल से आये महामंडलेष्वर जगदीश दास महाराज ने शिव आराधना को सामाजिक एकता और करुणा का आधार बताया। कार्यक्रम में पंचायती बड़ा अखाड़ा उदासीन के मुखिया महंत रामनोमी दास महाराज, पंजाब से कमल दास, महंत सतपाल दास महाराज, गोपालपुरा से महामंडलेष्वर रघुवंश दास महाराज, लालाराम भगत सहित अनेक संतों ने आशीर्वचन दिये। कथा समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें दूर-दराज से आये श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस मौके पर पूर्व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, भाजपा नेता शंकर लाल कसाना, आजाद मान आदि ने आयोजन की सराहना की।

### रेलवे होली पर्व पर 04 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलायेंगे

**फुलेरा।** होली पर्व पर बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए 04 जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जाएगा। रेलवे प्रशासन के अनुसार इन ट्रेनों का संचालन मार्च माह में निर्धारित तिथियों पर किया जाएगा, जिससे राजस्थान से उत्तर प्रदेश, बिहार एवं उत्तराखंड की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। जोधपुर से गोरखपुर के बीच 05, 12, 19 व 26 मार्च को (04 ट्रिप) साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन जोधपुर से शाम 4.15 बजे रवाना होकर शुक्रवार को रात 8.50 बजे पहुंचेगी। वापसी में 06, 13, 20 व 27 मार्च को गोरखपुर से जोधपुर के लिए सेवा उपलब्ध रहेगी। यह ट्रेन मेडता रोड, डेगाना, डीडवाना, सुजानगढ़, रतनगढ़, चूरू, रेवाड़ी, दिल्ली, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, अयोध्या, बस्ती सहित प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी।

### मंदिरों में बैठने की कुर्सिया रखवाई

निवाई। ग्राम पंचायत ललवाडी में हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर ललवाडी मंडल के सभी गांवों के मंदिरों में बैठने की कुर्सिया को रखवाई गई है। हिंदू सम्मेलन समिति के कोषाध्यक्ष धीरजसिंह सोलंकी ने बताया कि विराट हिंदू सम्मेलन में बचे हुए संग्रह राशि से 6 कुर्सियां मंगवाकर गांव श्रीसुखपुरा, विजयगोविंद, अगरपुरा एवं ललवाड़ी के अटलसेवा केंद्र व गणेश मंदिर में आम जनता के बैठने के लिए कुर्सियां रखवाई गई है। जिससे आमजन व श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड गई।

### नशे के खिलाफ युवाओं ने शपथ ली

**भरतपुर।** जिलाध्यक्ष एनएसयूआई हरजीत सिंह सांखला के नेतृत्व में एनएसयूआई शपथ समारोह व भरतपुर में नषे के खिलाफ मुहिम चलाई। भरतपुर जिले में बढती हुई नषे की लत से बच्चों व युवाओं का भविश्य अंधकारमय हो रहा है तथा परिवार वालों को भी इनके द्वारा किये जा रहे दुव्यर्वहार के कारण शर्मिन्दा होना पड़ रहा है। इस बढती हुई नषे की लत से युवाओं को एनएसयूआई गांव-गांव ढाणी-ढाणी जाकर जागृत करने का प्रयास करेगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांगरिया विधायक व प्रदेष अध्यक्ष युवा कांग्रेस राजस्थान अभिमन्यु पूनिया तथा विषिश्ठ अतिथि पूर्व विधायक वेदप्रकाष सोलंकी व जिलाध्यक्ष कांग्रेस दिनेष सूपा आदि मौजूद रहे।


नम्बर मिलाइए 9587884433

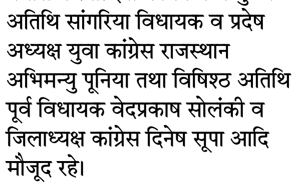

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।


# विराट हिन्दू सम्मेलन धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया

**कोटपूतली।** कस्बे के टेलिफोन एक्सचेंज रोड़ आदर्श नगर स्थित भैरू मंदिर प्रताप बस्ती में मंगलवार को विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से किया गया। सम्मेलन में लक्ष्मी नगर स्थित श्रीराम मंदिर व मुख्य चौराहा स्थित श्री शिव-हनुमान मंदिर से दो ध्वज यात्रायें पहुंची। इस दौरान बौद्धिक वर्ग को सम्बोधित करते हुये आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक बुद्धिप्रकाश ने संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर पंच परिवर्तन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि संघ ना केवल हिन्दूओं को संगठित बल्कि समाज को हर प्रकार से स्वावलम्बी व जागरूक बनाने के लिये कार्य कर रहा हैं। जिसके तहत स्वदेशी को अपनाने, प्रत्येक नागरिक के कर्तव्य, कुटुम्ब प्रबोधन, विभिन्न समाजों में सामाजिक समरसता एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे प्रकल्प चलाये जा रहे हैं।

प्रत्येक हिन्दू आपस में भाई हैं, कोई भी हिन्दू समाज में पतित नहीं हैं, हिन्दूओं की रक्षा ही हमारा कर्तव्य व समानता का मंत्र हैं। इसी क्रम में हिन्दू जागरण की दिशा को नई उर्जा व चेतना प्रदान करने के लिये सर्व हिन्दू समाज द्वारा सनातन धर्म, संस्कृति व सामाजिक एकता के प्रतीक के रूप में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। उन्होंने आने वाले समय की कई गतिविधियों पर भी विस्तार से प्रकाष डाला। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने देश व दुनिया में कार्य कर रहे हिन्दूओं को एकजुट होने का संदेश दिया।

हिन्दू धर्म व सनातन संस्कृति पुरी दुनिया की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक हैं। श्रीराम मंदिर लक्ष्मी नगर के महंत रामबचनदास जी महाराज, भैंरू मंदिर महंत रामसिंह भगतजी, गुम का जोहड़ा महंत निरंजन दास महाराज ने आशीर्वचन कहे। भाजपा नेता व पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी ने कहा कि वर्तमान की चुनौतियों से निपटने के लिये हिन्दू समाज के प्रत्येक वर्ग को एकजुटता के सूत्र में पिरोकर कार्य करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ श्रीराम दरबार व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस मौके पर प्रभात स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों व भामाशाहों का माला, दुपट्टा व रामलला का चित्र भेंटकर अभिनंदन किया गया।

इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अरूण कुमार सैनी, विहिप नगर अध्यक्ष रोहिताश सैनी,रतन भैया, बलेश सैनी, रमेश सैनी, राजेन्द्र सैनी, सुषमा सैनी, सुनीता सैनी, रेणू अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, रामधन सैनी, बंटी सैनी, कन्हैया लाल सैनी, भाजयुमो नेता शशि मित्तल, बालकृष्ण सैनी, नेमीचंद हिन्दू, नरेन्द्र हिन्दू, विरेन्द्र सैनी, लालाराम प्रधान, विजय शास्त्री, प्रीतम सैनी, श्यामलाल, लालाराम सैनी, सुगन चंद सैनी, सत्येंद्र जांगिड़, सुनील चौधरी, विजयानंद, सुरेंद्र, नेतराम ठेकेदार, सोहनलाल, महेश सैनी, कैलाश, उदय सिंह, मनोज अग्रवाल, प्रहलाद जांगिड़, महेश सराधना, रोहिताश सैनी, सतीश सैनी, महेश सैनी, नेतराम सैनी, नरेश मेहरा, अशोक सैनी, विरेन्द्र सैनी, सुनील चौधरी, ख्यालीराम सैनी, भूपेन्द्र यादव, मिथलेश, पुरूषोत्तम बिदाणी, बिल्लूराम सैनी, सीताराम गुप्ता, सचिन भरगड़, दिनेश सैनी, राजू सैनी, प्रकाश सैनी, हिरालाल सैनी, प्रदीप सैनी, धर्मवीर ठेकेदार, रमेश सैनी, सुबेसिंह सैनी, जीतू यादव समेत बड़ी संख्या में मातृ शक्ति मौजूद रही।

अतिथियों व भामाशाहों को माला, दुपट्टा व रामलला का चित्र भेंट कर अभिनंदन किया।

- संघ ना केवल हिन्दूओं को संगठित कर रहा हैं, बल्कि समाज को हर प्रकार से स्वावलम्बी व जागरूक बनाने के लिये कार्य कर रहा हैं : बुद्धिप्रकाश

### प्री-लिटिगेशन मामलों में विवाद निस्तारण की पहल

**फुलेरा।** राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) भंवर लाल बुगालिया के निर्देशन में अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्र.सं. 1) अरविन्द कुमार जांगिड़, सांभरलेक के निर्देशानुसार न्यायाधिकारी, ग्राम न्यायालय सांभरलेक भानुप्रिया सेहरा द्वारा नगर पालिका मण्डल फुलेरा के सभागार में विशेष समझाइश कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फुलेरा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के पक्षकारों के मध्य न्यायालय में विचाराधीन राजीनामा योग्य प्रकरणों तथा प्री-लिटिगेशन मामलों में आपसी समझाइश करवाई गई। मामलों के निस्तारण हेतु पक्षकारों को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर लीगल एड असिस्टेंट चान्दमल सांभरिया, पैरा लीगल वोलेंटियर्स शंकर लाल छंदवाल, कैलाश माली, राकेश, कृष्णा कुमावत, माधुरी पारीक, दीपांशु, सागर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# चौरु में संत श्री चोकसराम मुनि महाराज के जुलूस में उमड़ा जनसैलाब

**उनियारा/टोंक।** चौरू कस्बे में स्थित रामस्नेही संप्रदाय के रामद्वारे के संत श्री चौकस राम जी मुनि महाराज का सर्व समाज द्वारा गुरुवाणी के उदघोष के साथ के भव्य जुलूस निकाला गया। जुलुस में महिलाओं पुरुषों का जन सैलाब उमड़ा। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुलूस में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। जुलूस के दौरान हिंदु मुस्लिम एकता का संगम देखने को मिला।हर कोई महाराज की चरण वंदना कर आशीर्वाद लेने को आतुर था।

जुलूस के दौरान घर घर के बाहर महाराज का पुष्प वर्षा और माल्यार्पण के साथ जुलूस निकाला गया। जुलूस के दौरान लोगों द्वारा मिठाई भी बांटी गई। डीजे पर भजनों के साथ भक्तजन नाचते गाते हुए जुलूस का आनंद ले रहे थे। भक्ती रस की बयार के साथ जुलूस का लवाजमा रामद्वारे से शुरू होता हुआ क्यारज राम जी महाराज के समाधी स्थल पर पहुंचा। वहां पर संत श्री चोकसराम जी मुनि महाराज ने विधिवत पूजा अर्चना कर समाधी स्थल पर ढोक लगाई। इसके बाद जुलूस का लवाजमा बढ़ता गया।हर कोई महाराज के दर्शन करने के लिए आतुर थे।

जुलूस वहां से शुरू होकर सड़क मार्ग होते हुए कंकाली माता मंदिर पर पहुंचा। इसके बाद देहलवाल जी महाराज के मंदिर से होता हुआ चौथ का बरवाड़ा रोड़ से होकर बालाजी मंदिर पर पहुंचा। वहां पर पुजा अर्चना के बाद जुलूस नायकों के मोहल्ले से होकर बैरवा मोहल्ले होते हुए रामद्वारे पर जुलूस का समापन हुआ। समापन के बाद उपस्थित भक्तों को गुरुवाणी का उदबोधन देते हुए। महाराज ने कहा कि सभी को मिलजुल कर रहना चाहिए। सभी लोग अपने-अपने धर्म का पालन करें। सत्य पर रहने वाले की कभी हार नहीं होती है। ईश्वर पर विश्वास आस्था बनाएं रखें।

समापन के बाद उपस्थित भक्तों को प्रसादी बांटी गई। इस दौरान रामपाल सैनी, हनुमान मीणा,राधेश्याम माली, राधअनवर मोहम्मद,पुर्व सरपंच बुद्धि प्रकाश मीणा, मुरारी लाल सैनी, बृजेश शर्मा, रामनिवास माली,शेर अली,महेश प्रजापत मुकेश मीणा, शेरु मोहम्मद, हनुमान वैष्णव,धनराज धाकड़,मोहन लाल मीणा, दिनेश धाकड़, गणेश सैनी, विशाल सैनी, सुरेन्द्र धाकड़,बीपी मीणा कालु लाल सैनी, एजाज खान, घनीशयाम धाकड़, सुनिल सैनी,चंद्र प्रकाश शर्मा,तारा चंद्र जांगिड़, कपुर चंद्र शर्मा, मुन्ना मोहम्मद, रामफुल ताजी,लालाराम मीणा, जमना लाल मीणा,ओम प्रकाश नायक, रामस्वरूप गुर्जर, सहित कई लोग जुलूस में उपस्थित रहे।

- महिलाओं पुरुषों ने स्वागत सत्कार में बिछाए पलक पांवड़े
- जुलूस में मुस्लिम समुदाय लिया बढ़ चढ़ कर भाग
- थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी जुलूस में रहे मोजूद

### रमजान का महीना रहमत, बरकत और मगफिरत का पैगाम लेकर आता है : पठान

मनोहरपूर । आँधी में कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता नदीम खान पठान ने कहा कि रमजान का महीना सबसे मुकद्दस और पाक महीना माना जाता है।

यह महीना रहमत, बरकत और मगफिरत का पैगाम लेकर आता है. इस पूरे महीने में मुसलमान रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं, 5 वक्त की नमाज के साथ-साथ तरावीह की नमाज (विशेष नमाज) अदा की जाती है और कुरान शरीफ की तिलावत की जाती है. उन्होंने बताया कि इस साल फरवरी महीने में ही रमजान शुरू होने की।

उन्होंने कहा कि संभावना है.कि चाँद दिखाई देने पर 18 फरवरी की रात से मस्जिदों में तरावीह की नमाज पढ़ी जाएगी और 19 फरवरी से पहला रोजा रखा जाएगा। नदीम खान पठान के अनुसार रमजान का महीना इस्लाम का सबसे मुकद्दस महीना है। इस महीने में मुसलमान 30 दिन तक दिन में रोजा रखते हैं और शाम में तरावीह की नमाज अदा करते हैं। 30 दिन बाद बड़ी हर्षोल्लास से ईद की त्योहार मनाते हैं।

# 33वाँ वार्षिक श्री श्याम महोत्सव एवं विराट भजनामृत गंगा का आयोजन

**पावटा।** हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा के जयकारों के बीच ग्राम बड़नगर में श्री श्याम प्रभु खाटूवाले के 33वें वार्षिक महोत्सव को लेकर श्री श्याम शक्ति मण्डल, बड़नगर द्वारा 16 फरवरी सोमवार रात्रि 8 बजे से 17 फरवरी प्रातः 5 बजे तक श्री श्याम मंदिर, बस स्टैंड बड़नगर में विशाल जागरण के दौरान विराट भजनामृत गंगा एवं अलौकिक श्रृंगार का आयोजन किया गया।

महोत्सव का शुभारंभ शाम 8 बजे श्री श्री 1008 श्री ज्ञानदास जी महाराज के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं अखण्ड ज्योति से हुआ। इसके पश्चात अगले दिन आरती एवं छप्पन भोग प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में चिराग महाकाली आर्ट ग्रुप, महेन्द्रगढ़ (रेवाड़ी) द्वारा अलौकिक एवं भव्य झाँकियां प्रस्तुत की जाएंगी। वहीं रफीक एण्ड म्यूजिकल ग्रुप, भांकरी के साथ रामप्रकाश शाहपुरा द्वारा सजे श्याम दरबार में पूरी रात भजनामृत की गंगा बही। भजन संध्या में गायक कलाकार नरेश सिंह शेखावत (सीकर), बाल कलाकार निव्या शर्मा (जयपुर), कमलेश प्रजापति (झुंझुनू), खुशबू राठौड़ (जयपुर), सीमा शेखावत (जयपुर) सहित अनेक कलाकारो ने अपनी प्रस्तुतियां दी। महोत्सव के उपलक्ष्य में 22 फरवरी 2026 को प्रातः 8 बजे बड़नगर से खाटूधाम के लिए 33वीं पदयात्रा रवाना होगी। पदयात्रा के लिए श्री श्याम मेडिकोज, बड़नगर पर संपर्क किया जा सकता है। संयोजक समस्त ग्राम जनता बड़नगर के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव में क्षेत्रभर के श्याम भक्त शामिल हुए।

जागरण के दौरान विराट भजनामृत गंगा एवं अलौकिक श्रृंगार का आयोजन किया ।

### विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

**निवाई।** ग्राम पंचायत चनानी में हिन्दू समाज द्वारा दुर्गालाल प्रजापत की अध्यक्षता में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया।

जिसको लेकर विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम संयोजक गजेंद्रसिंह राजावत ने बताया कि कलश यात्रा गांव के मुख्य मार्गो से होते हुए माताजी मंदिर व जैन मोहल्ला होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। कलश यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। इस दौरान भारत माता की जय, जय श्रीराम व वन्दे मातर जयकारों आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। राजेश कनेसर ने बताया कि गोपाल दास महाराज व सुमित दास महाराज ने सभी हिन्दुओं को जागृत व सावधान रहते हुए शास्त्र, साहित्य व शस्त्र को जीवन का अंग बनाने का आ ान किया। उन्होंने मजबूत, संगठित व समरस समाज को हर समस्या का समाधान बताया। मुख्य वक्ता रामकिशन गुर्जर ने पंच परिवर्तनो पर विस्तार से जानकारी दी।

### कानूनी अधिकार के लिए जागरूकता शिविर आयोजित

**शाहपुरा ।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर सचिव पवन कुमार जीनवाल एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने गोविन्दम इनफ्रोटेक नगरपरिषद शाहपुरा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया।इस शिविर की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक सुरेंद्र कुमार टेलर द्धारा की गई। इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी विशाल शर्मा भी उपस्थित थे। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि मंदबुद्धि दो तरह के होते है। प्रथम मंदबुद्धि माँ के गर्भावस्था में कुपोषण के शिकार से ग्रसित माताओं, बहिनें के द्धारा लिए गए आहार , दवाईयों के साइड इफेक्ट, एवं किसी अकस्मात दुर्घटना की शिकार हुई महिलाओं के गर्भावस्था में बच्चे को चोट लगने से शारीरिक, मानसिक डिप्रेशन में होने के कारण पैदा होने वाला बच्चा मंदबुद्धि हो सकता है। भारत के संविधान के तहत मंदबुद्धि बोद्धिक अक्षमता को कहा गया है। संविधान के अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार दिलाया है।

# 'बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया को देवें गति'

**अलवर।** जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज कलक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं 2026-27 के समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में संबधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने बजट 2026-27 में जिले के लिए हुई घोषणाओं की विभागवार समीक्षा कर निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति के लिए विभागीय अधिकारी भूमि की आवश्यकता वाली घोषणाओं के लिए सात दिवस में भूमि आवंटन के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें, जिससे आमजन की सुविधाओं के दृष्टिगत बजट घोषणाओं को यथाशीघ्र धरातल पर मूर्त रूप दिया जा सके। उन्होंने उद्यान विभाग के उपनिदेशक को निर्देश दिये कि ब्याज एवं सब्जी के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु गाइडलाइन अनुसार आवश्यक भूमि के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही सुनिश्चित करावें। उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि राजगढ़ शहर में पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ीकरण कार्य के संबंध में आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य प्रारम्भ करावे।

जिला कलक्टर ने बजट 2026-27 में जिले के लिए हुई घोषणाओं की विभागवार समीक्षा की।


**LOST-SHARES**

Notice is hereby given that 2400 Shares Certificate No. 310135 Dist. No. 13576246 to 13578645 Folio No. DBL 0110196 Holder Damodar Das Malpani Company Dalmia Bharat Ltd. is reported to be lost. If No. objeetion from any in terested person or found to any person may inform company's registrar KFIN Techonolgies Ltd. Selenium Tower 'B' Plot No. 31/32 Nanakramguda-Seri, Hyderabad 500032 within 15 Days of this notice. After that company will issue shares"
Jaipur
February 18th 2026

**कार्यालय नव ज्योति राजीविका महिला सर्वागिण विकास सहकारी समिति लि. श्रीचन्दपुरा**
ग्राम-श्रीचन्दपुरा तह. राजगढ (अलवर) राज.
क्रमांक-944 दिनांक-15/2/26

**नोटिस**

नव ज्योति राजीविका महिला सर्वागिण विकास सहकारी समिति लिमिटेड श्रीचन्दपुरा कि विशेष साधारण सभा का आयोजन दिनांक 26/2/26 को 11.00 बजे स्थान-ग्राम पंचायत-कुण्डला में होगी, आपकी उपस्थित सादर आमंत्रण है।
मिथलेश, अध्यक्ष

**खोया पाया**

मैं नितिन कुमार शर्मा पुत्र श्री जगदीश प्रसाद शर्मा प्लॉट न 453 ग्रीन वैली 2 कॉलोनी रामसिंहपूरा रोड वाटिका सांगानेर जयपुर के पट्टे की मूल प्रति आवंटन पत्र साइड प्लान व रसीद खो /गुम हो गई है। मिलने पर सूचित करे! मो.7568868856

मेरे मकान 13/426 मालवीय नगर जयपुर का मूल कार्यालय आदेश, डिमांड लेटर, नियमितीकरण पत्र, अदेय प्रमाणपत्र, मालवीय नगर में कहीं खो गये हैं मिलने पर सूचित करें- योगी लालवानी 9116965112

**उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)**
**व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 2259/2026**
**विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।**
प्रार्थी- नाम पुष्पा श्री श्रीवास्तव पत्नी स्व. श्री विनोद कुमार श्रीवास्तव निवासी C-40, पंचशील कॉलोनी पुरानी चुंगी, अजमेर रोड जयपुर-302019
मृतक स्व. विनोद कुमार श्रीवास्तव पुत्र सुन्दर लाल की सम्पत्ति के विषय में।
**पेशी दिनांक: 18.03.2026**
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम विनोद कुमार श्रीवास्तव पुत्र सुन्दरलाल जाति कायस्थ निवासी C-40 पंचशील कॉलोनी, पुरानी चुंगी, अजमेर रोड, जयपुर-302019 का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्रदान किया जावे।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 18 माह 03 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 03 माह 02 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
प्रार्थी ने मृतक विनोद कुमार के नाम प्राप्त में वर्णित सम्पति बाबत उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र चाहा है।
मोहर
आज्ञा न्यायालय से
वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर प्रथम

प्रपत्र सं. 7 (देखिए नियम 21)
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
मुकदमा नं. DEV/JAIPUR-I/TRUST/467/2026
चूंकि प्रार्थी श्री **Madhu Sudan Agarwal, 5, Ballabh Kunj, Jamna Lal Bajaj Marg, C-Scheme, Jaipur-302001** ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम की धारा 1959 की धारा 17(1)के अन्तर्गत प्रन्यास श्री राम बल्लभ अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट, **152, Haldiyon Ka Rasta, Johari Bazar, Jaipur-302003** के सम्बंध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत शक्तियों के प्रयोग में उपयुक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए,यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 11.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी- 17.04.2026
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर प्रथम

**नाम परिवर्तन**

मैं कमलेश कुमार चंदवानी पुत्र श्री गुनामल चंदवानी निवासी 220- बी, सिन्धी कॉलोनी, जवाहर नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम कमलेश चंदवानी से बदलकर कमलेश कुमार चंदवानी (KAMLESH KUMAR CHANDWANI) रख लिया है। भविष्य में मुझे कमलेश कुमार चंदवानी के नाम से जाना जाये।

मैंने सभी उदेश्यों के लिए अपना नाम SANJIDA से बदलकर SANJIDA KHAN रख लिया है। भविष्य में मुझे SANJIDA KHAN निवासी- 2342, बालजी की कोठी का रास्ता, चौकड़ी तोपखाना हुजूरी, घाटगेट, जयपुर के नाम से जाना जाए।

I Kanwer Kanta spouse of GO no. 005362L rank AE (Civ) Jassu Singh resident of village Kujota Teh. Kotputli, Dist. Jaipur, Rajasthan-303108 have changed my Name from Kanwer Kanta to Kanta vide affidavit dated 17 feb 2026 before additional district magistrate (ADM) Kotputli, Rajasthan.

I Murli Devi legally wedded spouse of airforce no 704953K Ex sgt Late phool Chand takar resident of dhani vikash nagar govindgarh jaipur that i want to change myname from MURLI DEVI To MURALI DEVI vide affidavit dated 21 jan 2026 before sub divisional officer chomu Jaipur

**PUBLIC NOTICE**
To whomsoever it may concern
My client intends to purchase a house bearing no. A-21-A, Ram Nagar, Shastri Nagar, Jaipur, Rajasthan-302006, measuring 5040 Sq. Ft. owned by Shri Vishnu Kumar Agarwal The same is bounded under;

| | | |
|---|---|---|
| East | : | Plot No. C-49 |
| West | : | Road 100 feet wide |
| North | : | Plot No. A-21 |
| South | : | Plot No. A-20 |

If any person/financial institution except YES Bank has any right, title, interest, claim, demand, objection etc., of any nature whatsoever in respect of sale of this property, he/she should file his/her objections in writing to the under signed with in seven days from the date of publication of this notice, failing which my client shall proceed the said property.
Abhishek Saxena, Advocate
B-76, Nandpuri Marg, Hawa Sadak, Jaipur, Rajasthan – 302019
Mail I'd: saxenalawchambers@gmail.com

**आम सूचना**
मैं घोषणा करता हूं कि जयप्रकाश शर्मा पुत्र श्री तेज प्रकाश शर्मा निवासी मौ. गोपालगढ़, भरतपुर (राज.) मेरे निवास 234, स्वर्ण जयन्ती नगर, भरतपुर के परिसर में किराए से कमला मैडिकल स्टोर चलाता था, जिसे इसने स्वेच्छा से 23 दिसम्बर 2025 को खाली कर दिया है। इसके द्वारा की गई कोई भी लेन-देन, लाभ-हानि या व्यक्तिगत घटना से मेरा एवं मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं था, ना की भविष्य में मेरी एवं परिवार की कोई जिम्मेदारी होगी।
- डा. सुनील दत्त पाठक

**आम सूचना** दिनांक 17.02.2026
मै मेरे अभिभाष्य श्री बनवारी लाल शर्मा पुत्र श्री रामकरण शर्मा, निवासी ग्राम टेकचन्दपुरा की ढाणी, टेकचन्दपुरा, तहसील तूंगा, जिला-जयपुर (राज.) के हिदाफ एवं निर्देशानुसार हर खास-आम को सूचित करता हूँ कि मेरे अभिभाष्य के संपत्ति बी-353, हाउसिंग कोलोनी, रीको ओधोगिक क्षेत्र, सीतापुरा, जिला जयपुर से सबंधित असल अलाटमेन्ट लेटर क्रमांक U (25)/RESI/2002/175 दिनांक 26.04.2002 गुम हो गया है जो काफी प्रयास के उपरान्त भी नही मिला है। यदि मेरे अभिभाष्य के उक्त संपत्ति का उपरोक्त असल अलाटमेन्ट लेटर किसी को भी मिलता है तो निवेदन है कि मेरे मोबाइल नं. पर सूचित करे।
आमजन को यह भी सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य की उक्त संपत्ति के सबंध मे कोई भी किसी भी अन्य व्यक्ति, फर्म, संस्था, निकाय, कंपनी इत्यादि किसी से भी प्रकार का क्रय-विक्रय या किसी भी प्रकार का संव्यवहार नही करे। यदि मेरे अभिभाष्य की उक्त संपत्ति के सबंध मे कोई अन्य किसी भी प्रकार का क्रय-विक्रय या किसी भी प्रकार का संव्यवहार करता है तो इसके समस्त परिणामो के लिये वह स्वयं उत्तरदायी होगा। उसमे मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेवारी नही होगी। सूचित रहे।
हेमन्त सैनी एडवोकेट, मोबाइल-9887662156

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1402
चूंकि प्रार्थी श्री DURGA LAL MALI, H-25, SAINI COLONY EXTENSION, RAM NAGAR, SWEJ FARM, SODALA, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास हरी सब्जी उत्पादक किसान वेलफेयर संस्थान 1, GAUN SARI MANDI, JANTA MARKET, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 12.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 20.04.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1426
चूंकि प्रार्थी श्री SANDEEP KUMAR KULHARI, 254, हिम्मत नगर, टोंक रोड, जयपुर 302018 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास साइन इंटरनेशनल एंटरप्राइजेज, 254, हिम्मत नगर, टोंक रोड, जयपुर 302018 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 16.04.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1386
चूंकि प्रार्थी श्री BABULAL GUPTA, H-5, JANPATH, SHYAM NAGAR, JAIPUR, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास स्वास्तिका फाउंडेशन PLOT NO 14-15, KAMLA BHAWAN, 1st FLOOR, MOTILAL ATAL ROAD, OPPOSITE HOTEL NEELAM, JAIPUR, RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 16.04.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1291
चूंकि प्रार्थी श्री AMIT WILSON, 106, NEHRU NAGAR, NEAR KCC NAGAR, BHANKROTA, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास हेल्पिंग हैंड्स जयपुर सोसायटी A-13, JDA COLONY, SIRSI ROAD, BHANKROTA, JAIPUR, BHANKROTA के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 03.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10.04.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

**COLLEGE OF AGRICULTURE**
(S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY)
Kumher, Distt. - Deeg, PIN- 321201
Mobile No.: 8005842512 Email: dean.coabharatpur@sknau.ac.in
No. F. /OT/COA-K/2026/6545 Dated: 12.02.2026

**NOTICE INVITING BID**

Bid for open tender regarding purchase of Sports Articles and Laboratory Equipments are invited from interested bidders upto 02 PM of 19.02.2026 and the tender will be opened on 19.02.2026 at 02.30 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (**http://sppp.raj.nic.in**) of the Rajasthan state; and www.sknau.ac.in University Website.
**NIB code: SKN2526A0426 and UBN is: SKN2526GSOB00461**
Yours faithfully,
DEAN
Raj.Samwad/C/25/19963

## संक्षिप्त

### जिला अस्पताल सआदत में कैंसर वार्ड का शुभारम्भ

**टोंक।** मुख्यालय स्थित जिला सआदत चिकित्सालय में कैंसर वार्ड का उद्घाटन बीजेपी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, जिला प्रमुख सरोज नरेश बंसल व अन्य बीजेपी नेता के द्वारा मंगलवार को दस बेड वाले कैंसर वार्ड शुरू किया गया है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने रिबन काटकर इस वार्ड का उद्घाटन किया तथा जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के लोगों की जनभावना को ध्यान में रखते हुए टोंक के कैंसर पीड़ितों को कैंसर का वार्ड खोलकर मरीजों को बड़ी राहत दी है। इससे मरीजों और अटेंडेंट को सहुलियत मिलने के साथ ही समय की भी बचत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के हर वर्ग के लिए काम कर रहे है। मेडिकल क्षेत्र में निशुल्क इलाज का ध्येय है। सआदत अस्पताल के पीएमओ डॉक्टर हनुमान प्रसाद बैरवा ने बताया कि इस वार्ड के खुलने से कैंसर के मरीजों को पहले कीमोथेरेपी और अन्य सुविधाओं के लिए जयपुर समेत अन्य शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ता था।

### एनएसएस विशेष शिविर का आयोजन जारी

**कोटपूतली।** यहां के राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों ईकाईयों के संयुक्त तत्वाधान में सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिवस मंगलवार को मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन कर व सरस्वती वंदना के साथ षिविर का शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना गीत का गायन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संदीप कुमार आर्य ने दूसरे दिवस की गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. सीमा पंत ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से आप पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्थान एवं परिवर्तन, राष्ट्रीय सेवा और नैतिक मूल्यों के विकास में अहम भूमिका निभा सकेंगे। कार्यक्रम के बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता दंत चिकित्सक डॉ. स्वाति यादव ने युवा एवं स्वास्थ्य के आयाम विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य रूप से ओरल हेल्थ पर विस्तार से प्रकाश डाला। दांतों के संक्रमण, मसूड़े के संक्रमण और मुंह के कैंसर के बारे में सभी को जागरूक किया।

### गौ सेवकों ने किया विरोध प्रदर्शन

**निवाई।** ग्राम पंचायत झिलाय में आमजन की समस्याओं को लेकर गौ सेवा दल द्वारा पंचायत भवन के बहार धरना प्रदर्शन किया गया। एडवोकेट बनवारीलाल यादव ने बताया कि गांव में जो कचरा वेंन चलती है। वह गाड़ी खुले में कचरा खाली कर रही है। जिससे गाय माता व अन्य पशु कचरे में युक्त प्लास्टिक की पन्नियां खा रहे है। जिससे उनकी मृत्यु हो रही है। गौ सेवकों ने बताया कि आए दिन सैकड़ों गौ माता एवं गौ वंश की इसके कारण मृत्यु हो रही है। जिसको लेकर गौ सेवकों भारी आक्रोश व्याप्त है। विरोध प्रदर्शन में गांव के लोगों ने मिलकर एक बार फिर आवाज उठाई है। इस दौरान एडवोकेट बनवारीलाल यादव ने ग्राम विकास अधिकारी से चर्चा करते हुए शीघ्र कार्यवाही करने का आव्हान किया।

### राजपाल सिंह को मिला बेस्ट ट्रैफिक पुलिस अवॉर्ड

**कोटपूतली।** राजधानी जयपुर स्थित पुलिस कमिश्नरेट में मंगलवार को भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारियों व पुलिसकर्मियों को बेस्ट ट्रैफिक पुलिस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस वर्ष यह प्रतिष्ठित सम्मान जयपुर के ट्रैफिक पुलिस में कार्यरत राजपाल सिंह भाटी को दिया गया, जो ग्राम दांतिल के रहने वाले हैं। वे अपनी निष्ठा, समर्पण व जयपुर की सड़कों को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने की प्रतिबद्धता के लिये जाने जाते हैं। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उन्हें प्रशंषा पत्र व पदक प्रदान किया, जो उनके उत्कृष्ट ट्रैफिक प्रबंधन और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों व गणमान्य नागरिकों ने उनके कार्य की सराहना की। राजपाल सिंह भाटी की मेहनत और समर्पण ने ना केवल ट्रैफिक नियमों के पालन को सुनिश्चित किया है, बल्कि एक सुरक्षित और बेहतर जयपुर के निर्माण में उनका योगदान अमूल्य है।

# मुख्यमंत्री के स्वच्छ राजस्थान का सपना भरतपुर करेगा साकार : के के गुप्ता

**भरतपुर ।** मुख्यमंत्री के विकसित, समृद् और स्वच्छ राजस्थान को लेकर स्वच्छता के ब्रांड एम्बेसडर केके गुप्ता ने जिले के शहरी निकायों के अधिकारी और कर्मचारियों की बैठक ली। मंगलवार को निगम के सभागार मे स्वच्छता को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक मे डीडीआर रीछपाल सिंह बुरडक, निगम सचिव विजय प्रताप सिंह, पवन गुप्ता, तेजराम मीना, योगेश पिप्पल सहित निकायों के ईओ सहित सफ़ाई निरीक्षक मौजूद रहे। बैठक मे गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता को लेकर सभी निकायों को छोटे छोटे उपाय बताए और कहा कि काम करने से होता है और स्वच्छ राजस्थान को हम सभी को स्वच्छ बनाना है।

मुख्यमंत्री के विकसित, समृद् और स्वच्छ राजस्थान को लेकर ब्रांड एम्बेसडर गुप्ता ने निकायों की ली बैठक।

निकायों की बैठक से पहले गुप्ता ने मंगलवार सुबह शहर के कचरा निस्तारण केंद्र, शहर की सड़को और वार्डो मे स्वच्छता को लेकर निरीक्षण किया। उन्होंने बैठक मे कहा कि जिस तरह शहर मे अभेद लोहगढ दुर्ग का निर्माण महाराजा सूरजमल की इच्छा शक्ति से बना है, उसी तरह निकाय के अधिकारियों की इच्छा शक्ति से जिले की निकाय भी स्वच्छता मे ऐसा काम करे जो अन्य निकाय के लिए अभेद बन जाए। उन्होंने कहा भरतपुर मे स्वच्छता को लेकर जरूर काम हो रहा है पर इसको स्वच्छता के सभी मापको को पुरा करके करे।

■ गुप्ता ने शहर के कचरा निस्तारण केंद्र, शहर की सड़को और वार्डो मे स्वच्छता को लेकर निरीक्षण किया

बैठक मे उन्होंने कहा कि कचरा संग्रहण मे जियो टेकिंग और जीपीएस से मॉनिटरिंग को सुद्रढ बनाने की बात कही। इसके साथ ही कचरे का शत प्रतिशत निस्तारण करने को कहा। शहर की स्वच्छता को आमजन से जोड़कर अधिकारी और कर्मचारी वार्डो का निरीक्षण किया जाए। उन्होंने खाली पड़े भूखंड की सफ़ाई कराकर जुर्माना वसूला जाए, दिन के साथ रात्रि कालीन स्वच्छता पर भी काम होना चाहिए। ब्रांड एम्बेसडर गुप्ता ने निकयो को कहा कि बाग बगीचे और खाली प्लोटो की सफ़ाई, नाईट स्वीपिंग, शौचालय की सफ़ाई, सड़को की मरम्मत, सीवरेज लाइन से खुदी सड़को की मरम्मत आदि कामों के फोटो जियो टैग से प्रतिदिन ग्रुप मे भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने ही व्हाट्सप् ग्रुप बनाने के निर्देश दिए, जिसकी मॉनिटरिंग वे भी प्रतिदिन करेगे।उन्होंने कहा कि निकायों मे स्वच्छता के संदेश के लिए स्वच्छता के होर्डिंग लगाने के भी निर्देश दिए है।

गुप्ता ने बैठक से पहले शहर के कचरा निस्तारण केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि एमआरएफ केंद्र को शीघ्र शुरू किया जाए और इसकी देरी के लिए जिम्मेदारी तय की जाए जिससे कचरे का ढेर नही लगे। उन्होंने कहा कि अब देरी न करे, जल्दी कचरा निस्तारण केंद्र को सुदृढ़ बनाया जाए।

## कार्यशाला का आयोजन

**सिरस।** रक्षण परियोजना के अंतर्गत सिरस के राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय में सचिव अंजू शर्मा के सानिध्य में एसएमसी की आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन हुआ। क्लस्टर कोर्डिनिटर हरपाल बैरवा द्वारा समिति गठन व समिति सदस्य के कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसएमसी सदस्यों की जिम्मेदारी है कि विद्यालय के क्रियाकलापों की निगरानी रखना, विद्यालय विकास योजना का निर्माण करना, दानदाताओं व भमाशाहों से दान प्राप्त करना, बच्चों के नामांकन पर निगरानी रखना, ड्राप आउट बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोडना एवं मध्यान्ह भोजन की निगरानी रखना आदि कर्तव्य है। साथ ही विद्यालय में गरिमा पेटी का होना, नेपकिन वितरण होना, सुरक्षित खेल मैदान का होना, स्वच्छ शौचालय व पानी की व्यवस्था होना। यह सब समिति की जिम्मेदारी है। कार्यशाला में शिक्षा विभाग की योजनाएं एंव नियमों एवं पोक्सो एक्ट के संदर्भ में भी चर्चा की गई।

# भरतपुर स्थापना दिवस पर कलक्टर सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने किया रक्तदान

**भरतपुर ।** भरतपुर के 293वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आरबीएम अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जिला प्रशासन, भारतीय सेना एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने रक्तदान किया।

जिला कलक्टर कमर चौधरी, आयुक्त बीडीए कनिष्क कटारिया, अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी एवं सेना के अधिकारियों ने रक्तदान की शुरूआत कर अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। जिला कलक्टर ने कहा कि रक्तदान कर किसी भी व्यक्ति की जान बचाने का कार्य किया जाता है इसमें युवाओं को आगे आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रक्त किसी फैक्ट्री में निर्मित नहीं किया जा सकता। एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को रक्त देकर आवश्यकता पडने पर अमूल्य सहयोग प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि जिले के ब्लड बैंक में आवश्यकता पडने पर रोगियों को रक्त की कमीं नहीं रहे, इसके लिए विभिन्न अवसरों पर जिला प्रशासन द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं। जिससे युवाओं को भी प्रेरणा मिलती रहे। उन्होंने आरबीएम प्रशासन को सुझाव दिया कि रक्तदाताओं का डाटा एकत्रित कर सुरक्षित रखें जिससे अलग-अलग रक्त समूहों की आवश्यकता पडने पर जरूरतमंद रोगी को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर जिला कलक्टर, बीडीए आयुक्त, एडीएम सिटी, सैन्य अधिकारियों द्वारा आरबीएम अस्पताल में रक्तदान किया। सेना के जवानों में अलग-अलग राज्यों के निवासी शामिल रहे, जिनका जिला कलक्टर द्वारा स्वागत कर धन्यवाद व्यक्त किया गया।

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आरबीएम अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

■ कलक्टर ने कहा कि रक्तदान कर किसी भी व्यक्ति की जान बचाने का कार्य किया जाता है

# जिलाध्यक्ष के एक साल कार्यकाल पर दिव्यांगों को बांटी व्हील-चेयर

**टोंक।** भारतीय जनता पार्टी टोंक जिला अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर कार्यक्रम के तहत बीजेपी कार्यालय परिसर में दिव्यांग सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जिला मुख्यालय समेत आसपास से गांवों से आए 32 दिव्यांगों को उनकी जरुरत के हिसाब से ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर आदि सामग्री दी गई।

■ आसपास से गांवों से आए 32 दिव्यांगों को उनकी जरुरत के हिसाब से ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर आदि सामग्री दी

वही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरण भी किया गया, साथ ही कार्यकर्ताओं से संवाद किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि बीजेपी फिर से नगर निकाय चुंबनुज पंचायत राज में जीत हासिल करेगी। महिलाओं को पंचायत राज और नगर निकाय चुनावों में प्लेस ज्यादा महत्व देगी।

बीजेपी कार्यालय में दिव्यांग सामग्री वितरण कार्यक्रम हुआ।

सरकार सबका विकास सबका साथ की विचार धारा से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में कोई गुटबाजी नहीं है, अब साथ साथ प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जन सेवा को समर्पित रहता है।

भाजपा संगठन की बूथ तक इकाई बनी हुई है, आने वाले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी टोंक जिले में परचम लहरायेगी, टोंक में प्रधान,चेयरमैन, जिला प्रमुख सभी भारतीय जनता पार्टी के बनेंगे।

इस अवसर पर जिला प्रभारी जितेंद्र शर्मा, सह प्रभारी रामानंद गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश माहुर, सत्यनारायण चौधरी, सतीश चंदेल, नरेश बंसल, रामनिवास गुर्जर, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, सरोज बंसल, बेणी प्रसाद जैन जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी, बबलू टैंकर, प्रधान काबरा, ममता जाट, रामचंद्र गुर्जर, जिला मंत्री तरुण टिक्किवाल, बिना छामुनिया, हरिराम यादव, रामकिशन गुर्जर, राधेश्याम चावला, नीलिमा आमेरा, प्रकोष्ठ प्रभारी राजेश मंगल, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिरोठा, प्रवक्ता रत्तीराम पहाड़िया, जुली शर्मा, विजय मालवानी समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# भिवाड़ी में प्रशासन की सख्ती, जांच के दौरान दो अवैध पटाखा फैक्ट्री पकड़ी

**भिवाड़ी/खैरथल।** भिवाड़ी स्थित रीको औद्योगिक क्षेत्र में हाल ही में हुई आगजनी की गंभीर घटना के बाद जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए व्यापक जांच अभियान के तहत मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जांच टीम ने दो अवैध पटाखा निर्माण फैक्ट्री को सीज किया। यह मैसर्स कात्याल लॉजिस्टिक और लक्ष्मी एलॉयज के नाम पर संचालित की जा रही थी, जबकि अंदर बड़े पैमाने पर पटाखों का निर्माण और भंडारण किया जा रहा था। सीज कि गई औद्योगिक प्लॉट का आईजी रेंज जयपुर एच.जी. राघवेंद्र सुहास ने निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों को जब्ती प्रक्रिया को नियमानुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से की गई कार्रवाई की जानकारी भी ली।

गठित जांच दल जब रीको प्लॉट संख्या जी-1/682 एंव जी 1- 538ए पर पहुंचा तो दोनों फैक्ट्री बंद मिली और मालिक मौके से फरार था। टीम द्वारा कई बार संपर्क करने के बावजूद मालिक के नहीं पहुंचने पर प्रशासन, पुलिस एवं रीको अधिकारियों की मौजूदगी में फैक्ट्री का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया। निरीक्षण के दौरान परिसर से भारी मात्रा में पटाखे, कच्चा माल एवं निर्माण में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए।

■ मंगलवार को संयुक्त दल ने 315 औद्योगिक इकाइयों का किया निरीक्षण

अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र ने बताया कि सूचना मिलने पर टीम तुरंत मौके पर पहुंची और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों फैक्ट्री की जांच की गई। प्रथम दृष्टया फैक्ट्री में विस्फोटक सामग्री का अवैध निर्माण एवं भंडारण पाया गया है, जो सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन है। एहतियातन फैक्ट्री की बिजली आपूर्ति भी तत्काल प्रभाव से काट दी गई है, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके।

पहली कार्रवाई में खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के भूखण्ड संख्या 1-682 पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं तहसीलदार टपूकड़ा की टीम ने निरीक्षण किया। यह भूखण्ड मैसर्स कात्याल लॉजिस्टिक के नाम आवंटित है, लेकिन मौके पर फैक्ट्री बंद मिली। अधिकारियों ने अंदर प्रवेश कर निरीक्षण किया, जहां जिप्सम, सिलिका सैंड, नाइट्रिक एसिड, पत्थर, रेशा सहित पटाखा निर्माण से संबंधित मशीनें और रासायनिक पदार्थ पाए गए।

# अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने किया नगर परिषद कार्यालय कोटपुतली का निरीक्षण

**कोटपूतली ।** अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर परिषद कोटपूतली ओमप्रकाश सहारण ने मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

सहारण ने इस दौरान आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय के पहचान पोर्टल द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में लाइव डेमो के माध्यम से जानकारी लेकर आमजन को इसके बारे में अधिकाधिक जागरूक करने को कहा जिससे कि आमजन को इस सुविधा का लाभ मिल सके और कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। उन्होंने बताया कि राज्य में जन्म-मृत्यु एवं विवाह के पंजीकरण, पहचान पोर्टल के माध्यम से किये जा रहे है। राज्य के सभी रजिस्ट्रार, उप रजिस्ट्रार इस पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर, डिजीटल हस्ताक्षिरत प्रमाण-पत्र जारी कर रहे है। इसके अतिरिक्त प्रमुख निजी चिकित्सालय भी जन्म- मृत्यु की घटनाओ की पहचान पोर्टल पर ही ऑनलाइन रिपोर्टिंग कर रहे है। राज्य मे पंजीकरण से जुड़े सभी कार्य जैसे पंजीकरण मे संशोधन एवं भाषा परिवर्तन, गोद लिये बच्चे का पंजीकरण, जुड़वा बच्चे का पंजीकरण आदि पोर्टल द्वारा ही संपन्न किये जाते है। उन्होंने बताया कि आमजन पोर्टल पर या ई-मित्र कियोस्क पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। पहचान एन्डराइड एवं आईओएस मोबाइल एप भी आमजन की सहायतार्थ उपलब्ध है। प्रमाण-पत्र ऑनलाइन ही पोर्टल या मोबाइल एप से डॉउनलोड किये जा सकते है एवं प्रमाण-पत्र डिजीलॉकर पर भी उपलब्ध है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने नगर परिषद कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया ।

उन्होंने संबंधित अधिकारियो को निर्देशित किया कि नाम संशोधन के लम्बित प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही कर निस्तारित करें, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग से आवश्यक कार्यवाही होने पर प्रकरण को अनावश्यक लम्बित नहीं रखे एवं तुरंत अपडेट करें।

■ पहचान पोर्टल से दी जा रही सुविधा से आमजन को लाभान्वित करने और नाम संशोधन के लम्बित प्रकरणों पर शीघ्र कार्यवाही के दिए निर्देश

उन्होंने निरीक्षण के दौरान कहा कि अधिकारी व कार्मिक आमजन के परिवादों का समयबद्ध गुणवत्ता के साथ निस्तारण करे। उन्होंने नगर परिषद के भूमि शाखा, जन्म मृत्यु विवाह पंजीयन शाखा, रिकॉर्ड रूम, नगरीय विकास कर शाखा सहित अन्य शाखाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारी से किए जा रहे कार्यों एवं आमजन को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

## रैली छारसा जोहड़ा धाम में पहुँची

**मनोहरपूर ।** श्री श्री 1008 किशन दास जी महाराज खोरा आश्रम से सुबह 9 बजे से विधिवत ध्वजा रैली डीजे घोड़े गाड़ी से रवाना होकर छारसा जोहड़ा धाम पहुची इस दौरान रास्ते मे ग्रामीणजन द्वारा पुष्पवर्षा की गई इस दौरान अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इधर श्री श्री 1008 श्री किशन दास जी महाराज जोहड़ा धाम से भी सुबह 11 बजे विधिवत रैली रवाना होकर गांव के प्रमुख मार्गों में से घूम कर जोहड़ा धाम 4 बजे वापस पहुंची। भक्त प्रकाश कपूरिया व महेश कपूरिया ने बताया कि श्री श्री 1008 श्री छबीलेशन देवाचार्य जी महाराज जोहड़ा धाम महाराज द्वारा रैली का कार्यक्रम किया गया था जिसमे सैकड़ो नर नारी भक्त गण भजनों पर नाचते गाते हुए आए।महाशिवरात्रि के इस कार्यक्रम में सभी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया मंदिर प्रांगण में पंगत प्रसादी का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर कपूरिया जाट समाज के अध्यक्ष सॉन्ग खेड़ा शंभूश कैलाश दास जी महाराज मोहन दास जी दिवाली धाम राजू जी बंसी सूरज जी बुधराम जी महेश जी अग्रवाल कमलेश जी अग्रवाल गोविंद जी पंडित रामजी राज पंडित आदि उपस्थित थे।

## सार-समाचार

### शक्ति दिवस आयोजित

**टोंक।** अनिमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शक्ति दिवस आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों, किशोर-किशोरियो, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर को कम करने हेतु जिलें में माह के प्रत्येक मंगलवार को "शक्ति दिवस" के रूप में मनाया जाता है। डॉ0 चौधरी ने बताया कि प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्रो, उप स्वास्थ्य केन्द्रो, पीएचसी, सीएचसी व राजकीय चिकित्सा संस्थानो पर शक्ति दिवस आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियत्रण हेतु स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच उपचार तथा अनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। डॉ. चौधरी ने बताया कि उक्त दिवस पर अनीमिया से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गई। जिसमें अनीमिया की स्क्रिनिंग, जांच, उपचार तथा अनीमिया के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

### स्वर्ण कारीगर लाखों का सोना लेकर फरार

**पावटा।** कस्बे पावटा में स्वर्ण कारीगरी का कार्य करने वाला एक कारीगर लाखों रुपए मूल्य के सोने के आभूषण लेकर फरार हो गया। मामले को लेकर संतोष कुमार सोनी, श्रवण कुमार सोनी सहित स्वर्णकार समाज के लोगों ने थाना प्रागपुरा में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। नाजिम अली उर्फ कोखन बंगाली, पावटा में स्वर्ण कारीगरी का कार्य कर रहा था। स्थानीय स्वर्णकार समाज द्वारा उसे आभूषण निर्माण हेतु सोना दिया जाता था। आरोप है कि बीती रात करीब 2 बजे के बाद वह विभिन्न लोगों का सोना लेकर फरार हो गया। जिन व्यक्तियों का सोना बताया गया है उनमें श्रवण कुमार सोनी - 72 ग्राम सोना, नन्द किशोर सोनी-122 ग्राम सोना, पवन कुमार सोनी (भोनावास)- 200 ग्राम सोना, वन्दन सोनी (भोनावास) 15 ग्राम सोना, सुधीर सोनी (ललाणा)-93 ग्राम सोना, अभिषेक सोनी (ललाणा) 25 ग्राम सोना, संतोष कुमार सोनी (पावटा) 47.200 ग्राम सोना, मोहन लाल सोनी (पावटा) 61 ग्राम सोना व 7 लाख रुपए, सियाराम सोनी (पावटा)-30 ग्राम सोना, महेश गोविन्द सोनी-10 ग्राम सोना, अनीश बंगाली- 3.250 ग्राम सोना, हबीब बंगाली-61 ग्राम सोना है। पीड़ितों के अनुसार आरोपी पिछले कई वर्षों से विश्वसनीय रूप से कार्य कर रहा था, जिससे किसी को संदेह नहीं हुआ। घटना के बाद स्वर्णकार समाज में रोष व्याप्त है। थानाधिकारी, थाना प्रागपुरा को दिए गए परिवाद में आरोपित के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई कर माल बरामद करने की मांग की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### फागोत्सव कार्यक्रम में झूमे श्रद्धालु

**फुलेरा।** फुलेरा के श्रीरामनगर स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में मंगलवार को भव्य फागोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम का अनुपम दरबार सजाया गया तथा विशेष श्रृंगार कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों एवं रंग-बिरंगी सजावट से सजाया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। माली सैनी समाज संस्थान फुलेरा के अध्यक्ष तेजकरण सैनी ने कहा कि फाल्गुन महीना बाबा श्याम को रिझाने का पावन महीना है। उन्होंने कहा कि जो भी श्रद्धालु खाटू श्याम की शरण में जाता है, उसकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। इस अवसर पर श्रद्धालु एवं मातृ शक्तियां बाबा श्याम के दरबार में भजनों पर झूमती नजर आईं। फुलेरा में बाबा श्याम के फागोत्सव की शुरुआत करने वाली श्याम प्रेमिका कमला सैनी का विशेष सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में धर्मप्रेमिका गीता देवी, निवर्तमान पार्षद पूजा भाटी, मीना सैनी, रामजीलाल पापटवान, पूनम कुमावत, रामजीलाल तुंदवाल, निरंजन सैनी, सुमन सिंगोदिया, गुलाब देवी माली, सीमा सैनी, अंजू सैनी, राधा देवी, उर्मिला, वंदना सैनी, भारती सैनी, सोनू, लक्की सिंगोदिया, मनीषा सहित सैकड़ों की संख्या में प्रबुद्धजन एवं मातृ शक्तियां उपस्थित रहीं। भजन संध्या में गायक कलाकार रमेश बिजारणियां, कैलाश सैनी, किशन राणा एवं मुकेश काला ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

### 11 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

**पावटा।** पूर्व विधायक व कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को एक पत्र लिखकर अवगत करवाया कि आरक्षण संघर्ष समिति राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष चंद्र प्रकाश सैनी के नेतृत्व में माली, सैनी, कुशवाह, सुमन, भोई, मौर्य आदि समाज के प्रतिनिधियों ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को 11 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन निवेदन किया है। ज्ञापन में समाज को अलग से 12 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रमुख मांग उठाई गई। साथ ही महात्मा ज्योतिबा फुले बोर्ड को देवनारायण बोर्ड की तर्ज पर वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार प्रदान करने तथा बोर्ड में पदाधिकारियों की शीघ्र नियुक्ति करने की मांग की गई। समिति ने संत श्री लिखमीदास जी महाराज की जन्मस्थली नागौर को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने, आंदोलन के दौरान युवाओं पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने तथा बागवानी विकास बोर्ड का गठन करने की भी मांग रखी। इसके अतिरिक्त फुले दंपति को भारत रत्न से सम्मानित करने और भारतीय सेना में सैनी रेजीमेंट का गठन करने सहित कुल 11 सूत्रीय मांगों का शीघ्र निस्तारण करने की अपील की गई। पूर्व विधायक व कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि माली, सैनी, कुशवाह, सुमन, भोई, मौर्य आदि समाज की आरक्षण सहित सभी जायज मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर आवश्यक अग्रिम कार्यवाही की जाए।

### श्री शांतिनाथ मंडल विधान का आयोजन

**निवाई।** सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में पंडित सुरेश के शास्त्री के निर्देशन में श्री शांतिनाथ मंडल विधान का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं भगवान शांतिनाथ के भक्तिभाव से श्रीफल चढाकर पूजा-अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम की शुभारंभ प्रातः काल भगवान शांतिनाथ के अभिषेक, पंचामृत अभिषेक व शांतिधारा के साथ हुआ। उसके पश्चात सौधर्म इन्द्र ओमप्रकाश, सतीशचन्द, महेन्द्रकुमार, चेतन कुमार, खेमचन्द, जितेन्द्रकुमार व चन्द्रप्रकाश चंवरिया ने श्री शांतिनाथ मंडल विधान में मंडप पर 132 श्रीफल अघ्र्य चढाए। इसी प्रकार जैन नसियां मंदिर में श्रद्धालुओं ने 41 फुट ऊंचे मान स्तम्भ पर चारों दिशाओं में विराजमान भगवान आदिनाथ, भगवान चन्द्रप्रभु, भगवान शांतिनाथ एवं भगवान महावीर स्वामी की जिन प्रतिमाओं का अभिषेक किया। इस दौरान भगवान आदिनाथ, पदमप्रभु जी, सुपाश्र्वनाथ जी, चन्द्रप्रभु जी, शांतिनाथ जी, मुनिसुब्रतनाथ जी, नेमीनाथ जी, पाश्र्वनाथ जी एवं महावीर स्वामी जी की पूजा अर्चना करते हुए अष्ट द्रव्य से अघ्र्य चढ़ाए।

मैंने सरलता से खेला और पाकिस्तान के खिलाफ मैच को एक सामान्य मैच की तरह लिया, गेंद पर नजर रखी और विकेट और लक्ष्य का आकलन करने के बाद ही अपने शॉट खेले।

**- ईशान किशन**

भारतीय बल्लेबाज, पाकिस्तान के खिलाफ अपनी बल्लेबाजी को लेकर बोलते हुए।

# खेल जगत

## आज का खिलाड़ी — प्रमोद भगत

14 फरवरी डोपिंग से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण 2024 में पेरिस पैरालंपिक खेलों में नहीं खेल पाने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने हाल में विश्व खिताब जीतकर अपने करियर को नहीं दिशा दी है और उनकी निगाह अब एशियाई खेलों और 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले पैरालंपिक खेलों पर टिकी है। विश्व बैडमिंटन महासंघ के डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने के लिए 18 महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए भगत ने पैरा विश्व चैंपियनशिप में एसएल-3 श्रेणी में अपना छठा एकल स्वर्ण पदक जीतकर खुद को साबित किया।

**क्या आप जानते हैं ?...** टी20 वर्ल्ड कप (2007-2026): भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक हुए 9 मुकाबलों में से भारत ने 8 जीते हैं, जबकि पाकिस्तान ने केवल 1 (2021) जीता है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

## आज के मैच

**दक्षिण अफ्रीका व यूएई के बीच सुबह 11 बजे**

**पाकिस्तान व नामीबिया के बीच दोपहर 3 बजे**

**भारत व नीदरलैंड के बीच शाम 7 बजे**

## नेपाल ने स्कॉटलैंड को 7 विकेट से हराया

मुंबई, 17 फरवरी। नेपाल ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली जीत हासिल की है। टीम ने स्कॉटलैंड को 7 विकेट से हराया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल ने ग्रुप सी के इस मैच का टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम ने वर्ल्डकप में पहली बार टॉस जीता। स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 170 रन बनाए। जवाबी पारी में नेपाल ने 19.2 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया। दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 23 बॉल पर 50 रन की नाबाद पारी खेली। ओपनर कुशल भुर्तेल ने 43 रन बनाए। माइकल लीस्क को 3 विकेट मिले। स्कॉटलैंड की ओर से ओपनर माइकल जोन्स (71 रन) ने फिफ्टी लगाई। जॉर्ज मुन्से ने 27 और ब्रैंडन मैकमुलेन ने 25 रन बनाए। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सके।

# न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप के सुपर-8 में पहुंचा, कनाडा को 8 विकेट से हराया

### युवराज सिंह समरा का ऐतिहासिक शतक

चेन्नई, 17 फरवरी। न्यूजीलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 31वें मुकाबले में कनाडा को 8 विकेट से हराकर सुपर-8 में जगह पक्की कर ली। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए इस मैच में कनाडा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी और 20 ओवर में 4 विकेट पर 173 रन बनाए। जवाब में कीवी टीम ने 15.1 ओवर में सिर्फ 2 विकेट गंवाकर टारगेट हासिल कर लिया।

174 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र ने अर्धशतक लगाए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए नाबाद 146 रन की साझेदारी हुई। फिलिप्स ने 36 बॉल पर नाबाद 76 रन बनाए। उन्होंने 3 कैच भी लिए। फिलिप्स को इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, रचिन ने 39 बॉल पर नॉटआउट 59 रन की पारी खेली। कनाडा के लिए साद बिन जफर और दिलोन हेलिगर को 1-1 विकेट मिला।

मंगलवार को चेन्नई में खेले गए मुकाबले ने टी20 विश्व कप 2026 में एक नई कहानी लिख दी। कनाडा के युवा बल्लेबाज युवराज सिंह समरा ने अपने नाम के अनुरूप ऐसा प्रदर्शन किया कि क्रिकेट जगत हैरान रह गया। टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में कनाडा क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 173 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। यह मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया।

कनाडा की पारी की रीढ़ बने 19 वर्षीय ओपनर युवराज सिंह समरा, जिनका नाम भारतीय दिग्गज युवराज सिंह के नाम पर रखा गया है। गौरतलब है कि समरा ने महज 58 गेंदों में शतक जड़ते हुए 110 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और छह छक्के शामिल रहे। यह पारी न केवल कनाडा की दूसरी सबसे बड़ी टीम स्कोर में अहम रही, बल्कि टी20 विश्व कप इतिहास में किसी एसोसिएट देश के बल्लेबाज का पहला शतक भी बनी।

## ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्डकप से बाहर, जिम्बाब्वे सुपर-8 में

### जिम्बाब्वे-आयरलैंड मैच बारिश से रद्द

कैंडी, 17 फरवरी। 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लीग राउंड से ही बाहर हो गई है। मंगलवार को जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। कैंडी के पल्लेकेले स्टेडियम में मैच का टॉस भी नहीं हो सका। इसी के साथ जिम्बाब्वे सुपर-8 में पहुंच गई है। एक दिन पहले कंगारू श्रीलंका के खिलाफ 8 विकेट से हार गए थे। उन्हें 13 फरवरी को जिम्बाब्वे ने 23 रन से हराया था। अब ऑस्ट्रेलिया को 20 फरवरी को ओमान से खेलना है। इसे जीतकर भी मिचेल मार्श की टीम अगले दौर में नहीं पहुंच सकेगी। ऑस्ट्रेलियन टीम इस टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरी बार ग्रुप स्टेज से बाहर हुई है। इससे पहले 2009 में टीम रिकी पोंटिंग की कप्तानी में लीग राउंड से बाहर हो गई थी।

## एक्सीलेंस क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 17 फरवरी। अंडर 12 पिंकसिटी कप मैं एक्सीलेंस क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते

हुए 40 ओवर में 252 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं। सोहल ने 86 और केतन ने 79 रनों का योगदान दिया। कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से धनंजय जांगिड़ ने 4 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैंडलविक क्रिकेट अकादमी 40 ओवर में 208 रन 7 विकेट के नुकसान पर बना सकी। प्रणव कुमार ने 104 और विधान ने 38 रनों का योगदान दिया ! एक्सीलेंस क्रिकेट अकादमी की ओर से सोहेल ने 3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच सोहेल को चुना गया।

## आईपीएल मैचों की प्रस्तावित मीटिंग हुई रद्द

जयपुर, 17 फरवरी। एसएमएस स्टेडियम में मुख्य सचिव, बीसीसीआई सचिव, राजस्थान रॉयल्स पदाधिकारी और स्पोर्ट्स काउंसिल अध्यक्ष नीरज के. पवन की मंगलवार को बैठक प्रस्तावित थी। यह मीटिंग भी अंतिम समय में रद्द कर दी गई। जबकि आईपीएल शुरू होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। ऐसे में मैच आयोजन की तैयारियों के लिए समय लगातार कम होता जा रहा है। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन जयपुर में आईपीएल मैच कराने के पक्ष में नहीं है। पिछले सीजन के अनुभव, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की आंतरिक राजनीति और स्टेडियम की मौजूदा स्थिति को लेकर कराए गए सीक्रेट सर्वे की रिपोर्ट भी संतोषजनक नहीं बताई जा रही है। ऐसे में जयपुर से मैच शिफ्ट होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में इंडियन आईपीएल मुकाबलों के आयोजन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई और राजस्थान रॉयल्स के पदाधिकारियों का मंगलवार को स्टेडियम दौरा प्रस्तावित था। आखिरी समय में इसे रद्द कर दिया गया। इसके बाद जयपुर में आईपीएल मैचों के आयोजन पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

# रणजी ट्रॉफी में मो. शमी की घातक वापसी

### आठ विकेट लेकर टीम इंडिया के लिए ठोका मजबूत दावा

नई दिल्ली, 17 फरवरी। घरेलू क्रिकेट के मौजूदा सत्र में मोहम्मद शमी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अनुभव और कौशल का कोई विकल्प नहीं होता। रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में बंगाल के लिए खेलते हुए उन्होंने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ कालयाणी में आठ विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रणजी ट्रॉफी के इस अहम मुकाबले में शमी ने बंगाल क्रिकेट ग्राउंड पर शानदार गेंदबाजी करते हुए जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। पहली पारी के 59वें ओवर में विकेटकीपर-बल्लेबाज कनहैया वाधवन को कैच आउट कर उन्होंने अपना पांचवां विकेट पूरा किया और साथियों के साथ जोरदार जश्न मनाया। पूरे मैच में उनके आठ विकेट इस बात का संकेत हैं कि वह लगातार

लय में लौट रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय तेज गेंदबाज ने इस सत्र में अब तक सात मैचों में 38 विकेट हासिल किए हैं, जिसमें तीन बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। इससे पहले सर्विसेज के खिलाफ उन्होंने दूसरी पारी में 5/51 का प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। ऐसे समय में जब भारतीय तेज आक्रमण की गहराई को लेकर चर्चा जारी है, शमी का यह प्रदर्शन महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गौरतलब है कि हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला और आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की टीम में शमी को जगह नहीं मिली थी। चोट के कारण हरषित राणा के बाहर होने पर मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया। इसके अलावा उनका बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध भी समाप्त हो चुका है। भारत के लिए उनकी आखिरी उपस्थिति 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में रही थी।

शमी ने सीमित ओवरों के घरेलू टूर्नामेंट में भी प्रभाव छोड़ा है। विजय हजारे ट्रॉफी में सात मैचों में 15 विकेट लेकर उन्होंने यह दिखाया कि वह सिर्फ लाल गेंद ही नहीं, सफेद गेंद से भी असरदार साबित हो सकते हैं।

## इमरान के लिए गावस्कर-कपिल भी आए साथ

नई दिल्ली, 17 फरवरी। पांच टेस्ट खेलने वाले देशों के चौदह पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तान सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री और विश्व कप विजेता कप्तान इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंताओं के मद्देनजर, जेल में बेहतर व्यवहार और चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने की अपील की है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल द्वारा तैयार की गई यह याचिका मंगलवार दोपहर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सौंपी गई। इस पत्र पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर और कपिल देव के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ, इयान चैपल, बेलिंडा क्लार्क और किम ह्यूजेस; इंग्लैंड के माइक एथर्टन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरली और डेविड गोवर; वेस्टइंडीज के क्लाइव लॉयड; और न्यूजीलैंड के जॉन राइट ने भी हस्ताक्षर किए हैं। पूर्व कप्तानों ने लिखा कि उनके स्वास्थ्य से संबंधित हालिया रिपोर्टों - विशेष रूप से हिरासत में रहते हुए उनकी दृष्टि में आई चिंताजनक गिरावट - और पिछले ढाई वर्षों से उनकी कैद की स्थितियों ने हमें गहरी चिंता में डाल दिया है।

## स्वर्ण पदक जीतकर लौटी सोनू सम्मानित

जयपुर, 17 फरवरी। राजस्थान महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौर ने ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज महिला

कबड्डी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर लौटी सोनू यादव को सॉल और बुके देकर किया सम्मानित। राखी राठौर ने सोनू को आशीर्वाद देते हुए कहा कि गोल्ड मेडल जीतकर न केवल डिपार्टमेंट का बल्कि पूरे राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। राखी राठौर ने कहा कि आप भाग्यशाली है कि आपको कटारिया जैसे कोच मिले। उन्होंने कहा कि कटारिया ने भवानी निकेतन महिला महाविद्यालय मै कोचिंग देकर 21 साल तक कबड्डी मै कॉलेज चैम्पियन रही और इन्होंने कई राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी निकाले । राठौर ने कहा कि सोनू बहुत होनहार खिलाड़ी है और यह जरूर एक दिन भारतीय महिला कबड्डी टीम मै फिर प्रतिनिधित्व करेगी। उन्होंने कहा कि सोनू के पहले शोल्डर का ऑपरेशन हुआ फिर पैर मै लिगामेंट टूट गया इन सबसे उभरती हुई इस खिलाड़ी ने हिम्मत नहीं हारी और लगातार मेहनत कर यह साबित कर दिया कि मै बेस्ट हु जो आप सबके सामने हैं।

# भारत सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज से भिड़ेगा

नई दिल्ली, 17 फरवरी। टी-20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में भारत के प्रतिद्वंद्वी की पुष्टि हो गई है। जिम्बाब्वे ने आयरलैंड के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद टूर्नामेंट के अगले चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारतीय टीम सुपर आठ चरण के ग्रुप 1 में है और विश्व कप खिताब बचाने की कोशिश करेगी। टी20 विश्व कप की मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में पाकिस्तान को हराकर सुपर आठ में जगह बनाई। विश्व कप में अजेय रहने वाली भारतीय टीम ऐतिहासिक खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मौजूदा चैंपियन अब जिम्बाब्वे, वेस्ट इंडीज और पिछले सीजन के उपविजेता दक्षिण अफ्रीका के साथ ग्रुप में हैं। भारत 22 फरवरी को अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा, फिर 26 फ़रवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगा और सुपर 8 चरण का समापन 1 मार्च को कोलकाता में वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच से करेगा। भारत ने रविवार को कोलंबो में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 61 रनों से हराकर सुपर 8 चरण में जगह बनाई। भारत फिलहाल ग्रुप ए में तीन में से तीन मैच जीतकर शीर्ष पर है।

भारत अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगा। दोनों देशों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सिर्फ एक बार एक-दूसरे का सामना किया है, जिसमें भारत ने सिडनी में खेले गए 2022 टी20 विश्व कप में जीत हासिल की थी। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम अमेरिका, नामीबिया और पाकिस्तान को हराने के बाद लगातार चौथी जीत पर नजर रखेगी। नीदरलैंड्स की पाकिस्तान से हार और अमेरिका से करारी हार ने सुपर 8 में क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। स्कॉट एडवर्ड्स की टीम को अब तक सिर्फ नामीबिया पर मिली जीत ही हासिल हुई है।

भारत टी20 विश्व कप 2026 में अब तक अपराजित है और उसने अपने सभी मैच जीते हैं। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में जीत के साथ की। इसके बाद, भारतीय टीम ने अपने दूसरे मैच में नामीबिया को आसानी से हरा दिया, हालांकि उनकी बल्लेबाजी में आखिरी ओवरों में लड़खड़ाहट हुई थी। फिर उन्होंने कोलंबो में पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। भारत का सामना 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से होगा, जो लीग चरण का उनका आखिरी मैच है। यह मैच भारत के लिए औपचारिकता मात्र है, लेकिन नीदरलैंड्स के लिए सुपर आठ में चमत्कारिक प्रवेश करने का एक सुनहरा मौका है। भारत विश्व कप में इतिहास रचने की कोशिश कर रहा है। वह टी20 खिताब का बचाव करने वाली, घरेलू मैदान पर खिताब जीतने वाली और साथ ही तीन टी20 विश्व खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का प्रयास कर रहा है।

## युवा विस्फोटक बल्लेबाज डेवॉल्ड ब्रेविस की फॉर्म पर टिकी निगाहें

नई दिल्ली, 17 फरवरी। दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के अपने अंतिम और महत्तवहीन जैसे मुकाबले में बुधवार को यहां जब संघर्ष कर रहे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ उतरेगा तो उसकी निगाहें युवा विस्फोटक बल्लेबाज डेवॉल्ड ब्रेविस की फॉर्म पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका तीन जीत के साथ पहले ही सुपर आठ में जगह बना चुका है।इसमें अफगानिस्तान के खिलाफ दो सुपर ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले में जीत और न्यूजीलैंड पर सात विकेट की प्रभावशाली विजय शामिल है। यूएई के लिए यह मुकाबला मार्को यानसन, कागिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी जैसे तेज गेंदबाजों के खिलाफ खुद को परखने का मौका होगा।

# टी-20 विश्वकप : सुनील गावस्कर की अभिषेक शर्मा को सलाह, विश्व कप में फार्म वापसी पर जोर

नई दिल्ली, 17 फरवरी। टी-20 विश्व कप में युवा ओपनर अभिषेक शर्मा की धीमी शुरुआत को लेकर चर्चा तेज है और अब पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने उन्हें सादा लेकिन अहम सलाह दी है। लगातार दो मैचों में खाता खोले बिना आउट होने के बाद अभिषेक पर दबाव बढ़ा है, ऐसे में गावस्कर ने उन्हें बुनियादी बातों पर ध्यान देने की नसीहत दी है।

बता दें कि टी20 विश्व कप 2026 में अभिषेक अब तक अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। सुनील गावस्कर ने कहा कि अभिषेक को सबसे पहले एक सिंगल लेकर अपना खाता खोलना चाहिए, उसके बाद ही बड़े शॉट्स खेलने की कोशिश करनी चाहिए। उनके मुताबिक क्रीज पर समय बिताने से

आत्मविश्वास लौटता है और फिर स्वाभाविक आक्रामक खेल सामने आता है।

गौरतलब है कि 23 वर्षीय अभिषेक टूर्नामेंट से पहले शानदार फॉर्म में थे और न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़कर सुर्खियों में आए थे। हालांकि विश्व कप के दौरान वह बीमार पड़ गए और नामीबिया के खिलाफ मुकाबला नहीं खेल सके। मौजूद जानकारी के अनुसार, अस्पताल से लौटने के बाद कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भी वह बिना खाता खोले आउट हो गए। लगातार दो 'डक' के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या वह शुरुआत में जरूरत से ज्यादा आक्रामक होने की कोशिश कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि टी20 प्रारूप में तेज शुरुआत महत्वपूर्ण होती है, लेकिन बल्लेबाज को परिस्थितियों के अनुरूप संतुलन भी बनाना पड़ता है।

गावस्कर ने भी इसी ओर इशारा करते हुए कहा कि जब खिलाड़ी सेट हो जाता है, तब वह अपनी सीमाओं से बाहर जाकर बड़े शॉट खेल सकता है। भारत पहले ही सुपर 8 चरण में जगह बना चुका है, ऐसे में टीम प्रबंधन के पास अभिषेक को दोबारा आत्मविश्वास हासिल करने का मौका देने का विकल्प है। यदि वह शुरुआती दबाव से निकलकर अपनी स्वाभाविक लय में लौटते हैं, तो मध्यक्रम पर भी दबाव कम होगा।

# हार्दिक सिंह को मिली टीम की कमान, निजी कारणों से होबार्ट चरण से बाहर हुए हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली, 17 फरवरी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। नियमित कप्तान और स्टार ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के निजी कारणों से हटने के बाद, अनुभवी मिडफील्डर हार्दिक सिंह को आगामी एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिए भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह टूर्नामेंट 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट में खेला जाएगा। भारत, स्पेन और मेजबान

ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट के आगामी चरण में होबार्ट के तस्मानिया हॉकी सेंटर में एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगे। भारतीय टीम ने राउरकेला में समाप्त हुए चरण में अपने सभी चार मैच गंवा दिए थे, जिसमें अर्जेंटीना के हाथों 0-8 की शर्मनाक हार भी शामिल है। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, "राउरकेला में हमारा प्रदर्शन निराशाजनक रहा और परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे लेकिन हमने कुछ अच्छे सबक सीखे हैं और कुछ उल्लेखनीय सुधार किए हैं।" नए कप्तान हार्दिक दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हैं। टीम में अमनदीप लाकड़ा और मनमीत सिंह जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने राउरकेला चरण के दौरान सीनियर टीम के लिए अपना पहला मैच खेला था।

## अंडर-23 सीकेएन क्वार्टरफाइनल मैच के लिए टीम घोषित

जयपुर, 17 फरवरी। आरसीए-छत्तीसगढ़ के बीच 21-24 फरवरी, 2026 को रायपुर में खेले जाने वाले अंडर-23 सीकेएन क्वार्टर फाइनल मैच के लिए चुनी गई। आरसीए अंडर-23 टीम नीचे दी गई है:- सुमित गोदारा, रजत भगेल, रोहन राजभर, करण लांबा, राज शर्मा, अनिरुद्ध सिंह, चेतन शर्मा, गणेश सुथार, दीपेंद्र सिंह, नीलेश टांक, दर्शन जैन, रामेश्वर लाल गायरी, मोहित चांगरा, अव्यांश सिंह, सचिन यादव, हार्दिक मेवाड़ा।

# एमवीसी कप के उद्घाटन मुकाबलों में विमल एरियन अचीवर्स और जिंदल पोलो की जीत

### जयपुर पोलो सीजन 2026

जयपुर, 17 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित प्रतिष्ठित जयपुर ओपन फॉर ब्रिगेडियर एचएच महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी कप (14 गोल्स) के उद्घाटन मुकाबले मंगलवार को पीपीसी और आरपीसी ग्राउंड पर खेले गए। पहला मुकाबला पीपीसी ग्राउंड पर टीम विमल एरियन अचीवर्स और टीम कैरेसिल सुहाना के बीच खेला गया, जिसमें विमल एरियन अचीवर्स ने 12-9 के अंतर से जीत दर्ज की।

दूसरा मुकाबला आरपीसी ग्राउंड पर टीम जयपुर अरावली और टीम जिंदल पोलो के बीच हुआ। इस रोमांचक मुकाबले में जिंदल पोलो ने 12-11 के स्कोर से जीते। जयपुर ओपन फॉर ब्रिगेडियर एचएच महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी कप का फाइनल मुकाबला शनिवार, 21 फरवरी को दोपहर 3:30 बजे से राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड (आरपीसी) पर खेला जाएगा।

**टीम कैरेसिल सुहाना बनाम टीम विमल एरियन अचीवर्स -** विजेता टीम विमल एरियन अचीवर्स की ओर से ध्रुवपाल

गोदारा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 गोल किए, जबकि अलेजो अरामबुरु ने 2 गोल किए। डेनियल ओटामेंडी और सलीम आजमी ने 1-1 गोल हासिल किए। वहीं, टीम कैरेसिल सुहाना की ओर से माटियास वायल ने 4 गोल किए। मैनुअल प्राडो और कुलदीप सिंह राठौड़/भवानी कालवी ने 2-2 गोल किए, जबकि अशोक चांदना/डिनो धनखड़ ने 1 गोल हासिल किया।

**टीम जयपुर अरावली बनाम टीम जिंदल पोलो-** विजेता टीम जिंदल पोलो की ओर से मैक्स चार्लटन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 गोल किए। नवीन जिंदल ने 2 गोल किए, वहीं सिद्धांत शर्मा और सिमरन शेरगिल ने 1-1 गोल किया। दूसरी ओर, टीम जयपुर अरावली की ओर से लांस वॉटसन ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 8 गोल किए। हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, प्रताप सिंह कानोता और मैनुअल फर्नांडीज लोरेंटे ने 1-1-1 गोल का योगदान दिया। बुधवार, 18 फरवरी को रेस्ट डे रहेगा। गुरुवार, 19 फरवरी को क्रॉस सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। इन मुकाबलों में टीम कैरेसिल सुहाना और टीम जिंदल पोलो के बीच मुकाबला होगा, वहीं दूसरा मैच टीम विमल एरियन अचीवर्स और टीम जयपुर अरावली के बीच खेला जाएगा।

## बीकानेर डिवीजन ने इंटर डिवीजन जीता

जयपुर, 17 फरवरी। गणपति नगर रेलवे ग्राउंड पर खेले जा रहे इंटर डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में गौरव खत्री के ऑलराउंड प्रदर्शन से बीकानेर डिवीजन ने जयपुर डिविजन को 18 रन से हराया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए बीकानेर डिवीजन ने 25 ओवर में 202/8 रन बनाए। जिसमें गौरव खत्री ने 93 रन व विनोद चांवरिया ने 36 व जुबेर अली खान ने 34 रन का योगदान दिया। जयपुर डिविजन के गेंदबाजी की ओर से अंशुल गढ़वाल व आकाश साहू ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में जयपुर डिविजन 25 ओवर में 184/9 मना सकी। जिसमें पवन पटवा ने 47 रन व धर्मवीर कुमार सैनी ने 34 रन व गौरव मीणा ने 30 रन का योगदान दिया। बीकानेर डिवीजन के गेंदबाजी की ओर से गौरव खत्री ने 3 विकेट व विनीत और जुबेर ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ़ द मैच - गौरव खत्री, टूर्नामेंट बेस्ट प्लेयर - गौरव खत्री, टूर्नामेंट बेस्ट बैट्समैन - अंशुल गढ़वाल, टूर्नामेंट बेस्ट बॉलर - गौरव खत्री रहे।

### के.एल. सैनी 'ए' डिवीजन लीग

# राजस्थान यूथ व चंबल स्पोर्ट्स जीते

जयपुर, 17 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैचों में राजस्थान यूथ ने सुराना एकेडमी को 121 रनो से हराया तथा चंबल स्पोर्ट्स ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को 72 रनो से हराया। राजस्थान यूथ की टीम लगातार चौथी जीत के साथ अंकतालिका में 8 प्वाइंट के साथ पहले स्थान पर है।

के एल सैनी स्टेडियम पर राजस्थान यूथ ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अभय शर्मा के 43 रन, जयंत ताम्बी के 37 रन, भावित कुमावत के 65 रन, कुमार वासुदेव के 62 रन, रिहान अली के 25 रन, हिमांशु राणा के 12 रन व रोहन सिंह के नाबाद 15 रनो से 50 ओवर में 7 विकेट पर 294 रन बनाए। सुराना एकेडमी के लिए आदित्य झाला ने 56 पर 2, विकास झारवाल, अभिषेक यादव व आशीष इंदौरिया ने एक - एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में सुराना एकेडमी की टीम प्रशांत यादव 34 रन, हर्ष परवानी 46 रन व आशीष इंदौरिया 34 रन से 39.1 ओवर में 173 रनो पर सिमट गई। राजस्थान यूथ के गेदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए हिमांशु राणा ने 16 पर 2, शुभम सिंह ने 23 पर 2, गौरव पुनिया ने 52 पर 3, रोहन सिंह ने 20 पर 2 व कैफ गुडएज ने 40 पर एक विकेट लिया।

**दूसरे मैच में जयपुरिया ग्राउंड पर चंबल स्पोर्ट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल**

खंडेलवाल के 88 रन, हार्दिक कुक्कड़ के 63 रन, गौरव सैनी के 22 रन व हिमान्य भारद्वाज के 24 रनो से 48 ओवर में 248 रन बना कर आउट हुई। राजीव गांधी क्लब के लिए आयुष गुर्जर ने 35 पर 4, मनय कटारिया ने 63 पर 3, राजवीर सिंह व विजय शर्मा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में राजीव गांधी क्लब की टीम मनय कटारिया 22 रन, राजवीर सिंह 53 रन, रक्षित कुमावत 37 रन व श्याम सुंदर के 17 रनो से 45 ओवर में 177 रन बनाकर आउट हो गई। चंबल स्पोर्ट्स के लिए तोषित भाटिया ने 31 पर 3, कार्तिक बदलानी 32 पर 2, दिव्यांश शर्मा 39 पर 2, हिमान्य भारद्वाज 24 पर 2 व अभिजय भंडारी ने 25 पर एक विकेट लिया।

# भारत विस्तार तकनीकी प्रणाली किसानों की खुशहाली बढ़ायेगी- भजनलाल

## केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह व मुख्यमंत्री ने जयपुर में ''भारत विस्तार'' का शुभारंभ किया

- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में कृषि क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। कृषि में तकनीक की उपयोगिता से राजस्थान देश को दिशा दिखा रहा है।

जयपुर, 17 फरवरी। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ''भारत विस्तार'' के माध्यम से कृषि में डिजिटल क्रांति का शंखनाद हुआ है। इस प्लेटफॉर्म से अन्नदाता किसानों को एआई आधारित प्रणाली में सही समय पर उनकी खेती से जुड़ी विविध जानकारियां त्वरित मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि गुलाबी नगरी जयपुर से पूरे देशभर में शुरू हुए इस एआई आधारित नवाचार से किसानों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समग्र कृषि सेवाएं प्रदान की जाएंगी। चौहान मंगलवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित भारत विस्तार के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यह हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में शुरू किया गया है तथा भविष्य में यह 11 अन्य भारतीय भाषाओं में भी शुरू होगा।

*केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर में दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित ''भारत विस्तार'' कार्यक्रम का शुभारंभ किया।*

चौहान ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राजस्थान में कृषि क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए जा रहे है। साथ ही, कृषि में तकनीक की उपयोगिता से राज्य देश को दिशा भी दिखा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय कृषि मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ए.आई. के माध्यम से लागू होने वाली प्रणाली भारत विस्तार कृषि के आधुनिकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह किसानों की खुशहाली को और बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से किसानों को खेती से जुडी जानकारी और सेवाएं सीधे बातचीत के माध्यम से तुरंत उनकी भाषा में मिलेंगी।

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि राज्य सरकार उन्नत एवं तकनीक आधारित कृषि को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने 'एआई हैकथॉन' तथा 'एग्री कोष' तथा ''एआई फॉर एग्रीकल्चर'' रोडमैप को भी लॉन्च किया।

## जाते-जाते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आलोचक रहे हैं। खास बात यह है कि मेजर अहमद ने हाल ही में कहा है कि ''भारत बांग्लादेश की संप्रभुता को स्वीकार नहीं करता।'' वहीं, नूरुल हक नूर और जोनायेद साकी जैसे नेता, जो 2024 के आंदोलन के दौरान मशहूर हुये थे, उन्हें भी राज्य मंत्री बनाया गया है। ये नेता अक्सर ''इंडिया आउट'' अभियान चलाते रहे हैं और बांग्लादेश की आंतरिक नीतियों में भारत के कथित हस्तक्षेप के खिलाफ प्रदर्शन करते रहे हैं। इन घटनाओं से संकेत मिलता है कि बांग्लादेश अब ज्यादा दृढ़ और राष्ट्रवादी रुख अपना रहा है। ये घटनाएं साफ दिखाती हैं कि पिछली सरकार के समय का भारत-बांग्लादेश संबंधों का ''स्वर्णिम दौर'' अब समाप्त हो गया है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि मोहम्मद यूनुस पहले भी कई बार भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों को शामिल करते हुए एक क्षेत्रीय आर्थिक समूह की बात कर चुके हैं। उन्होंने बांग्लादेश को इस नए आर्थिक समूह का मुख्य प्रवेश द्वार बताया है, तथा यह देश स्थल से घिरे पडोसी देशों और वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच प्रमुख कडी के रूप में काम करेगा। अपने विदाई भाषण में यूनुस ने फिर कहा, ''हमारा खुला समुद्र केवल भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि बांग्लादेश के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का खुला दरवाजा है। यह क्षेत्र, नेपाल, भूटान और सैवन सिस्टर्स (भारत के सात पूर्वोत्तर राज्य) के साथ मिलकर बहुत बड़ी आर्थिक क्षमता एवं सम्भावना रखता है।''

# राजस्थान हाई कोर्ट के कार्यवाहक न्यायाधिपति ने जोधपुर के आठ न्यायिक अधिकारियों को एपीओ किया

- अचानक निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए या कार्य के प्रति उदासीन व लापरवाही बरत रहे न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्यवाही।
- एपीओ किये गए अधिकारियों में जोधपुर महानगर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय शर्मा भी शामिल हैं, जिन्हें हाई कोर्ट में हाजिरी लगाने के आदेश दिये गये हैं।

जोधपुर/जालोर,17 फरवरी (का.सं.)। राजस्थान की न्यायिक व्यवस्था से जुड़ी एक अहम प्रशासनिक कार्रवाई में राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने मंगलवार को अचानक निरीक्षण करने के बाद, जिला न्यायाधीश और वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश स्तर के आठ न्यायिक अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल चंचल मिश्रा ने आदेश जारी कर बताया कि मंगलवार को हाईकोर्ट जोधपुर के न्यायाधिपति ने जिला न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालय का अचानक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में कार्य के प्रति उदासीनता व लापरवाही बरतने पर अजय शर्मा जिला एवं सत्र न्यायाधीश जोधपुर महानगर को एपीओ करके में हाईकोर्ट में हाजिरी लगाने के आदेश दिये। वहीं, मनीषा चौधरी विशिष्ट न्यायाधीश पोक्सो न्यायालय जोधपुर, मनीषा शर्मा एडीजे नम्बर द्वितीय जोधपुर महानगर, नेहा शर्मा अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जोधपुर, करुणा शर्मा सीनियर सिविल जज एवं सीजेएम जोधपुर, प्रवीण चौधरी अतिरिक्त सीनियर सिविल जज कम एसीजेएम नं. द्वितीय जोधपुर, सीमा संधु अतिरिक्त सीनियर सिविल जज कम एसीजेएम नं. 9 व मनोज जींगर अतिरिक्त सीनियर सिविल जज कम एसीजेएम नं. 7 को एपीओ करके मुख्यालय जिला एवं सत्र न्यायालय जोधपुर में हाजिरी लगाने के आदेश दिए गए। आदेश जारी होने के बाद न्यायिक हल्कों में हलचल तेज हो गई है और इसे जोधपुर की न्यायिक व्यवस्था में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल माना जा रहा है। आदेश के अनुसार, जोधपुर महानगर एवं जिला न्यायालयों में कार्यरत कई महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारियों को उनके वर्तमान पदों से हटाकर मुख्यालय हाईकोर्ट या जिला एवं सत्र न्यायाधीश कार्यालय में पदस्थापन आदेश की प्रतीक्षा में रखा गया है। प्रशासनिक तौर पर इसे नियमित प्रक्रिया बताया गया है, लेकिन एक साथ इतने अधिकारियों के एपीओ होने से इस कदम को बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## इण्डिया एआई समिट में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिणामस्वरूप, दो समानांतर कथाएँ एक साथ चल रही हैं, एक जो पुनर्विचार का सुझाव देती है, और दूसरी जो भागीदारी की पुष्टि करती है। समीक्षा की शुरुआत अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा एप्स्टीन से जुड़े आंतरिक दस्तावेजों के रिलीज़ होने से हुई। लाखों पृष्ठों में से कुछ ड्राफ्ट ईमेल्स और नोट्स शामिल हैं, जिनमें एक वर्ष 2013 का ड्राफ्ट भी हैं, जिसमें गेट्स के व्यक्तिगत जीवन को लेकर दावे किए गए हैं। ये दस्तावेज़ आपराधिक आरोपों या न्यायिक निष्कर्षों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। इन दस्तावेजों में उल्लिखित होना अदालत में किसी आरोप के बराबर नहीं है।

गेट्स ने पहले स्वीकार किया था कि उन्होंने 2010 के दशक की शुरुआत में एप्स्टीन से मुलाकात की थी, और इन मुलाकातों को उन्होंने एक गलती माना था, जो परोपकारी चर्चाओं से जुड़ी थी। उन्होंने गलत काम करने से इनकार किया, कहा कि उन्होंने एप्स्टीन के द्वीप पर कभी यात्रा नहीं की, और अधिक सनसनीखेज दावों को गलत बताया। फिर भी, यह केवल जुड़ाव, चाहे वह कितना भी अप्रत्यक्ष क्यों न हो, सार्वजनिक संवेदनाओं को फिर से उभारने का कारण बन गया। वायरल अंशों और सुर्खियों से प्रेरित आक्रोश के इस युग में विवाद तेजी से फैलते है, सूक्ष्म बातें नहीं फैलतीं। भारत के लिए, ए.आई. इम्पैक्ट समिट सिर्फ एक सम्मेलन नहीं है। यह एक महत्वाकांक्षा का बयान है, जो देश को वैश्विक ए.आई. शासन में एक जिम्मेदार और प्रभावशाली खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है। ऐसे संदर्भ में, जो दिखता है, वही मायने रखता है, गेट्स जैसे शख्स की उपस्थिति वैश्विक भागीदारी को मजबूत करती है। लेकिन ऐसी भागीदारी से जुड़ा कोई भी विवाद समिट के वास्तविक एजेंडे से ध्यान हटा सकता है।यह भ्रम आपस में जुड़ी हुई तीन चीजों की वजह से है, वेबसाइट पर बिना स्पष्टीकरण के लिस्टिंग बदल दी गई, जाने-माने स्त्रोतों से प्राप्त मीडिया रिपोर्ट्स, और गेट्स फाउंडेशन से प्राप्त स्पष्ट स्पष्टीकरण। इन सब चीजों को जोड़ने वाली एक प्राधिकृत और आधिकारिक घोषणा नहीं करने से अटकलों को और बढ़ावा मिला है। अब तक, ऐसी कोई औपचारिक सरकारी घोषणा नहीं है, जो यह स्पष्ट करे कि गेट्स को औपचारिक रूप से हटा दिया गया है। न ही समिट आयोजकों से कोई सार्वजनिक और विस्तृत पुष्टि मिली है, जो फाउंडेशन के दावे के अलावा उनके अंतिम भाषण कार्यक्रम को स्पष्ट करे। जो बचा है, वह एक ''कन्युनिकेशन गैप'' है, जो यह दिखाता है कि कैसे तेजी से प्रतिष्ठा, कूटनीति और डिजिटल राजनीति एक दूसरे से जुड़ते हैं। एक समिट, जिसमें एल्गोरिद्म और आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस पर चर्चा की जानी है, लेकिन उसमें मानव दृष्टिकोण और संस्थागत संदेश मूल कहानी बन गए हैं।

## गावस्कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतीक के रूप में सम्मानित हैं, के साथ उनके पद के अनुरूप सम्मानजनक व्यवहार किया जाए''

''हम पाकिस्तान सरकार से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि इमरान खान को उनके स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के लिए योग्य विशेषज्ञों से तत्काल, पर्याप्त और निरंतर चिकित्सा दी जाए।

गावस्कर ने कहा, ''यह जो कुछ हो रहा है, वह बहुत खराब है। हम मैदान पर सिर्फ प्रतिद्वंदी नहीं थे, बल्कि जब वे वर्सेस्टरशायर के लिए एक विदेशी खिलाड़ी के रूप में चयनित होने की कोशिश कर रहे थे, तब हम दोस्त भी थे।''

## तीस साल ''बेगमों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इन दोनों बेगमों ने व्यक्तिगत प्रभाव और काफी हद तक तानाशाही तरीके से बांग्लादेश पर शासन किया। यह दो बेगमों के दौर का अंत है और उम्मीद है कि यह बांग्लादेश की राजनीति और शासन में एक नए दौर की शुरुआत होगी।

चुनाव जीतने के तुरंत बाद अपने बयान में तारिक रहमान ने कहा था कि नई सरकार को सभी बांग्लादेशियों के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने ''रेनबो नेशन'' की बात कही थी। शुरुआत से ही यह साफ दिखने लगा है कि नए प्रधानमंत्री को किन समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। पश्चिमी देशों में सत्रह साल के निर्वासन के बाद लौटे रहमान के शुरुआती बयानों से यह लगा कि वे विकास को प्राथमिकता देते हुए एक नए बांग्लादेश का निर्माण करना चाहते हैं। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था कमजोर हो चुकी है और कपड़ा निर्यात पर उसकी अत्यधिक निर्भरता अब उसके अस्तित्व के लिए खतरा बन रही है।नए प्रधानमंत्री अपनी विदेश नीति और भारत के साथ संबंधों को लेकर भी गंभीर चुनौती का सामना कर रहे हैं। मोहम्मद यूनुस ने कई तरीकों से दोनों पड़ोसी देशों के बीच दुश्मनी भरे रिश्तों को और बढ़ाने की कोशिश की थी। उन्होंने पड़ोसी देशों के रिश्तों में बिगड़ती हालत को और बढ़ाने की कोशिश की थी। मोहम्मद यूनुस ने भारत के उत्तर-पूर्व के ''सेवन सिस्टर्स'' के बारे में टिप्पणी करके भारतीय चिंताओं को बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि ये क्षेत्र जमीन से घिरे हुए हैं और समुद्र तक पहुंचने का उनका एकमात्र रास्ता बांग्लादेश से होकर जाता है। नई सरकार के लिए ये मुद्दे अभूतपूर्व समस्याएं पैदा कर सकते हैं। देश की नई सरकार के सामने आर्थिक विकास, बढ़ती महंगाई और लोगों, खासकर युवाओं, में बढ़ती बेरोजगारी जैसी समस्याएं सबसे बड़ी चुनौती हैं। रहमान की नई सरकार को, इन समस्याओं को हल करने में उसकी उपलब्धियों के आधार पर आंका जाएगा, न कि भारत के खिलाफ राजनीतिक बढ़त लेने की कोशिशों के आधार पर। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि अगर यूनुस की अंतरिम सरकार द्वारा उठाए गए भड़काऊ मुद्दे जारी रहे, तो भारत और बांग्लादेश के बीच सहयोग की सभी संभावनाएं खत्म हो सकती हैं।

## मैक्रों से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ भारत की वित्तीय राजधानी मुम्बई पहुंचे थे। मैक्रों का 2017 में सत्ता संभालने के बाद यह भारत का चौथा दौरा है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति का यह दौरा पिछले हफ्ते दिल्ली द्वारा पुष्टि किए जाने के बाद हुआ है कि वह राफेल जेट्स के लिए एक बड़ा ऑर्डर देने का इरादा रखते हैं, साथ ही जनवरी में भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। मैक्रों के ऑफिस ने कहा, ''इस दौरे के माध्यम से, हम भारत के साथ सहयोग को और मजबूत करने और फ्रांस की आर्थिक और व्यापारिक साझेदारियों को विविध करने की कोशिश कर रहे हैं।''

## क्या टूट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस राज्य में तब ही कुछ सीटें जीतती है, जब द्रमुक जीतती है और सत्ता में आती है। जब द्रमुक हारती है, तो कांग्रेस भी स्वाभाविक रूप से हार जाती है। दिलचस्प बात यह है कि तमिलनाडु में अन्ना द्रमुक -भाजपा गठबंधन मुश्किल में है, लेकिन फिर राहुल की टीम को यह समझना होगा कि उन्हें किस तरफ फायदा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908